डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

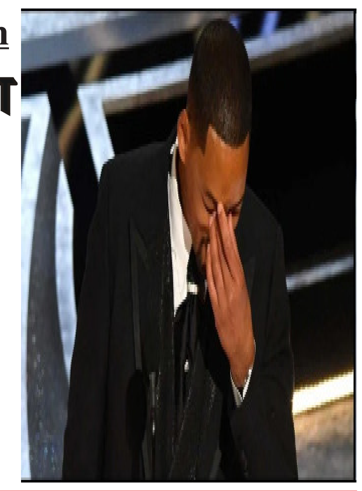

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक संस्थापकः- श्री महेन्द्र अरोरा

वर्ष-11 अंक-31 | प्रयागराज, रविवार 31 जुलाई 2022 से शनिवार 06 अगस्त 2022 तक | पृष्ठ- 8 | मूल्यः 3 रूपये

सिनेमाः क्रिस रॉक को थप्पड़ मारने के बाद क्या सोच रहे थे विल...8)

संक्षिप्त समाचार

डोभाल की मौजूदगी में लिया गया संकल्प, देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त संगठनों पर लगे प्रतिबंध

नई दिल्ली | दिल्ली में इंटरफेथ डायलॉग में सर्वसम्मति से लिए गए संकल्प के मुताबिक, हम दृढ़ता से अनुशंसा करते हैं कि अगर किसी भी व्यक्ति या संगठन के खिलाफ किसी भी माध्यम से समुदायों के बीच नफरत फैलाने के सबूत मिलते हैं, तो उस पर कानून के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।अजीत डोभाल शनिवार को दिल्ली में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे। एनएसए की उपस्थिति में अंतरधार्मिक संवाद में सर्वसम्मति से एक संकल्प भी लिया गया। इसके मुताबिक, पीएफआई और ऐसे किसी भी अन्य मोर्चों जैसे संगठन जो देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं और हमारे नागरिकों के बीच कलह

पैदा कर रहे हैं, उन्हें प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। उन पर देश के कानून के अनुसार उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए। दिल्ली में इंटरफेथ डायलॉग में सर्वसम्मति से लिए गए संकल्प के मुताबिक, हम दृढ़ता से अनुशंसा करते हैं कि अगर किसी भी व्यक्ति या संगठन के खिलाफ किसी भी माध्यम से समुदायों के बीच नफरत फैलाने के सबूत मिलते हैं, तो उस पर कानून के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। किसी के द्वारा चर्चा या बहस में किसी भी देवी, देवताओं या पैगंबरों को निशाना बनाने की निंदा की जानी चाहिए और कानून के अनुसार निपटा जाना चाहिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि दुनिया में संघर्ष का माहौल पैदा हो रहा है। अगर हमें इस माहौल का मुकाबला करना है, तो देश की एकता को एक साथ बनाए रखना जरूरी है और सशक्त मुल्क की तरह आगे बढ़ें। पिछले कुछ सालों से देश जो तरक्की कर रहा है इसका जो लाभ होगा वो हर हिंदुस्तानी को होगा। चंद लोग जो धर्म या विचारधारा के नाम पर लोगों में हिंसा या संघर्ष पैदा करने का प्रयतन करते हैं ।

भारत ने रूस-यूक्रेन अनाज निर्यात सौदे का किया स्वागत, साथ ही दे डाली चेतावनी

नई दिल्ली |भारत ने रूस-यूक्रेन अनाज निर्यात सौदे का किया स्वागत, साथ ही दे डाली चेतावनी में भारत के स्थायी मिशन के प्रभारी राजदूत आर रवींद्र ने कहा कि संघर्ष विशेष रूप से विकासशील देशों में खाद्य, उर्वरक और ईंधन सुरक्षा पर चिंताओं को बढ़ा रहा है। रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध ने दुनियाभर में खाद्य सुरक्षा पर असर डाला है। इस बीच भारत ने अनाज और उर्वरकों के निर्यात पर रूस और यूक्रेन के बीच संयुक्त राष्ट्र की ओर से हाल ही में किए गए समझौते का शुक्राबार का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि इसे सभी पक्षों द्वारा गंभीरता से लागू किया जाएगा, साथ ही आगाह किया कि अकेले ये उपाय देश के लिए पर्याप्त नहीं हो सकते हैं। खाद्य असुरक्षा की चिंताओं को दूर करें।यूक्रेन रूस संघर्ष का प्रभाव दुनियाभर में यूक्रेन रूस संघर्ष का प्रभाव केवल यूरोप तक ही सीमित नहीं है बल्कि आधी से ज्यादा दुनिया इसकी चपेट में है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रभारी राजदूत आर रवींद्र ने कहा कि संघर्ष विशेष रूप से विकासशील देशों में खाद्य, उर्वरक और ईंधन सुरक्षा पर चिंताओं को बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि जब खाद्यान्न की बात आती है तो हम सभी के लिए इक्विटी, सामर्थ्य

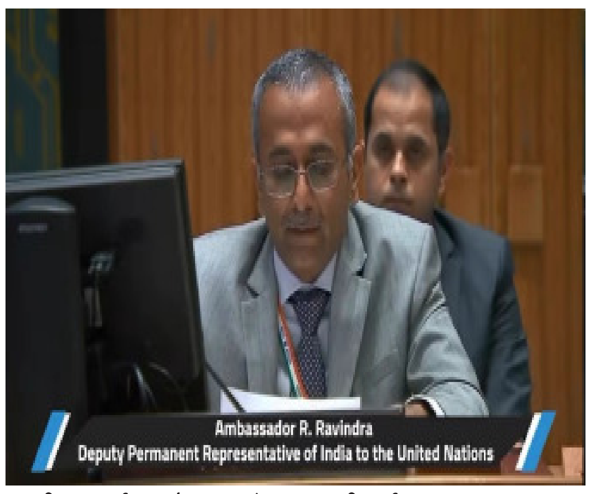

और पहुंच के महत्व की पर्याप्त रूप से सराहना करना आवश्यक है। खुले बाजार को असमानता को बनाए रखने और भेदभाव को बढ़ावा देने का तर्क नहीं बनना चाहिए। खाद्य असुरक्षा की चिंताओं को दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं उपाय यूक्रेन पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बोलते हुए आर रवींद्र ने कहा कि हम अनाज और उर्वरकों के सुरक्षित और सुरक्षित निर्यात को सुनिश्चित करने की दिशा में हालिया विकास का स्वागत करते हैं। हमें उम्मीद है कि इन सहमत उपायों को सभी पक्षों द्वारा गंभीरता से लागू किया जाएगा। आगे बोलते हुए कहा कि हमें विश्वास है कि ये अकेले उपाय खाद्य असुरक्षा की चिंताओं को दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। पिछले दिनों हुए समझौते पर हस्ताक्षर पिछले शुक्रवार को, रूसी और यूक्रेनी मंत्रियों ने इस्तांबुल में संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में चल रहे युद्ध के बीच काला सागर के माध्यम से यूक्रेनी अनाज निर्यात को फिर से शुरू करने पर ब्लैक सी ग्रेन इनिशिएटिव पर हस्ताक्षर किए। संयुक्त राष्ट्र की योजना रूसी खाद्य और उर्वरक के वैश्विक बाजारों तक पहुंचने का मार्ग भी प्रशस्त करती है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटारेस ने इस समझौते को एक उम्मीद की किरण कहा था साथ कहा था कि यह समझौता एक संभावना की एक किरण और राहत की किरण है। साथ ही कहा था कि दुनिया में इसकी पहले से कहीं ज्यादा जरूरत है। बता दें कि मुख्य रूप से यूक्रेन से लगभग 20 मिलियन टन गेहूं, मक्का और अन्य अनाज के निर्यात की सुविधा के लिए महीनों की बातचीत के बाद अनाज समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।

मैक्रों से मिलने फ्रांस पहुंचे सऊदी के प्रिंस सलमान, दुनिया के सबसे महंगे घर को बनाया ठिकाना

फ्रांस। इस इमारत में एक नाइट क्लब, एक सोने की पत्ती वाला फव्वारा, एक सिनेमा, साथ ही खाई में एक पानी के नीचे कांच का कमरा है जो सफेद चमड़े के सोफे के साथ एक विशाल मछलीघर जैसा दिखता है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मिलने के लिए फ्रांस की अपनी यात्रा के दौरान सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान उस शानदार

भवन में रह रहे हैं जिसे उन्होंने 2015 में खरीदा था। तब इसे दुनिया का सबसे महंगा घर करार दिया गया था। पेरिस के बाहर लौवेसिएन्स में चेटो लुइसं घन्न एक नई बनी हवेली है। ये पास के ही वर्साय पैलेस की असाधारण विलासिता की नकल है, जो कभी फ्रांसीसी शाही परिवार की मिल्कियत थी। 7,000 वर्ग मीटर की संपत्ति को एक अज्ञात खरीदार ने 2015 में 275 मिलियन यूरो (उस समय 300 मिलियन डॉलर) में खरीदा था। फॉर्च्यून पत्रिका ने इसे दुनिया का सबसे महंगा घर करार दिया था। दो साल बाद द न्यूयॉर्क टाइम्स ने खुलासा किया था कि इसके मालिक 36 साल के प्रिंस सलमान हैं जिन्हें शेल कंपनियों के जरिए खरीद को अंजाम दिया था स्थानीय सरकारी अधिकारियों ने एएफपी को पुष्टि की कि सऊदी सिंहासन का विवादास्पद उत्तराधिकारी गुरुवार को मैक्रों के साथ अपने रात्रिभोज से पहले इस हवेली में रह रहा था। दीवार के बाहर पत्रकारों ने मुख्य गेट पर सुरक्षाकर्मियों को सूट में देखा और आधा दर्जन वाहनों सहित भारी पुलिसबल की मौजूदगी देखी। मैक्रों और प्रिंस सलमान की मुलाकात गुरुवार के बाद एलिसी प्रेसिडेंशियल पैलेस में होने वाली थी, जिसे फ्रांस के आलोचक अनुचित मानते हैं। बिन सलमान को अमेरिकी खुफिया विभाग ने 2018 में इस्तांबुल में सऊदी वाणिज्य दूतावास में पत्रकार जमाल खशोगी की जघन्य हत्या के लिए बिन सलमान को जिम्मेदार ठहराया था। लेकिन इस घटना के चार साल के बाद पश्चिमी नेताओं को इस राजकुमार पर फिर से प्यार आ रहा है क्योंकि वे रूसी गैस की कमी को पूरा करने के लिए तुरंत ताजा ऊर्जा आपूर्ति चाहते हैं।

नेपाल को अपने पाले में लाने का एक और दांव चला अमेरिका ने

नेपाल। डोनाल्ड लू उस समय नेपाल आए हैं, जब नेपाल में अमेरिका के स्टेट पार्टनरशिप प्रोग्राम (एसपीपी) को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। आलोचक इस प्रोग्राम में नेपाल के शामिल होने के इरादे की कड़ी आलोचना करते रहे हैं। इसके दबाव में कुछ समय पहले प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की सरकार ने एसपीपी में ना शामिल होने का फैसला किया था अमेरिका के सहायक विदेश मंत्री

डोनाल्ड लू की ताजा यात्रा को अमेरिकी एजेंडे में नेपाल के बढ़े महत्त्व का संकेत समझा जा रहा है। लू दो दिन की नेपाल यात्रा पर गुरुवार को काठमांडू पहुंचे। साल भर के भीतर यह उनकी दूसरी नेपाल यात्रा है। इसके पहले पिछले साल नवंबर में वे यहां आए थे। उनकी उस यात्रा के बाद अमेरिकी संस्था मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन (एमसीसी) के 50 करोड़ डॉलर की मदद स्वीकार करने के लिए हुए करार के संसदीय अनुमोदन की प्रक्रिया को गति मिली थी। इस करार के संसदीय अनुमोदन को अमेरिका-नेपाल संबंध में एक बेहद अहम घटना माना गया। अब डोनाल्ड लू उस समय नेपाल आए हैं, जब नेपाल में अमेरिका के स्टेट पार्टनरशिप प्रोग्राम (एसपीपी) को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। आलोचक इस प्रोग्राम में नेपाल के शामिल होने के इरादे की कड़ी आलोचना करते रहे हैं। इसके दबाव में कुछ समय पहले प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की सरकार ने एसपीपी में ना शामिल होने का फैसला किया था। बताया जाता है कि नेपाल का ये फैसला अमेरिका को पसंद नहीं आया अखबार काठमांडू पोस्ट में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक देउबा मंत्रिमंडल ने बीते 21 जून को एसपीपी में ना शामिल होने का निणन्य लिया था। लेकिन उस बारे में नेपाल के विदेश मंत्रालय ने अब तक अमेरिका को औपचारिक पत्र नहीं भेजा है। इसलिए इस मुद्दे पर विवाद जारी है। इसी बीच लू की नेपाल यात्रा से ये मामला और गरमा गया है। इस हफ्ते बुधवार को नेपाली संसद की अंतरराष्ट्रीय संबंध समिति ने देउबा सरकार से एसपीपी की स्थिति के बारे में जानकारी मांगी। उसने सरकार से यह बताने को कहा कि इस प्रोग्राम में नेपाल के शामिल ना होने के फैसले के बारे में अब तक अमेरिका को औपचारिक पत्र क्यों नहीं भेजा गया है। काठमांडू स्थित अमेरिकी दूतावास के मुताबिक नेपाल को 2019 में एसपीपी में शामिल कर लिया गया था। इसके लिए नेपाल सरकार ने दो बार अनुरोध पत्र भेजा था। ये पत्र 2015 और 2017 में भेजे गए थे। इस लिहाज से नेपाल अभी एसपीपी का हिस्सा है। हालांकि दूतावास ने यह भी कहा है कि कोई देश इस प्रोग्राम में शामिल रहे या नहीं, यह फैसला करना उसका अधिकार है। कोई भी देश पत्र भेज कर प्रोग्राम में अपनी भागीदारी को खत्म कर सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा

नई दिल्ली । ये समय हमारी आजादी के अमृतकाल का समय है। ये समय उन संकल्पों का समय है जो अगले 25 वर्षों में देश को नई ऊंचाई पर ले जाएंगे। देश की इस अमृतयात्रा में व्यापार करने में आसानी और जीवन

में आसानी की तरह ही न्याय की आसानी भी उतनी ही जरूरी है।' पीएम मोदी ने आगे कहा कि किसी भी समाज के लिए न्याय प्रणाली तक पहुंच जितनी जरूरी है, उतनी ही जरूरी न्याय वितरण प्रणाली भी है। इसमें एक अहम योगदान न्यायिक अवसंरचना का भी होता है। पिछले आठ वर्षों में देश के न्यायिक अवसंरचना को मजबूत करने के लिए तेज गति से काम हुआ है। इसे आधुनिक बनाने के लिए 9,000 हजार करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे हैं। अखिल भारतीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की प्रथम बैठक के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू भी मौजूद थे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कही यह बात सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि न्याय सामाजिक-आर्थिक रूप से मजबूत वर्गों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सरकार का कर्तव्य एक न्यायोचित और समतावादी सामाजिक व्यवस्था सुनिश्चित करना है। भारत जैसे विशाल देश में जहां जातिगत आधार पर असमानता मौजूद है, प्रौद्योगिकी तक पहुंच का दायरा बढ़ा कर डिजिटल विभाजन को धीरे-धीरे कम किया जा सकता है।

एक ही मंच पर दिखे जयशंकर बिलावल भुट्टो, ताशकंद में विदेश मंत्रियों की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली । इस बैठक में चीन के विदेश मंत्री वांग यी, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भी शामिल हुए हैं। देर रात तक इनमें से कुछ नेताओं के साथ जयशंकर की द्विपक्षीय मुलाकात की संभावना है। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने शुक्रवार को ताशकंद में एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लिया। खास बात ये रही कि एससीओ के मंच पर पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो भी मौजूद थे। ग्रुप फोटो में दोनों एक दूसरे से काफी दूर खड़े थे। कुल 11 नेताओं में जयशंकर बाईं ओर से तीसरे नंबर पर थे जबकि भुट्टो दाईं और से तीसरे नंबर पर खड़े थे। दोनों के बीच किसी तरह की औपचारिक या अनौपचारिक बातचीत की कोई जानकारी नहीं मिली है। इस बैठक में चीन के विदेश मंत्री वांग यी, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भी शामिल हुए हैं। देर रात तक इनमें से कुछ नेताओं के साथ जयशंकर की द्विपक्षीय मुलाकात की संभावना जताई जा रही है जयशंकर ने दी जानकारी जयशंकर ने कहा कि बैठक में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि कोविड महामारी और यूक्रेन संघर्ष से व्यवधानों के कारण दुनिया ऊर्जा और खाद्य संकट का सामना कर रही है। इस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान पर भारत की स्थिति को दोहराया और हमारे मानवीय सहायता- गेहूं, दवाएं, टीके और कपड़े पर प्रकाश डाला। एससीओ के आर्थिक भविष्य के लिए चाबहार बंदरगाह की क्षमता

को रेखांकित किया। साथ ही कहा कि समरकंद शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए भारत पूरा सहयोग देगा। स्टार्टअप्स और इनोवेशन की प्रासंगिकता पर जोर उन्होंने कहा कि स्टार्टअप्स और इनोवेशन की प्रासंगिकता पर बल देते हुए भारत में आर्थिक प्रगति की बात की। पारंपरिक चिकित्सा में सहयोग एससीओ सदस्यों के सामान्य हित में है। समरकंद शिखर सम्मेलन की तैयारी में विदेश मंत्रियों की आज की बैठक बहुत उपयोगी रही। एससीओ से इतर किर्गिस्तान के विदेश मंत्री जीनबेक कुलुबेव के साथ अच्छी बातचीत रही। राजनीतिक, विकास सहयोग, शिक्षा, कनेक्टिविटी और फार्मा में हमारी द्विपक्षीय साझेदारी पर चर्चा की विदेश मंत्री ने कहा कि आज सुबह एससीओ सहयोगियों के साथ उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवकत मिजिऱ्योयेव से मुलाकात करते हुए खुशी हो रही है। उन्हें पीएम नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत अभिवादन से अवगत कराया। सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, व्यापार, संपर्क और संस्कृति के क्षेत्र में उज़्बेक प्रेसीडेंसी द्वारा विकास गति की सराहना की। कई वैश्विक नेताओं से की मुलाकात विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने एससीओ के महासचिव झांग मिंग से भी मुलाकात की। विदेश मंत्री ने ट्वीट किया, भारत एससीओ देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए और अधिक विचार और पहल करना जारी रखेगा। अगले साल हमारी अध्यक्षता इन प्रयासों को नए सिरे से बल देगी। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने ट्वीट किया, तजाकिस्तान के एफएम सिरोजिद्दीन मुहरिद्दीन के साथ विकसित क्षेत्रीय स्थिति पर एक उपयोगी बातचीत की। हमारा लंबे समय से सहयोग हमें विचारों के खुले आदान-प्रदान के लिए प्रोत्साहित करता है।

अदालत कम लोग पहुंचते हैं, अधिकतर आबादी मौन रहकर पीड़ा सहती है

नई दिल्ली । सीजेआई ने यह बात अखिल भारतीय जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण एआईएलडीएसए के सम्मेलन में कही। इस सम्मेलन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संबोधित

किया। मोदी ने कहा कि व्यापार और जीवन में आसानी की तरह ही न्याय की आसानी भी उतनी ही जरूरी है। देश के प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण ने आज कहा कि हमारी असली ताकत युवाओं में है। दुनिया के 1/5 (20 फीसदी या हर पांचवां) युवा भारत में रहते हैं, लेकिन कुशल श्रमिक हमारे कार्यबल का केवल तीन फीसदी हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने देश के कौशल बल का उपयोग करने की आवश्यकता है। सीजेआई रमण ने यह भी कहा कि देश की आबादी का केवल एक छोटा सा हिस्सा ही अदालतों का दरवाजा खटखटा पाता है, जबकि बहुसंख्यक आबादी चुप्पी, जागरूकता और आवश्यक साधनों की कमी के कारण अदालतों तक नहीं पहुंच पाती है। सीजेआई ने यह बात पहले अखिल भारतीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सम्मेलन (ध्ध्र्अ्ै) के सम्मेलन में कही। उन्होंने कहा कि बहुसंख्य लोग न्याय तंत्र तक नहीं पहुंच पाते हैं। न्याय तक पहुंच सामाजिक मुक्ति का एक साधन है। अगर आज हम न्याय के साथ लोगों के दरवाजे तक पहुंच पाए हैं, तो हमें योग्य न्यायाधीशों, उत्साही अधिवक्ताओं और सरकारों को धन्यवाद देना होगा।

घरेलू बिल्ली को आक्रामक विदेशी प्रजाति में शामिल किया, बिल्ली प्रेमियों ने जताया भारी विरोध

पोलैंड। आक्रामक विदेशी प्रजातियों के लिए डेटाबेस में फेलिस कैट्स को दर्ज करने के वैज्ञानिक संस्थान के निणन्य के बाद एक सख्त सार्वजनिक प्रतिक्रिया हुई है। इंस्टीट्यूट ऑफ नेचर कंजर्वेशन, पोलिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने घरेलू बिल्लियों (फेलिस कैट्स) को आक्रामक विदेशी प्रजाति के रूप में वर्गीकृत किया है। हालांकि, राष्ट्रीय डेटाबेस में फेलिस कैट्स को जगह दी है। लोगों की सख्त प्रतिक्रिया आई सामने एपी रिपोर्ट के अनुसार, आक्रामक विदेशी प्रजातियों के लिए डेटाबेस में फेलिस कैट्स को दर्ज करने के वैज्ञानिक संस्थान के निणन्य के बाद एक सख्त सार्वजनिक प्रतिक्रिया हुई, और सोलर्ज प्रतिक्रिया के लिए तैयार नहीं थे। फेलिस कैट्स को

शामिल करने से पहले डेटाबेस में 1,786 प्रजातियों को आक्रामक विदेशी प्रजातियों के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। हालांकि, किसी भी व्यक्ति ने 1,786 प्रजातियों को शामिल करने पर आपत्ति नहीं जताई थी। एपी रिपोर्ट के अनुसार, सोलार्ज ने कहा कि फेलिस कैट्स एक आक्रामक विदेशी प्रजाति के रूप में शामिल होने वाली 1787 वीं प्रजाति है। सोलार्ज के अनुसार, इस फैसले से बहुत हंगामा हुआ क्योंकि कुछ मीडिया रिपोर्ट ने गलत धारणा पैदा की। घरेलू बिल्लियों का जैव विविधता पर हानिकारक प्रभाव

इस निणन्य ने कई लोगों, विशेष रूप से बिल्ली प्रेमियों के बीच खलबली मचा दी है। पोलिश वैज्ञानिक संस्थान ने बिल्लियों से पक्षियों और अन्य वन्यजीवों को होने वाले नुकसान का हवाला देते हुए बिल्ली के समान प्राणी को विदेशी के रूप में वर्गीकृत करने का कारण बताया है। कुछ बिल्ली प्रेमी संस्थान के फैसले से खुश नहीं हैं और उन्होंने भावनात्मक रूप से प्रतिक्रिया जताई है। वोज्शिएक सोलार्ज पोलिश एकेडमी ऑफ साइंसेज में जीवविज्ञानी हैं जिन्होंने प्रकृति संरक्षण संस्थान द्वारा संचालित

सोलार्ज ने कहा कि एक बढ़ती वैज्ञानिक सहमति है कि घरेलू बिल्लियों का जैव विविधता पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। उनके अनुसार, बिल्लियां पक्षियों और स्तनधारियों का शिकार करती हैं और उन्हें मार देती हैं, जिससे जैव विविधता प्रभावित होती है। सोलार्ज का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि इसे एलियन इनवेसिव प्रजातियों में शामिल करने का मानदंड बिल्ली द्वारा 100 प्रतिशत पूरा किया जाता है। पिछले हफ्ते, स्वतंत्र प्रसारक टीवीएन द्वारा प्रसारित एक टेलीविजन कार्यक्रम में सोलार्ज का सामना एक पशु चिकित्सक से हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है कि पशु चिकित्सक ने वन्यजीवों के लिए बिल्लियों के खतरों के बारे में सोलार्ज के निष्कर्ष को चुनौती दी थी। द हैप्पी कैट नाम की किताब लिखने वाले डोरोटा सुमिंस्का ने कहा कि जैव विविधता सिकुड़ने के पीछे अन्य कारण भी है। इनमें शहरी इमारतें और प्रदूषित वातावरण शामिल हैं, जो सभी पक्षियों को मार सकते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि बिल्लियों को गलत तरीके से बहुत अधिक दोष दिया गया। पूछें कि क्या मनुष्य गैर-आक्रामक विदेशी प्रजातियों की सूची में है। रिपोर्ट के मुताबिक, सोलार्ज ने कहा कि पोलैंड में हर साल बिल्लियां करीब 14 करोड़ पक्षियों को मार देती हैं। पोलिश अकादमी संस्थान ने इस महीने की शुरुआत में अपनी वेबसाइट पर एक पोस्ट प्रकाशित किया था। संस्थान ने विवाद का हवाला दिया और अपनी स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

भाजपा ने जारी की सूची उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में उम्मीदवारों का एलान

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में विधान परिषद उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की। भाजपा ने गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सैंथवार को विधान परिषद उप चुनाव में उम्मीदवार बनाया है। वहीं, निर्मला पासवान को भी प्रत्याशी बनाया गया है। इसके अलावा कर्नाटक में उम्मीदवार के रूप में बाबूराव चिंचानसूरु के नाम का एलान किया गया है।

नौकरी दिलाने के नाम पर महिलाएं करती थीं जालसाजी, चार गिरफ्तार

प्रयागराज। महिलाओं ने 70 लोगों से 35 लाख की जालसाजी की है। आरोपियों के खिलाफ खोराबार थाने में केस दर्ज था और पुलिस तलाश में जुटी थी। मुख्य आरोपी मीरा को पुलिस प्रयागराज से पकड़ कर लाई है। पकड़ी गई आरोपियों की पहचान नंदा नगर निवासी मीरा श्रीवास्तव, मंजू शर्मा, मंजू गौड़ व रमावती के रूप में हुई है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में नौकरी के नाम पर जालसाजी करने वाली चार महिलाओं को शुक्रवार रात पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि महिलाओं ने 70 लोगों से 35 लाख की जालसाजी की है। आरोपियों के खिलाफ खोराबार थाने में केस दर्ज था और पुलिस तलाश में जुटी थी। मुख्य आरोपी मीरा को पुलिस प्रयागराज से पकड़ कर लाई है। पकड़ी गई आरोपियों की पहचान नंदा नगर निवासी मीरा श्रीवास्तव, मंजू शर्मा, मंजू गौड़ व रमावती के रूप में हुई है जानकारी के मुताबिक, नवंबर 2021 में मुख्य आरोपी मीरा श्रीवास्तव पतनी सुनील जायसवाल शाहपुर थाना क्षेत्र के दरगहिया में किराए पर रहती थी और रेडीमेड कपड़े का व्यवसाय करती थी। इस दौरान ही एम्स के एक डॉक्टर के घर पर उसका आना जाना हो गया था। मीरा ने कोरोना काल के दौरान कुछ लोगों को एम्स में नौकरी दिलाने के नाम पर विश्वास में लेकर जालसाजी की। करीब 70 लोगों को नौकरी दिलाने के नाम पर फंसाकर उनसे रुपये ऐंठ लिए। जब नौकरी नहीं मिली तो सभी मीरा से रकम वापस मांगने लगे । इस पर मीरा ने उन्हें फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। परेशान लोगों ने करीब चार महीने पहले एसएसपी से मुलाकात की। जिसके बाद एसएसपी के आदेश पर खोराबार थाने में केस दर्ज कर पुलिस ने छानबीन शुरू की थी। शुक्रवार को पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।मुख्य आरोपी मीरा ने अपने जानने वाली अन्य महिलाओं से संपर्क कर लोगों को जालसाजी का शिकार बनाया। खोराबार, मोतीराम अड्डा, गीडा, गुलरिहा, कुशीनगर, झंगहा, रजही के अलावा महराजगंज के युवाओं को भी उसने अपनी जालसाजी का शिकार बनाया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर यह जानने की कोशिश कर रही है कि कहीं एम्स में कार्यरत कोई अन्य तो इस ग्रुप में शामिल नहीं है। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बशनेई पुलिस ने दर्ज केस की छानबीन कर आरोपियों को पकड़ा है। पूछताछ की जा रही है, मिली जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महंगाई भत्ता में चार फीसदी बढ़ोतरी तय

प्रयागराज। वेतन और पेंशन निर्धारण के जानकार एजी ब्रदरहुड के पूर्व अध्यक्ष हरीशंकर तिवारी के अनुसार जून महीने का औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक घोषित हो गया है, जो 372 अंक है। अनुमान की मुताबिक महंगाई भत्ता (डीए) में चार फीसदी की बढ़ोतरी तय हो गई है। इस तरह से जुलाई के महीने से 38 प्रतिशत डीए मिलेगा। एक करोड़ से अधिक केंद्रीय एवं राज्य कर्मियों तथा पेंशनर्स को इसका लाभ होगा।वेतन और पेंशन निर्धारण के जानकार एजी ब्रदरहुड के पूर्व अध्यक्ष हरीशंकर तिवारी के अनुसार जून महीने का औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक घोषित हो गया है, जो 372 अंक है। वहीं जुलाई 2021 में सूचकांक 354, अगस्त में 354, सितंबर में 355, अक्तूबर में 360, नवंबर में 365, दिसंबर में 361, जनवरी 2022 में 360, फरवरी में 360, मार्च में 363, अप्रैल में 368 तथा मई में 372 अंक रहा। इस तरह से कुल 12 महीने के सूचकांक का औसत 362 अंक है।

सात महीने तक पुलिस को छकाने के बाद अली अहमद ने नाटकीय ढंग से किया समर्पण

प्रयागराज। सात महीने तक पुलिस को छकाने के बाद बाहुबली पूर्व सांसद अतीक अहमद के बेटे अली अहमद ने शनिवार को सरेंडर कर दिया। जिसकी तलाश में पुलिस कोलकाता और बिहार में दबिश दे रही थी और छापे मार रही थी वह प्रयागराज में ही मिला। अली अहमद विधानसभा चुनाव 2022 के पहले एआईएमआईएम की सभा में मंच से योगी सरकार के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद चर्चा में आया था हालांकि उसके ऊपर शिकंजा पांच करोड़ रुपये रंगदारी मांगने की शिकायत मिलने के बाद कसना शुरू हुआ। आरोप है कि अली अहमद ने अपने ही रिश्तेदार जीशान अहमद के दफ्तर को बुलडोजर से ढहवा दिया और उससे पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी। इस मामले में उसके ऊपर मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस ने जब छापेमारी की तो वह भूमिगत हो गया। उसके बाद वह पुलिस के हाथ नहीं लगा। पुलिस ने उसकी तलाश में यूपी से लेकर गैर प्रांत तक संभावित स्थानों पर दबिश दी लेकिन वह हाथ नहीं लगा। अंतत : इसने खुद सरेंडर किया।बता दें कि बाहुबली अतीक अहमद के बेटे अली अहमद ने शनिवार को जिला अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। वह पांच करोड़ की रंगदारी मांगने के मामले में सात महीनों से फरार चल रहा था। उस पर 50 हजार का इनाम घोषित था। रिमांड मंजूर होने पर उसे जेल भेज दिया गया। अली अतीक अहमद का दूसरे नंबर का बेटा है। उस पर पिछले साल 31 दिसंबर को करेली के प्रॉपर्टी डीलर जीशान उर्फ जानू ने पांच करोड़ की रंगदारी मांगने, हत्या का प्रयास समेत अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज कराया था। वह तब से फरार चल रहा था। जिस पर पुलिस ने पहले उस पर 25 और फिर 50 हजार का इनाम घोषित किया था। मुकदमे में अपनी नामजदगी को चुनौती देते हुए उसने हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट तक अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दी थी लेकिन उसे राहत नहीं मिली।शनिवार दोपहर एक बजे के

करीब वह अपने अधिवक्ताओं के साथ कोर्ट में पहुंचा और आत्मसमर्पण कर दिया। इस दौरान उसके अधिवक्ताओं की ओर से जमानत अर्जी दी गई लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। साथ ही रिमांड मंजूर करते हुए उसे 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इसके बाद पुलिस ने उसे केंद्रीय कारागार नैनी में दाखिल करा दिया। एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने बताया कि अली को जेल भेज दिया गया है। जबकि मामले में फरार चल रहे अन्य अभियुक्तों की तलाश जारी है। बुलडोजर चलाकर कार्यालय ढहाने, रंगदारी मांगने व हमला करने के आरोप में अली, अतीक समेत नौ नामजद व 10 अज्ञात पर दर्ज हुआ था केस। दो आरोपी सैफ, फहद मौके से पकड़े गए, जबकि प्रकाश में आया अभियुक्त फुल्लू कोर्ट में सरेंडर कर चला गया था जेल दो नामजद आरोपियों संजय सिंह व इमरान को मिली है अग्रिम जमानत। तीन नामजद आरोपी मो. असद, आरिफ उर्फ कछौली व अमन और तालिब अब भी हैं फरार, सभी पर घोषित है 25 हजार का इनाम। अली पर जितना इनाम घोषित था, उसे पकड़ने में उससे तीन गुना ज्यादा रकम पुलिस ने खर्च कर दी। उसकी तलाश में शहर के अलग-अलग इलाकों के अलावा मेरठ, दिल्ली, बरेली, प्रतापगढ़ व कौशाम्बी में दबिश दी गई। दूरी के हिसाब से देखें तो पुलिस ने चार हजार किमी से ज्यादा का सफर किया। इस तरह 50 हजार के इनामी को पकड़ने में 1.5 लाख से ज्यादा खर्च कर दिए। लेकिन सारी कोशिशें नाकाम रहीं। जिला न्यायालय में शनिवार को मानव वध एवं मृत्यु का भय दिखाकर रंगदारी वसूलने के अभियुक्त अली उर्फ अली अहमद ने अदालत के समक्ष सरेंडर किया। जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान अभियुक्त के अधिवक्ता ने निवेदन किया कि अभियुक्त को झूठ व रंजिश फँसाया गया है एवं जबकि अभियोजन अधिकारी ने घोर विरोध किया। मामले के तथ्यों एवं अपराध की गंभीर प्रकृति को देखकर अदालत ने निणय लिया कि उक्त अपराध गैर जमानतीय एवं सेशन कोर्ट द्वारा परीक्षणीय है, अभियुक्त की जमानत अर्जी खारिज की जाती है। यह आदेश न्यायिक मजिस्ट्रेट शालिनी विधान विधेय ने अभियुक्त के वकील और सहायक अभियोजन अधिकारी के तर्कों को सुन कर दिया। मुकदमा वादी जीशान ने दिनांक 31 दिसंबर 2021 को थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई और आरोप लगाया कि अली अहमद अपने साथ अभियुक्तों मोहम्मद असद, आरिफ, संजय सिंह, इमरान, सेफ अमन, कुल्लू अतीक, अली अब्बा एवं 15 अज्ञात लोगों के साथ मेरे घर में जबरन घुस आया और कनपटी पर पिस्टल लगाकर 5 करोड़ की रंगदारी मांगी, मेरे मना करने पर सभी ने मिलकर मुझे व मेरे रिश्तेदारों को बुरी तरह मारा-पीटा और जान से मारने की नियत से पिस्टल से फायर किया। मेरे ऑफिस को जेसीबी के द्वारा पूरी तरह ध्वस्त करवा दिया ।

मुख्यमंत्री जी ने जनपद में 132/33 के0वी0 विद्युत पारेषण उपकेन्द्र मानधाता का किया गया लोकार्पण

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। आजादी के 75वीं वर्षगांठ के अमृत महोत्सव अवसर पर उज्जवल "भारत-उज्जवल भविष्य-ऊर्जा" 2047 के अन्तर्गत बिजली महोत्सव एवं ऊर्जा दिवस के अवसर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक भवन लखनऊ से वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से प्रदेश में रूपये 2723.20 करोड़ की लागत से निर्मित 17 नग 400/200/ 132/33 के0वी0 पारेषण/ वितरण उपकेन्द्रों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद प्रतापगढ़ में 132/33 के0वी0 विद्युत पारेषण उपकेन्द्र मानधाता का लोकार्पण किया गया। एन0आई0सी0 सभागार प्रतापगढ़ में लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल, जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल, सांसद प्रतिनिधि अभिषेक पाण्डेय, अधीक्षण अभियन्ता सत्यपाल, अधिशाषी अभियन्ता विद्युत प्रेषण खण्ड राहुल मौर्य, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार सहित अन्य अधिकारियों व प्रतिनिधियों द्वारा देखा गया। इस अवसर पर विधायकगणों द्वारा कहा गया कि बिजली एवं ऊर्जा के क्षेत्र में केन्द्र एवं

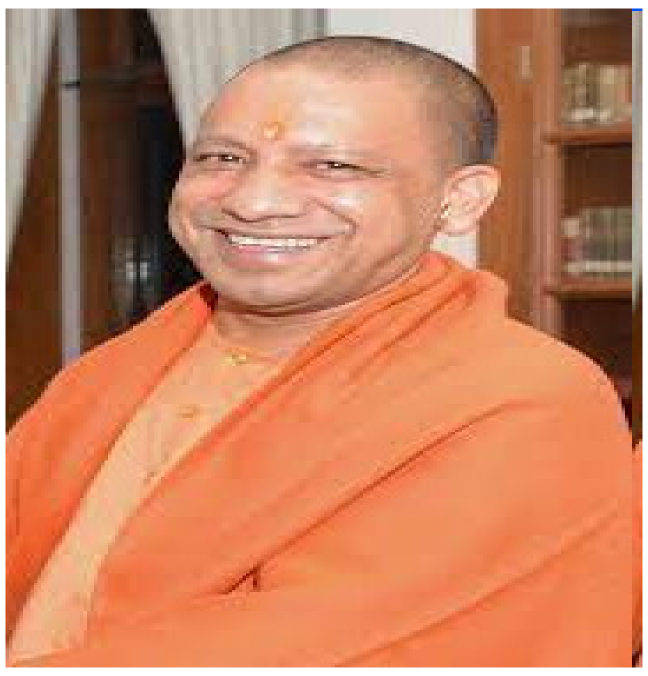

प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न योजनायें चलायी जा रही है जिससे आमजनमानस लाभान्वित हो रहे है। लोगों को रोस्टर के अनुसार विद्युत की आपूर्ति की जा रही है, जिन घरों में बिजली कनेक्शन नही थे उन्हें निःशुल्क विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। इस अवसर पर अधीक्षण अभियन्ता विद्युत सत्यपाल ने बताया है कि जनपद प्रतापगढ़ के विश्वनाथगंज क्षेत्र के भविष्य गत भार की पूर्ति हेतु 132/33 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र मानधाता का निर्माण कराया गया है। 132/33 केवी विद्युत उपकेन्द्र मानधाता एवं तत्सम्बन्धी लाइनों के निर्माण की कुल लागत रूपये 29.98 करोड़ है। पूर्व में मानधाता क्षेत्र का पोषण उपकेन्द्र प्रतापगढ़ तथा उपकेन्द्र कुण्डा के माध्यम से सुनिश्चित किया जाता था। यह उपकेन्द्र क्षेत्र के निरन्तर बढ़ते भार के पोषण के परिपेक्ष्य में संतृप्त था। इसके अतिरिक्त इन उपकेन्द्र से निर्गर्मित 33 के0वी0 पोषक की लम्बाई अधिक होने तथा 01 अदद् 33 के0वी0 लाइन से एक से अधिक 33/11 के0वी0 उपकेन्द्रों के संयोजन के कारण इस उपकेन्द्र से पोषित होने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में लो-वोल्टेज की समस्या होती थी। इन समस्याओं के निराकरण हेतु विद्युत उपकेन्द्र मानधाता का निर्माण कराया गया है एवं इस उपकेन्द्र से 33 के0वी0 जेठवारा, बहोरिकपुर, विश्वनाथगंज, देल्हूपुर तथा सरायभीमसेन फीडर निर्गमित है तथा 02 नग 33 के0वी0 फीडर अतिरिक्त रूप में निर्माण कराये गये हैं।

रात भर सूबेदारगंज में प्रयागराज तो जंक्शन पर खड़ी रही हमसफर एक्सप्रेस

प्रयागराज। रेलवे ने दिए रिफंडरात भर ट्रेनों के स्टेशन पर खड़े रहने से यात्री भी खासे परेशान हुए। रात भर रुक-रुक कर हो रही हल्की बारिश की वजह से स्लीपर कोच में सफर करने वाले यात्रियों की उमस की वजह से जागते हुए ही रात कटी। कौशाम्बी के मनोहरगंज-भरवारी रेलवे स्टेशन के बीच ओवर हेड ईक्यूपमेंट (ओएचई) लाइन टूट जाने से की वजह शनिवार की सुबह 6. 30 बजे तक प्रयागराज-दिल्ली रूट की अप लाइन पर रेल संचालन बाधित रहा। हादसे की वजह से नई दिल्ली जाने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस रात भर सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर तो प्रयागराज-नई दिल्ली हमसफर, प्रयागराज-जयपुर सुपरफास्ट जंक्शन पर ही खड़ी रही। यह सभी ट्रेनें शनिवार सुबह अपने गंतव्य के लिए रवाना हुईं। रात भर ट्रेनों के स्टेशन पर खड़े रहने से यात्री भी खासे परेशान हुए। रात भर रुक-रुक कर हो रही हल्की बारिश की वजह से स्लीपर कोच में सफर करने वाले यात्रियों की उमस की वजह से जागते हुए ही रात कटी। एसी कोच के यात्रियों ने भी कम कूलिंग होने

की बात कही। कुछ यात्री ऐसे भी रहे जो रात में ही ट्रेन में सो गए। सुबह उठे तो उन्हें लगा कि ट्रेन उनके गंतव्य स्टेशन पर पहुंच गई है, लेकिन जब मालूम पड़ा कि ट्रेन रात भर से ही वहीं खड़ी है तो वे खासे काफी निराश हुए। लोगों ने ट्विटर एवं सोशल मीडिया के अन्य प्लेटफार्म से अपनी नाराजगी जाहिर की। जिन्हें दिल्ली, आगरा, मथुरा आदि शहरों में पहुंचना था। ट्रेनें विलंबित होने से काफी यात्रियों ने अपने रिजर्वेशन भी निरस्त करवा दिए। शाम तक 500 से ज्यादा मुसाफिरों का रेलवे ने रिफंड दे दिया था। सबसे पहले रवाना हुई महाबोधि, दिन में 3.30 बजे दिल्ली पहुंची प्रयागराज शुक्रवार रात 8.40 बजे ओएचई लाइन टूट जाने के बाद रात में डाउन लाइन 10.30 बजे रेल संचालन के लिए खोल दी गई, लेकिन अप लाइन की ओएचई दुरुस्त करते-करते सुबह हो गई। इस दौरान सुबह सबसे पहले 6.45 बजे महाबोधि एक्सप्रेस को अप लाइन से निकाला गया। वहीं रात 11.30 बजे जंक्शन से चली प्रयागराज जो रात 11.45 बजे से सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर खड़ी थी, वह सुबह 6.30 बजे चली। जो दोपहर 3.30 बज नई दिल्ली पहुंची।

आधार नम्बर एकत्र किये जाने हेतु दल मतदाताओं को करें जागरूक -डॉ0नितिन बंसल

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में निर्वाचक नामावली में सम्मिलित मतदाताओं से स्वैच्छिक रूप से आधार नम्बर एकत्र किये जाने के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट सभागार में राजनैतिक दलों के साथ बैठक की गयी। जिलाधिकारी ने कहा कि यह राजनीतिक दलों का दायित्व एवं कर्तव्य है कि वह मतदाताओं को जागरूक करें कि वे अपने आधार नंबर का एकत्रीकरण कराएं। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने बताया कि निर्वाचक नामावली में सम्मिलित मतदाताओं से स्वैच्छिक रूप से आधार नम्बर एकत्र किये जाने की कार्यवाही 01 अगस्त से प्रारम्भ की जा रही है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 के नियम-23 के अनुसार सम्मिलित मतदाताओं द्वारा आधार नम्बर, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम-1960 के उप नियम-26 बी द्वारा अधिसूचित फार्म-6बी में दिया जायेगा। फार्म-6बी आनलाइन एनवीएसपी डाट इन पर उपलब्ध रहेगा। उन्होने बताया है कि स्व प्रमाणन के साथ सम्बन्धित मतदाता मतदाता पोर्टल/एप पर आनलाइन फार्म-6बी भर सकता है तथा यूआईडीएआई में पंजीकृत अपने मोबाइल नम्बर पर प्राप्त होने वाले ओटीपी का उपयोग करके आधार को स्वयं प्रमाणित कर सकता है। स्व प्रमाणीकरण के बिना मतदाताओं द्वारा आवश्यक संलगन्कों के साथ फार्म-6बी आनलाइन जमा किया जायेगा। उन्होने बताया है कि आधार नम्बर एकत्रीकरण हेतु अगस्त माह में 02 तिथिया यथा 07 अगस्त एवं 21 अगस्त दिन रविवार को विशेष कैम्प आयोजन के लिये निर्धारित किया गया है। यह कैम्प जनपद के समस्त मतदेय स्थलों पर किया जायेगा जहां पर मतदाता सूची में शामिल मतदाता फार्म-6बी में स्वैच्छिक रूप से अपना आधार नम्बर भरकर बूथ लेबल अधिकारियों को उपलब्ध करा सकते है। मतदाताओं द्वारा आधार उपलब्ध कराना स्वैच्छिक है और इस आधार पर उनका नाम मतदाता सूची डेटाबेस में अपमार्जित नही किया जायेगा कि उनके द्वारा आधार नम्बर उपलब्ध नहीं कराया गया है। किसी भी परिस्थिति में प्राप्त आधार नम्बर को सार्वजनिक नहीं किया जायेगा। इसके अतिरिक्त आयोग द्वारा परिवर्धन/ अपमार्जन/संशोधन इत्यादि के सम्बन्धित फार्म को परिवर्तित किया गया है। परिवर्तित फामी में से प्रथम बार आवेदन कर रहे नये मतदाताओं के पंजीकरण हेतु फार्म-6, निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित करने के प्रस्ताव पर आपत्ति हेतु तथा पूर्व से शामिल नाम को अपमार्जित करने हेतु फार्म-7 तथा निवास परिवर्तन/निर्वाचन नामावली में संशोधन/मतदाता पहचान पत्र का प्रतिस्थापन/दिव्यांग मतदाताओं के चिन्हांकन हेतु फार्म-8 है। आयोग द्वारा चार अ्हक तिथियां यथा 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर निर्धारित की गयी है। अ्हक तिथियों को या उससे पूर्व यदि कोई मतदाता 18 वर्ष की आयु पूर्ण करता है तो वह अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकता है। बैठक में जिलाधिकारी ने राजनैतिक दलों से कहा कि मतदाताओं से स्वैच्छिक रूप से आधार नम्बर एकत्रीकरण का अभियान चलाया जाना है जिसके लिये फार्म-6बी मतदाता द्वारा भरा जायेगा जिसमें आधार नम्बर की जानकारी दी जायेगी। किसी भी मतदाता से आधार कार्ड की छायाप्रति नही ली जायेगी। इसके लिये बीएलओ 01 अगस्त 2022 को कैम्प लगाकर मतदाताओं से सम्पर्क करेगें। यदि कोई मतदाता आनलाइन फार्म भरना चाहता है तो कर सकता है। जिलाधिकारी ने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि आधार एकत्रीकरण किये जाने का उद्देश्य मतदाता सूची को निर्विवाद एवं त्रुटिरहित बनाया जाना है, अपने स्तर से मतदाताओं को जागरूक करें। आगामी दिवसों में मतदाता सूची के पुनरीक्षण का भी कार्य प्रारम्भ किया जायेगा जिसमें मतदाता सूची में नाम संशोधन, बूथ परिवर्तन, मतदान केन्द्र परिवर्तन आदि से सम्बन्धित शिकायतों का समाधान करते हुये त्रुटिरहित मतदाता सूची मा0 निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अन्तर्गत बनवायी जायेगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, उपजिलाधिकारी सदर शैलेन्द्र कुमार वर्मा, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार सहित राजनैतिक दलों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष डा0 वी0के0 सिंह, आरएलडी के जिला अध्यक्ष आजाद अली, भाजपा से जिला मंत्री रामजी मिश्र, बीएसपी के जिलाध्यक्ष लालचन्द्र गौतम, समाजवादी पार्टी से इरशाद सिद्दीकी, सीपीआईएम से लाल बहादुर, भाकपा से राम बरन सिंह सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ित की मदद करने वाले लोगों को करें सम्मानित-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक सम्पनन हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने ए0आर0टी0ओ0 प्रर्वतन को निर्देश दिया कि विद्यालय से सम्बद्ध वाहन जो मानक को पूर्ण नही करते है ऐसे वाहनों के विरूद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करें। उन्होने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि ऐसे विद्यालयों के प्रबन्धकों के साथ पृथक से बैठक की जाये तथा वाहन की उपयुक्तता, ड्राइवर एवं कनडेक्टर का चरित्र सत्यापन कराने के बाद ही छात्रों हेतु उपयोग की अनुमति दी जाये। ए0आर0टी0ओ0 ऐसे स्कूल वाहनों की रेण्डम जांच भी करें तथा उनके ड्राइवर का नेत्र परीक्षण तथा शराब आदि मद्यपान किये जाने पर कार्यवाही करें। उन्होने स्कूल वाहनें के गतिसीमा पर नियंत्रण किये जाने पर भी जोर दिया। जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं डीआईओएस को निर्देशित किया कि जनपद के ऐसे विद्यालय जिनमें वाहन का उपयोग छात्रों को लाने एवं ले जाने के लिये किया जा रहा है शासन के मानक के अनुरूप न पाये जाने पर विद्यालयों की मान्यता समाप्त करने हेतु कारण बताओ नोटिस निर्गत किया जाये तथा अभिभावकों को भी जागरूक किया जाये। इस तरह की बैठकें तहसील स्तर पर भी उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित की जाये जिसमें स्कूलों के प्रबन्धक, शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि एवं परिवहन विभाग के अधिकारी तथा सम्बन्धित सीओ प्रतिभाग करें। सड़क सुरक्षा की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने पीडब्लूडी के अधिकारियां को निर्देशित किया कि मानक के अनुरूप जिन सड़कों पर स्पीड ब्रेकर नही बनाये गये हैं उनका सुधार किया जाय तथा जगह-जगह रोड पर अवैध कट बनाये गये है उन्हें समाप्त कराया जाय। सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत चौराहों का चिन्हांकन कर लिया जाये वहां पर पीडब्लूडी तथा अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/ नगर पंचायत समुचित प्रकाश की व्यवस्था करें। स्पीड ब्रेकर टेबिल टॉप की तरह ही बनाये जाये ताकि आवागमन में सुविधाजनक रहे। ट्रैफिक नियमों की जानकारी देने के लिये विद्यालयों में अभियान चलाया जाये तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक विद्यालयों में प्रार्थना के समय बच्चों को प्रशिक्षित करें। शहर में यातायात प्रबन्धन की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी द्वारा ई-रिक्शा के संचालन को नियमित करने हेतु एआरटीओ से एक समिति प्रस्तावित करने का निर्देश दिया जिसमें एआरटीओ प्रर्वतन, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत/नगर पालिका, सीओ सिटी, उपजिलाधिकारी सदर, ई-रिक्शा के प्रतिनिधि एवं व्यापार मण्डल के प्रतिनिधि प्रतिभाग करेंगें। यह समिति 15 दिवस सर्वे कर अपनी संस्तुति शहर में यातायात प्रबन्धन के सम्बन्ध में रिपोर्ट प्रस्तुत करें। वाहनों के प्रदूषण नियंत्रण के सम्बन्ध में एआरटीओ द्वारा बताया गया कि जनपद में कुल 35 संस्थायें वाहनों के प्रदूषण जांच हेतु पंजीकृत है जिनके द्वारा वाहनों को जांचोपरान्त सर्टिफिकेट निर्गत किये जा रहे है। जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा के सम्बन्ध में व्यापक प्रचार प्रसार करने हेतु निर्देशित किया तथा सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ित की मदद् करने वाले लोगों को सम्मानित करने हेतु निर्देश किया। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी सुशील कुमार मिश्रा, उपजिलाधिकारी सदर शैलेन्द्र कुमार वर्मा, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, प्राचार्य विन्ध्याचल सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

बेटे की कर देंगे हत्या, पत्र भेजकर धमकाया गया, रिपोर्ट दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस

प्रयागराज। बदमाशों ने विधायक विजमा यादव को पत्र भेजकर धमकी दी है। पत्र में उनके बेटे की हत्या की धमकी दी गई है। पत्र के आधार पर विजमा यादव ने कैंट थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। बता दें कि विजमा यादव का निवास शहर के अशोक नगर इलाके में है। प्रतापपुर विधानसभा से निर्वाचित सपा विधायक विजमा यादव को पत्र भेजकर धमकी देने का

सनसनीखेज मामला सामने आया है। रजिस्टर्ड डाक से भेजे गए इस पत्र में लिखा है कि उनके पति की हत्या में सजायाफ्ता कैदियों के जेल में रहते हुए ही उनके बेटे की हत्या करा दी जाएगी। पुलिस अफसरों का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है। सपा की कद्दावर नेता मानी जाने वाली विजमा तीसरी बार विधायक चुनी गई हैं। वह अशोक नगर में परिवार समेत रहती हैं। उनके पति सपा विधायक जवाहर यादव उर्फ पंडित को 13 अगस्त 1996 को गोलियों से भून दिया गया था। इस मामले में जिला अदालत ने पूर्व सांसद कपिलमुनि करवरिया, उनके भाई उदयभान व सूरजभान और रिश्तेदार रामचंद्र उर्फ कल्लू को उम्रकैद की सजा सुनाई है।विधायक ने बताया कि 19 जुलाई को उनके आवास पर रजिस्टर्ड डाक के जरिये भेजा गया एक पत्र उन्हें प्राप्त हुआ। इसमें पति की हत्या में सजा पा चुके मुल्जिमों के जेल में रहते बेटे की हत्या कराने की धमकी दी गई। साथ ही अश्लील भाषा का प्रयोग करते हुए पुलिस अफसर से झगड़ा करने का झूठा आरोप भी लगाया गया। पत्र में नैनी जेल अधीक्षक की ओर से अभियुक्तों के पक्ष में मेडिकल रिपोर्ट लगाने का भी जिक्र है। विधायक का कहना है कि उनके पति ने भी हत्या की धमकी मिलने की लगातार शिकायत पुलिस अफसरों से की थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद आखिरकार उनकी हत्या कर दी गई। उनकी मांग है कि उन्हें व उनके परिवार को उचित सुरक्षा दी जाए। मामले में एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय का कहना है कि अज्ञात में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय की बैठक सम्पन्न,कार्यक्रमों की हुई समीक्षा

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कल सायंकाल कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय, संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं बाल स्वास्थ्य पोषण माह की बैठक सम्पनन हुई। बैठक में टीवी रोग नियत्रण की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने कन्टैक्ट ट्रेसिंग के मरीजों के चिन्हांकन पर जोर दिया। गत दो माह में चलाये गये विशेष अभियान में विभाग द्वारा किये गये कायी की सराहना की तथा जिला कार्यक्रम समन्वयक टीवी नियंत्रण हेमन्त कुमार शुक्ला तथा विकास खण्ड गौरा, बेलखरनाथधाम, सांगीपुर, लालगंज, बाबागंज एवं कुण्डा के एसटीएस को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने प्रतिमाह कैम्प लगाकर मरीजों के चिन्हांकन तथा उन्हें नियमित दवाई वितरण तथा उनके स्वास्थ्य के सम्बन्ध फालोअप किये जाने का निर्देश दिया। जनपद में बन रहे आयुष्मान कार्डो की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने वर्तमान समय में गोल्डेन कार्ड कम बनाये जाने पर नाराजगी व्यक्त तथा निर्देशित किया कि जन सुविधा केन्द्र के माध्यम से नियमित गोल्डेन कार्ड बनाये जाने की सीएमओ समीक्षा करें। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि कोविड वैक्शीनेशन के सम्बन्ध में 75 दिनों का अभियान प्रारम्भ किया गया है, जिलाधिकारी ने निर्देशित किया जिन व्यक्तियों को कोविड वैक्सीनेशन किया जाये उनका डेटा आनलाइन किया जाये। बाल स्वास्थ्य पोषण अभियान के सम्बन्ध में बताया गया कि 03 अगस्त से 03 सितम्बर तक 9 माह से 5 वर्ष के बच्चों को विटामिन-ए की खुराक देने हेतु अभियान चलाया जाना है। वीएचएनडी में बच्चों को खुराक उपलब्ध करायी जायेगी। जिलाधिकारी ने आरवीएसके टीम के डाक्टरों को अभियान की अवधि में वीएचएनडी के दिवस पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया। आयुष्मान कार्डधारकों के ईलाज की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि कार्डधारकों को निःशुल्क ईलाज की सुविधा सम्बद्ध निजी अस्पतालों में तथा शासकीय अस्पतालों में सुनिश्चित की जाये ताकि कोई भी गरीब व्यक्ति ईलाज से वंचित न रहे। उन्होने सभी सीएचसी एवं पीएचसी पर एक्सरे मशीनों का संचालन कराये जाने का निर्देश दिया ताकि एक्सरें की जांच हेतु मरीजों को बाहर न जाना पड़े। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के पर्यवेक्षण हेतु 13 स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारियों की तैनाती किये जाने के बावजूद उनके द्वारा क्षेत्र भ्रमण न करने एवं पर्यवेक्षण न किये जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की तथा उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने का मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया। संचारी रोग नियंत्रण की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी द्वारा मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि अपने विभाग के लक्ष्यों के अनुरूप सुअर बाड़ों में साफ-सफाई एवं फेन्सिंग का कार्य कराया जाये। उन्होने सुकर पालकों को साफ-सफाई के प्रति सचेत करने एवं जागरूक करने हेतु अपने कार्यालय में दूरभाष से सम्पर्क करने का निर्देश दिया। गांवों में जलभराव एवं जलजमाव एवं झाड़ियों की कटाई की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिया कि कराये गये कायी की सूची एवं फोटोग्राफ उपलब्ध करायें। इसी तरह कृषि विभाग, शिक्षा विभाग, जल निगम आदि विभागों द्वारा किये गये कायी की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि जल निगम से समन्वय कर सभी परिषदीय विद्यालयों के हैण्डपम्प/पेयजल की शुद्धता की जांच करा ली जाये। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान में सभी लच्छित विभागों द्वारा कराये गये कायी एवं उनकी समीक्षा करते हुये रिपोर्ट प्रस्तुत की जाये। मातृत्व वन्दना योजना की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने इस योजनान्तर्गत कम पंजीकरण कराने पर नाराजगी व्यक्त की तथा आसुपर देवसरा, बाबाबगंज, बिहार में कम फीडिंग कराये जाने पर प्रभारी चिकित्साधिकारियों को सचेत किया। आशाओ के भ्रमण में विकास खण्ड बिहार, शिवगढ़ एवं बाबागंज में सबसे कम प्रगति पाये जाने पर जिलाधिकारी ने प्रभारी चिकित्साधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 गिरेन्द्र मोहन शुक्ला, जिला पंचायत राज अधिकारी रविशंकर द्विवेदी, जिला सूचना अधिकारी विजय सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व प्रभारी चिकित्साधिकारी उपस्थित रहे।

एडीओ सहकारिता ने किया आयर और भोपापुर मे अमृतसरोवरो का निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

हरहुआ। बीडीओ हरहुआ आशुतोष तिवारी के निर्देश पर एडीओ सहकारिता अवधेश सिंह ने आज आयर और भोपापुर मे अमृत सरोवर निर्माण का निरीक्षण किया।आयर मे 13 तथा भोपापुर मे 11 श्रमिक मौके पर कार्य मे लगे पाए गए।आयर मे सेक्रेटरी ओमप्रकाश यादव तथा रोजगार सेवक सोनकर प्रसाद ने बताया कि अमृतसरोवर का इस्टीमेट 20 लाख ,जिसमे मजदूरी पर 7 लाख व्यय का अनुमान है। भोपापुर मे रोजगारसेवक संदीप मौर्य को श्रमिक बढ़ाकर कार्य मे तेजी लाने का निर्देश दिया । सेक्रेटरी को निर्देशित किया गया कि 15 अगस्त को ध्वजारोहण हेतु प्लेटफार्म दो दिन के भीतर निर्माण पूरा करें। भगवानपुर मे समतलीकरण के कार्य मे 12 श्रमिक पाए गए। एडीओ सहकारिता ने आयर मे गोआश्रय केंद्र का भी निरीक्षण किया।केन्द्र मे 28 पशु मौके पर मौजूद थे।सेक्रेटरी ओमप्रकाश और केयरटेकर खरपतू को भूसा और चारा की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सेक्रेटरी ओमप्रकाश यादव , संदीप मौर्य रोजगार सेवक,संदीप मौर्य रोजगार सेवक,संजय मौर्य रोजगार सेवक,सूर्यप्रकाश मौर्य प्रधान, विजय कुमार,चैतन्य पाठक तकनीकी सहायक, मौजूद रहे।

महिलाएं आत्मनिर्भर बनने के कौशल को व्यावहारिक बनाये

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

हरहुआ। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत समूह सखी माड्यूल -4 का तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण जिला ग्राम विकास संस्थान, हरहुआ वाराणसी में आयोजित किया गया।जिसमे काशी विद्यापीठ एवं बड़ागाँव के 40 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। समापन अवसर पर विमल कुमार सिंह, जिला प्रशिक्षण अधिकारी ने समूह के दीदियों को सम्बोधित करते हुए सूक्ष्म ऋण एवं सूक्ष्म योजना के बारे में तथा इसके अंतर्गत सूक्ष्म योजना क्या है सामुदायिक निवेश निधि क्या होती है इसे कैसे प्राप्त करते हैं, के बारे में प्रतिभागियों को जागरूक किया। और आत्मनिर्भर बनने के कौशल को व्यावहारिक बनाने पर जोर दिया। प्रशिक्षक राकेश भर्ती द्वारा ग्राम संगठन की आवश्यकता पर प्रतिभागियों को जागरूक किया। प्रशिक्षक सरोजा देवी द्वारा समूह के सदस्यों के बारे में जानकारी तथा गरीबी की स्तर को पता लगाने के अलग-अलग तरीके के बारे में प्रशिक्षण में बताया । इसी कड़ी में आगे के सत्र प्रशिक्षक अरविन्द मौर्या द्वारा प्रशिक्षण दौरान समूह की गतिविधियों से होने वाले आय और खर्चों के संबंध में भी विस्तृत रूप से चर्चा की गई।प्रशिक्षक लीलावती मौर्या द्वारा ग्राम स्तर पर भोजन ,स्वास्थ्य , ऋणवापसी ,विवाह आदि जैसी जरूरतों के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया । श्रवण सिंह जिला मिशन प्रबन्धक द्वारा ग्राम संगठन तथा उनके सहभागिता के बारे में प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।अन्त में विमल कुमार सिंह, जिला प्रशिक्षण अधिकारी के द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्रभारी अमर नाथ दुबे, मुलायम सिंह यादव और रतन लाल गौड़ मौजूद रहे।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बांदा जेल से उपस्थित हुआ

वाराणसी । अजय राय की चार घंटे तक चली जिरह अवधेश राय हत्याकांड में आरोपी पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बांदा जेल से उपस्थित हुआ। मामले में गवाही दी है कि वह अपने भाई अवधेश राय के साथ वाराणसी के मकान के गेट पर खड़े थे। इतने में एक सफेद रंग की मारुति वैन आई। इसमें मुख्तार अंसारी सहित कुछ लोग

अजय राय की गवाही पर करीब 4 घंटे तक जिरह चलती रही। अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम/एमपी-एमएलए रामसुध सिंह की अदालत में 1996 के गैंगस्टर के मुकदमे में आरोपी पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बांदा जेल से उपस्थित हुआ। पूर्व विधायक अजय राय की गवाही पर अदालत में वीडियो कांफ्रेंसिंग रूम में चार घंटे तक जिरह चली। कोर्ट ने अगली तारीख छह अगस्त निर्धारित की है। तीन अगस्त 1991 को अजय राय के भाई अवधेश राय की वाराणसी में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अजय राय ने मौजूद थे। वे लोग गाड़ी से उतरे और अवधेश राय पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इसके बाद सभी लोग मारुति वैन से भागने लगे, जिस पर अजय राय ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से गोली चलाई। इस पर सभी लोग गाड़ी छोड़ कर भाग गए। अजय अपने भाई को कबीर चौरा अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मामले के गवाह अजय राय शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच करीब साढ़े 11 बजे पेश हुए। जिरह के समय सहायक शासकीय अधिवक्ता नीरज श्रीवास्तव मौजूद रहे।

स्वामी अड़गड़ानंद के आश्रम में हैं तीन तरह के लोग, कॉल डिटेल से मिलेंगे अहम सबूत

वाराणसी । स्वामी अड़गड़ानंद महाराज के मिर्जापुर के सक्तेशगढ़ स्थित आश्रम में पिछले दिनों गोली चलने से एक बाबा की मौत और दूसरे बाबा के घायल होने के मामले में प्रशासन की तरफ से गठित जांच कमेटी ने में नहीं रखा जाता है। भगत बनने पर वह घर आ और जा सकता है। बच्चे व परिवार रख सकता है। महात्मा बनने पर वह यह सब छोड़ देता है। एएसपी सिटी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि आश्रम से जुड़े कुछ निकालकर छानबीन की जा रही है। इसके अलावा आश्रम के अन्य लोगों जांच की जाएगी। जीवन बाबा का अंतिम संस्कार करने के बाद चारों भाई शनिवार को दोपहर में अपने घर पहुंचे। बृहस्पतिवार को सुबह स्वामी

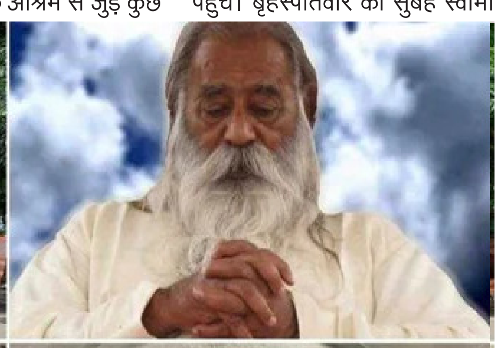

शनिवार को आश्रम पहुंच कर जांच पड़ताल की। कमेटी के लोगों ने वहां स्वामी अड़गड़ानंद के साथ ही अन्य साधुओं से भी बात की। टीम रविवार को भी आश्रम जाकर पड़ताल करेगी। जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट डीएम को सौंपेगी जांच समिति ने स्वामी जी से आश्रम आने वाले लोगों का सत्यापन किए जाने की बात कही। स्वामी अड़गड़ानंद के आश्रम में गुरुवार सुबह गोली चलने की घटना हुई थी। आश्रम से निष्कासित जीवन बाबा दो तमंचे के साथ आश्रम पहुंचा था। वहां जीवन बाबा ने आशीष बाबा की कमर में गोली मारने के बाद खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने जांच टीम का गठन किया था। सही आदमी होने पर वह आश्रम में रहता है अन्यथा उसे आश्रम अन्य लोगों पर मुकदमा दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। उसकी पड़ताल की जा रही है। रविवार तक इन सभी लोगों की रिपोर्ट मिल जाएगी। आश्रम में आने वाले लोगों के चरित्र का सत्यापन किया जाएगा। इसमें स्थानीय के अलावा बाहर से आने वाले लोग भी शामिल हैं जिनकी जांच की जाएगी। इसके लिए संबंधित थाने को निर्देश दे दिए गए हैं। वहां काम करने वालों का भी वेरिफिकेशन कराया जा रहा है। आश्रम में सुरक्षा और वहां की घटना के लिए बनी जांच कमेटी काल डिटेल से भी पड़ताल करने में लगी है। जनवरी में खौलता तेल फेंकने के बाद जीवन बाबा को आश्रम से निकाल दिया गया था। वहां से निकलने के बाद वह अब तक कहां था। इस बारे में पड़ताल करने के लिए उसके मोबाइल की काल डिटेल अड़गड़ानंद महाराज के सक्तेशगढ़ स्थित परमहंस आश्रम में जीवन बाबा ने आशीष बाबा को गोली मारने के बाद खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। शाम को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। शुक्रवार को सुबह उनके चारों भाई धर्मेंद्र, राजेंद्र, भीम और अर्जुन मिर्जापुर आए। आश्रम में स्वामी अड़गड़ानंद से मिलने के बाद वे पोस्टमार्टम हाउस से शव लेकर चौबे घाट पहुंचे। वहां अंतिम संस्कार किया गया। शाम को परिजन निजी गाड़ी से घर के लिए रवाना हुए। शनिवार को दोपहर सभी अपने घर पहुंचे। जीवन बाबा के भाई अर्जुन ने बताया कि वह जीवन बाबा को प्रवाहित करना चाहते थे, परंतु पुलिस ने ऐसा नहीं करने दिया। इसके बाद उनका दाह संस्कार कर चले गए।

जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह बने जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव

जौनपुर। सीएम नीतीश को कहा धन्यवादपूर्व सांसद धनंजय सिंह इस बार विधानसभा चुनाव में भी जेडीयू के टिकट पर मल्हनी से चुनाव भी लड़े थे। हालांकि उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। पूर्व सांसद धनंजय सिंह जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय

महासचिव बनाए गए हैं। शनिवार की रात इसकी जानकारी होने पर उनके समर्थकों में खुशी का माहौल है। धनंजय सिंह इस बार विधानसभा चुनाव में भी जेडीयू के टिकट पर मल्हनी से चुनाव भी लड़े थे। हालांकि उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। दो बार विधायक रहे धनंजय सिंह एक बार जौनपुर से सांसद भी रह चुके हैं। उनकी पतने श्रीकला धनंजय सिंह इस समय जिला पंचायत अध्यक्ष हैं। राष्ट्रीय महासचिव बनाए जाने पर धनंजय सिंह ने कहा कि वह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह और मुख्यमंत्री बिहार नीतीश कुमार को इसके लिए धन्यवाद देते हैं। पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है, वह उसका ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। शीर्ष नेतृत्व के विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे।

चुनौतियों में पले और समाज के सामने छोड़ गए चुनौतियां, लमही में रचे 15 प्रसिद्ध उपन्यास

वाराणसी । किस्से कहानियां, उपन्यास की दुनिया में अमर किरदार हैं मुंशी प्रेमचंद। सदी बीत गई, आज भी उनकी कहानियां, उपन्यास की तासीर जस की तस है। कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद चुनौतियों में पैदा हुए, चुनौतियों में पले और वर्तमान में सभी काशी विद्यापीठ के हिंदी विभाग के प्रो. श्रद्धानंद ने बताया कि भोजपुरी की कहावत हे तेतरी बिटिया राज रजावे, तेतरा बेटवा भीख मंगावे...। मुंशी प्रेमचंद जब पैदा हुए तो रुढ़ियां पूरी तरह से समाज पर हावी थीं। किसान, दलित और औरतों पर लेखन लेखन को केंद्रित किया। अपनी लेखनी से समाज के सामने चुनौतियां छोड़कर चले गए। लमही में ही उन्होंने 15 उपन्यास, 300 से अधिक कहानियों की रचना की। हर वर्ग की सच्चाई काले अक्षरों में दुनिया के सामने पेश की। इसके अलावा तीन नाटक, 10

के सामने चुनौतियां छोड़ गए हैं। आज भी पूस की रात, गोदान, ईदगाह और गबन की कहानियां हर किसी के मन को बरबस ही छू जाती हैं और यथार्थ के धरातल से रूबरू कराती हैं। वाराणसी के लमही गांव में ही कथा सम्राट ने 15 से अधिक उपन्यासों की रचना की और कालजयी हो गए। खुद पर भी जो बीती उसको भी साफगोई से शब्दों से साकार किया। रहा केंद्रित लमही गांव में 31 अक्तूबर 1880 में उनका जन्म हुआ था। रुढ़ियों की चुनौती के बीच उन्होंने होश संभाला तो अंग्रेजों के शासनकाल से उनका सामना हुआ। साहित्यकार अपने देशकाल से प्रभावित होता है। उन्होंने अपने लेखनी से समाज के दर्द को शब्दों में पिरोया। भारतीय समाज में सर्वाधिक शोषित तीन तबकों किसान, दलित और औरतों पर अपने पुस्तकों का अनुवाद, सात बाल साहित्य और न जाने कितने लेख इस बात की गवाही देते हैं कि उस समय अंधविश्वास कितना चरम पर था।उनके साहित्य में गरीबी को बिल्कुल ठंडे दिमाग से झेलने की क्षमता भी है। सामाजिक और आर्थिक विषमताओं को झेलते हुए उन्होंने दैनिक जीवन की तमाम दुश्वारियों को अपनी लेखनी से कहानियों में ढाल दिया।

कथा सम्राट की जन्मस्थली से हर घर तिरंगा अभियान का शुभारंभ......................

वाराणसी । जयंती पर गूंजे गगनभेदी नारेकथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती है। उनकी जन्मस्थली वाराणसी के लमही गांव में आज उत्सव का माहौल है। कई कार्यक्रम आयोजित हैं। कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की आज जयंती है। उनकी जन्मस्थली वाराणसी के लमही गांव को देशवासी अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए हमेशा पढ़ते रहेंगे।पंच परमेश्वर से न्याय, ईदगाह से गरीबी का दर्द, पूस की रात से किसान की चिंता, मंत्र से अमीरी और गरीबी का फर्क, कफन से नशे की आदत जैसे सामाजिक मुद्दों के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना जगाने वाले मुंशी जी पूरी दुनिया

में उत्सव का माहौल है। कई कार्यक्रम आयोजित हैं। शनिवार सुबह लमही गांव में घर- घर तिरंगा, हर घर तिरंगा अभियान का शुभारंभ आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार ने किया। लमही गांव स्थित सुभाष भवन से मुंशी प्रेमचंदी की जन्मस्थली तक बैंड-बाजे के साथ तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम और मुंशी प्रेमचंद अमर रहें जैसे नारे गूंजते रहे। कथा सम्राट के घर पर तिरंगा फहराया गया। विशाल भारत संस्थान की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान लोगों का उत्साह देखते बन रहा था। इंद्रेश कुमार ने कहा कि आज मुंशी जी की आत्मा जरूर प्रसनन्‍ होगी। उनके गांव के लोग उनके जन्मदिन पर तिरंगा फहरा रहे हैं। मुंशी जी के योगदान को ये दुनिया कभी भूला नहीं सकती। उनकी महान कृतियों के साहित्यकारों में सबसे ऊपर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि मुंशी प्रेमचंद की अमर कृतियों के अमर चरित्र आज भी लमही गांव में कहीं न कहीं दिख जाते हैं। लमही गांव को राष्ट्रभक्ति के साहित्य की प्रयोगशाला बनानी चाहिए। कहा कि महान उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद को अपने अंतिम समय में यह कसक जरूर थी कि काश देश आजाद हो जाता तो घर पर तिरंगा फहरा पाते। मुंशी जी ने देश के लिए अंतिम सांस ली। देश के लिए लिखते रहे, अंग्रेजों की आंख में खटकते रहे, लेकिन हार नहीं माने। उनका सपना तिरंगे को अपने घर पर सिर्फ फहराने का नहीं, बल्कि उसको सलामी देने का था। भले ही उनके जाने के 11 साल बाद आजादी मिली हो, लेकिन उनके सपने को आज पूरा किया गया।

धान रोपाई से रोकने पर बड़े भाई की छोटे ने ली जान

गोरखपुर। देखते रह गए बेटा-बेटीपुलिस के अनुसार धान की रोपाई के समय दो सगे भाइयों में कहासुनी हुई और छोटे भाई ने बड़े भाई का गला दबा दिया। मृतक के बेटे दिलीप की तहरीर पर आरोपी खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बस्ती जिले में वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के सिवान में शनिवार को खेत में धान की रोपाई से छोटे भाई को रोकने थानाध्यक्ष पुरानी बस्ती आलोक कुमार श्रीवास्तव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घटनास्थल के पास ही भाग रहे आरोपी रामजीत कुमार को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। सीओ सिटी ने मृतक के बेटे का बयान दर्ज किया है। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के तरेता का यादव पुरवा निवासी मृतक लालधारी यादव (60) पुत्र झिनकान यादव अपनी पत्नी परमावती व बेटा-दिलीप व बेटी सीमा यादव के साथ तरेता के सिवान में स्थित अपने खेत पर आ पहुंचा। इसके बाद दिलीप व सीमा दूसरे खेत में रुक गए और लालधारी धान की रोपाई करा रहे अपने छोटे भाई रामजीत कुमार के पास पहुंचे और उनके खेत में धान की रोपाई करने से मना किया। इसी बात को लेकर दोनों भाइयों में बहस होने लगी। आरोप है कि गुस्से में

गए बड़े भाई की हत्या का मामला सामने आया है। आरोप है कि कहासुनी के बाद छोटे भाई रामजीत कुमार ने बड़े भाई लालधारी यादव का गला दबा दिया। लालधारी को उनके बेटा-बेटी बाइक से अस्पताल ले गया, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हत्या की सूचना मिलते ही सीओ सिटी आलोक प्रसाद, थानाध्यक्ष वाल्टरगंज योगेश सिंह, बेटियों के साथ पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के कर्मा यादव पुरवा स्थित अपनी ससुराल में रहते थे। उनके अन्य भाई ठाकुर प्रसाद, आरोपी रामजीत कुमार व झिनन्‍लाल तरेता में ही रहते हैं। शनिवार की दोपहर में बड़े भाई लालधारी को सूचना मिली कि उनके हिस्से के खेत में छोटा भाई रामजीत कुमार धान की रोपाई कर रहा है। इस सूचना पर लालधारी अपने बेटे आकर छोटे भाई रामजीत (48) ने बड़े भाई लालधारी का गला दबा दिया। बेसुध होकर लालधारी खेत में ही गिर पड़े। यह देख लालधारी का बेटा व बेटी दौड़कर मौके पर पहुंचे और बाइक से दोनों उन्हें सीएचसी सांऊघाट ले गए। यहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी रामजीत कुमार के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है।

छेड़खानी की शिकायत करने पर शोहदे ने चाचा-भाई का सिर फोड़ा

गोरखपुर।केस दर्जएसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने कहा कि प्रकरण की जांच एसपी नार्थ को सौंपी गई है। जांच में पुलिस की लापरवाही मिली तो रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गोरखपुर में छेड़खानी का उलहना देने पर गुलरिहा इलाके के एक गांव में शुक्रवार को शोहदे ने घरवालों के साथ मिलकर छात्रा के चाचा व भाई का सिर फोड़ दिया। आरोप है कि पिटाई से आहत पीड़ित युवती के घरवाले गुलरिहा थाने गए, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। छेड़खानी का घटनास्थल कैंट बताते हुए उन्हें थाने से भगा दिया गया। इतना ही नहीं, पुलिस ने पीड़ित परिवार के खिलाफ ही मारपीट का केस दर्ज कर तीन लोगों का शांतिभंग में चालान कर दिया। छात्रा की तहरीर पर कैंट थाने में शोहदे व उसके परिजनों के खिलाफ छेड़खानी सहित कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है। इससे पहले, कैंट थाने में केस दर्ज होने की सूचना मिलते ही शोहदे व उसके परिजनों ने पीड़ित युवती का घर घेर लिया। इस मामले में भी मुकदमा दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कियुवती व उसके परिजनों ने घर का दरवाजा अंदर से बंद करके खुद को बचाया। कुछ लोग छत के रास्ते घर में घुसने का प्रयास भी कर रहे थे। इस मामले में भी पीड़ित परिवार ने तहरीर दी है। जानकारी के मुताबिक, गुलरिहा इलाके की रहने वाली एक युवती सिविल लाइंस स्थित एक कॉलेज में बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा है। वह शुक्रवार सुबह कॉलेज जाने के लिए ऑटो से निकली थी। आरोप है कि गांव के ही शोहदे ने अपनी बाइक से ऑटो का पीछा शुरू कर दिया। कई जगह ऑटो के सामने अपनी बाइक खड़ी करके रास्ता रोक दिया। इस दौरान अश्लील बातें करता रहा और छेड़खानी भी की। यह सिलसिला कॉलेज तक चलता रहा। इससे आजिज युवती कॉलेज नहीं गई और मुख्य द्वार से ही घर लौट आई। इसके कर रही है। छात्रा बोली- छह महीने परेशान कर रहा था शोहदा युवती के मुताबिक, शुक्रवार को हुई घटना पहली बार नहीं हुई है। पिछले छह महीने से शोहदा परेशान कर रहा है। गांव का मामला था। लिहाजा, कई बार उसके घरवालों से शिकायत की गई थी। बदनामी के डर से पुलिस

बाद पूरे घटना की जानकारी परिजनों को दी। बहन की आपबीती सुनकर भाई व उसके चाचा आरोपी के घर उलाहना देने पहुंच गए। उलाहना दे ही रहे थे कि शोहदे व उसके परिजनों ने हमला बोल दिया। लाठी-डंडों से पीटकर दोनों का सिर फोड़ दिया। मामला गुलरिहा पुलिस के पास पहुंचा तो सब कुछ उल्टा हो गया। पुलिस ने पीड़िता के दो भाई और पिता का ही शांतिभंग में चालान कर दिया। इसकी जानकारी हुई तो छात्रा कैंट थाने गई और तहरीर देकर केस दर्ज कराया। कैंट पुलिस मामले की जांच से शिकायत नहीं की गई थी। शुक्रवार को आरोपी की हरकत से आजिज आकर तहरीर दी है। थाने से भगाने के आरोप गलत हैं। घटना कैंट थाना क्षेत्र में हुई थी। इस कारण कैंट में ही केस दर्ज कराने की सलाह दी गई थी। : उमेश कुमार वाजपेयी, थाना प्रभारी गुलरिहा एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने कहा कि प्रकरण की जांच एसपी नार्थ को सौंपी गई है। जांच में पुलिस की लापरवाही मिली तो रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

अर्थव्यवस्था और निचले पायदान के लोगों की दुर्दशा

जीएसटी संग्रह के बढ़ते स्त्रोत

औसत मासिक जीएसटी संग्रह 1.5 लाख करोड़ रुपये के करीब है और वर्ष 2021-22 में पेट्रोल और डीजल की बिक्री से कुल कर संग्रह तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक था। इसलिए यह धारणा गलत है कि हर कोई कर का भुगतान नहीं करता या सरकार के खजाने में योगदान नहीं करता। हाल ही में एक ड्राइवर से मेरी दिलचस्प बातचीत हुई। राम सिंह एक ड्राइवर है, जिसकी सेवाएं मैं समय-समय पर लेता रहता हूं, खासकर गमियों में, जब खुद ड्राइविंग करने का मेरा मन नहीं करता। वह बातूनी है, जो अर्थव्यवस्था के निचले पायदान पर रहने वाले लोगों की दुर्दशा और जमीनी स्तर के रूझानों की सटीक जानकारी के लिए व्यावहारिक साबित होता है। कभी-कभी मुझे लगता है कि वह सूचनाओं का भंडार है-जो फिल्मों, फिल्मी सितारों, राजनेताओं, वैश्विक नेताओं, खेल, स्वास्थ्य सेवा, मौसम और ऐसी हर चीज के बारे में जानता है, जिसके बारे में कोई सोच सकता है। इस बार वह अमीरों के जीएसटी के बोझ से दबे होने और खुद के उससे बचे होने को लेकर खुश था, क्योंकि वह सिर्फ नकद में कारोबार करता था, यहां तक कि वह लोगों से अपना मेहनताना भी नकद में लेता था। मुझसे रहा नहीं गया, तो मैंने उससे पूछा कि क्या उसे सिर्फ नकद में भुगतान किया जाता है, इसलिए उसे लगता है कि वह कर नहीं चुका रहा है? उसने कहा, केवल वही पैसा कर के दायरे में आता है, जिसका भुगतान बैंकों के जरिये होता है। उसका यह सरल विश्वास इस तर्क से उपजा था कि चूंकि उसकी कोई नियमित आय नहीं है, इसलिए उसे कोई कर नहीं चुकाना पड़ता। नोएडा में एक बैठक के बाद वापस पश्चिमी दिल्ली स्थित अपने घर जाते हुए पूरे रास्ते भर मुझे उसे समझाना पड़ा कि करदाता न होने की उसकी धारणा गलत है और वह भी कर चुकाता है। 140 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश में 1.5 करोड़ से कुछ अधिक आयकर दाताओं का होना बेशक निराशाजनक है। आधिकारिक तौर पर वित्तमंत्री ने संसद में कहा है कि वर्ष 2019-20 में दर्ज किए गए व्यक्तिगत और कॉरपोरेट सहित सिर्फ आठ करोड़ से अधिक करदाता हैं। ऐसे में यह कहना आसान है कि देश में बहुत कम लोग कर चुकाते हैं, लेकिन यह लोगों की नौकरियों से संबंधित है, खासकर जब एक वर्ष में पांच लाख रुपये तक की आय आयकर से मुक्त होती है। जब मैंने राम सिंह से पूछा कि क्या उसने कपड़े और किराने का सामान खरीदा है, फोन रिचार्ज करवाया है, सिनेमा हॉल में फिल्म देखने के लिए टिकट खरीदा है या इंटरनेट पैक जैसी चीजें ली हैं इस पर उसने सहमति जताई। उसने यह भी बताया कि उसने एक पुरानी मोटरसाइकिल खरीदी है, जिसे वह और उसका बेटा जरूरत के हिसाब से चलाता है। मैंने उससे पूछा कि क्या उसे पता है कि पेट्रोल पर भी टैक्स लगता है, जिसका भुगतान उसे मोटरसाइकिल चलाते वक्त करना पड़ता है? फोन रिचार्ज कराते वक्त भी कर का भुगतान करना पड़ता है, और जब भी उसने किसी दुकान से कोई सामान खरीदा है, तो उसे जीएसटी का भुगतान करना पड़ा है। यह सुनकर अचानक वह चुप हो गया। औसत मासिक जीएसटी संग्रह 1.5 लाख करोड़ रुपये के करीब है और वर्ष 2021-22 में पेट्रोल और डीजल की बिक्री से कुल कर संग्रह तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक था। इसलिए यह धारणा गलत है कि हर कोई कर का भुगतान नहीं करता या सरकार के खजाने में योगदान नहीं करता। यह दरअसल एक कल्पना है। और इसलिए सरकार में बैठे लोगों द्वारा देश में करदाताओं की कम संख्या की बार-बार चर्चा करना भी उतना ही गलत है। असंगठित क्षेत्र में भारी रोजगार, उद्यमियों और अल्पकालिक व्यवसायों को देखते हुए सीधे आयकर के दायरे में आने वाले लोगों की संख्या भले कम हो सकती है, लेकिन आयकर कर संग्रह का एकमात्र स्रोत नहीं है। नागरिक अन्य तरीकों से भी सरकार को कर चुकाते हैं। सरकार की आय के मुख्य स्रोत जीएसटी और आयकर हैं। इन दोनों तरीकों से सरकार को कुल कर संग्रह का लगभग 90 फीसदी हिस्सा मिलता है, जो 27.07 लाख करोड़ रुपये था। स्वाभाविक रूप से सभी नागरिक किसी न किसी तरह से सरकारी आय में योगदान करते हैं। इस धारणा का प्रचार करना, कि केवल आयकरदाता ही कर का भुगतान करते हैं, पूरी तरह से गलत है। दरअसल, जीएसटी सूची के तहत आने वाली किसी भी चीज का उपभोग करने वाला हर नागरिक टैक्स चुका रहा है। इसलिए, करों का भुगतान अब केवल अमीरों या आयकरदाताओं तक सीमित नहीं है। यह एक अलग मुद्दा है कि अधिकांश नागरिकों द्वारा करों का भुगतान करने और सरकार के राजस्व संग्रह में योगदान देने के बावजूद सरकार से प्राप्त होने वाली सेवाओं की गुणवत्ता के बारे में बात करने के लिए बहुत कुछ नहीं है। जन वितरण प्रणाली (पीडीएस), सब्सिडी वाली रसोई गैस, सरकारी संस्थानों में शिक्षा में रियायत या अस्पतालों में किसी भी मानक का परीक्षण नहीं किया जाता है। इसके अलावा, सरकारी आय में योगदान करने वाले लोगों के कल्याण के लिए एकत्रित राजस्व का उपयोग कैसे किया जाता है, इसे तय करने में लोगों की कोई जवाबदेही या भागीदारी नहीं है। जिस दिन आबादी के एक बड़े हिस्से को करों के माध्यम से राजकोष में अपने योगदान का एहसास होगा, उस दिन उन्हें महसूस होगा कि करों का भुगतान करने के लिए आयकर के दायरे में आना जरूरी नहीं है। आयकर तो सरकारी राजस्व का सिर्फ एक स्रोत है। वास्तव में, कर दाखिल करने वालों में से बहुत कम लोग आयकर देते हैं, शेष के पास करों का भुगतान करने के लिए पर्याप्त आय नहीं होती। लेकिन, अप्रत्यक्ष कर चुकाने वालों के साथ यह बात लागू नहीं होती, क्योंकि लोग हर उस लेन-देन में कर चुकाते हैं, जहां जीएसटी लागू होता है।

शिव कलाओं में दक्ष हैं, भेद मुक्त हैं, वे महायोगी, आदियोगी हैं शिव निर्विकार हैं

उनकी बांहें खुली हुई हैं, जिसमें जीव जगत के सभी प्राणियों के लिए जगह है। वे कैलाशपति हैं, प्रकृति में रची-बसी अनुभूति हैं। शिव तमाम तरह के वैभव से मुक्त हैं, नदी-पहाड़-झरना, पेड़-पालव आदि के सहचर हैं। मन कभी-कभी आध्यात्मिक हो जाता है तो निकल पड़ता है अनंत की यात्रा पर अपने आराध्य की खोज में। सारे ब्रह्मांड में घूमता है। जाकर वहां रुक सा जाता है जहां सफेद और बर्फीली पहाडियां हैं, खुला आसमान है, कंदराएँ हैं, शिलाएं हैं, जहां किसी आदियोगी के होने की संभावना प्रबल है। ऐसा महायोगी जो रात के चेहरे पर भभूत मल देता है, श्मशान को खेल का मैदान समझता है और देह से मुक्त हुई आत्माओं- प्रेतात्माओं को साथी खिलाड़ी। जिसकी जटाओं में नदियां हैं। जिसने अपने भाल पर चंद्रमा को टिका रखा है। जहां प्रकृति के सारे विरोधी, कमजोर और वंचित साम्य भाव में होते हैं। जहां बाघ और बकरी एक ही घाट पर पानी पीते है। शिव ऐसे महायोगी हैं जिनके अंदर धधकते हुए सूर्य की ज्वाला है, शरद ऋतु की बरसती हुई चांदनी की शीतलता है, हाथ में त्रिशूल है, डमरू है। समुंदर से मथे हुए विष का पान करने वाला वह आदियोगी, त्रिनेत्रधारी नटराज भव सागर में खड़े जहाज की तरह है। बर्फीली पहाड.ियों के शिलाओं पर ध्यान मुद्रा में बैठे शिव के यहां कोई दरबार नहीं लगता, सभी एकमेव स्थिति में रहते हैं, यहां तक कि विरोधी भी। शिव किसी बंधी बधाई मान्यताओं की डोर थामे नहीं चलते, बल्कि उन सभी का उल्लंघन करते हुए एक नई दुनिया रचते हैं। श्मशान में शिव प्रेतों के साथी हैं, जली हुई चिताओं की राख उनके लिए होली का रंग है जो वे खुद के और पिशाचों के चेहरे पर मल देते हैं, जंगल में वे विषैले सांप-बिच्छुओं के अगुआ हैं। नीलकंठ गरल पीकर भी इतने सरल हैं कि सर्प को गले में लपेट रखा है। शिव निष्कपट हैं इसलिए क्रोधी भी हैं।

पुरुष टेबल टेनिस (टीम इवेंट): भारत ने 3 0 से बारबाडोस को हराया। इसके बाद 3-0 से सिंगापुर के खिलाफ जीत हासिल की।

महिला टेबल टेनिस (टीम इवेंट): भारत ने 3-0 से दक्षिण अफ्रीका को हराया। फिर फिजी के खिलाफ 3-0 से जीत हासिल की। तैराकी: श्रीहरि नटराज ने 100 मीटर बैकस्ट्रोक फाइनल में प्रवेश किया। पैरा-तैराकी: पुरुषों की 100 मीटर बैकस्ट्रोक ए9 फाइनल में भारत के आशीष कुमार आठवें स्थान पर रहे बॉक्सिंग: शिव थापा 63.5 किग्रा भारवर्ग के राउंड ऑफ 16 में पहुंचे। क्रिकेट: भारतीय महिला टीम को पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया से तीन विकेट से हार मिली महिला हॉकी: भारत ने पूल-ए के पहले मैच में घाना को 5-0 से रौंदा बैडमिंटन: भारत ने मिक्स्ड टीम ग्रुप मैच में पाकिस्तान को 5-0 से हराया। स्क्वैश: अनाहत सिंह महिला सिंगल्स और अभय सिंह मेन्स सिंगल्स के राउंड ऑफ 32 में पहुंचे।भारतीय स्विमर श्रीहरि नटराज ने इतिहास रच दिया है। वह 100 मीटर बैकस्ट्रोक स्विमिंग कॉम्पिटीशन के फाइनल में पहुंच गए हैं। दूसरे सेमीफाइनल में श्रीहरि ने 54.55 सेकेंड का समय निकाला और चौथे स्थान पर रहे। उन्होंने ओवरऑल सेमीफाइनल में सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। अब श्रीहरि से पदक की उम्मीद जग गई है। फाइनल में आठ स्विमर्स के बीच टक्कर देखने को मिलेगी। टेबल टेनिस में महिलाओं के टीम इवेंट ग्रुप-2 के मैच में भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला मुकाबला जीत लिया। टेनिसन और अकुला की भारतीय जोड़ी ने दक्षिण अफ्रीका की जोड़ी को 11-7, 11-7, 11-5 से हराया। इसके बाद मनिका बत्रा ने भी अपना मुकाबला 11-5, 11-3, 11-2 से जीत लिया। टीम इवेंट के तीसरे मुकाबले में सृजा अकूला ने दानिशा पटेल को 11-5, 11-3 और 11-6 से हराया। टेबल टेनिस में महिलाओं के टीम इवेंट ग्रुप-2 के दूसरे मैच में भारत ने फिजी को 3-0 से हरा दिया। दिया पराग चितले और श्रीजा की जोड़ी ने फिजी की तौआ टिटाना और ग्रेस रोजी यी को

11-8, 11-3, 11-5 से हराया। इसके बाद मनिका बत्रा ने कैरोलिन ली को 11-2, 11-4, 11-2 से आसानी से हरा दिया और टीम इंडिया को 2-0 की बढ़त दिलाई। आखिरी मैच में श्रीजा अकुला ने ग्रेस रोजी यी को 11-7, 11-1, 11-2 से हराया और टीम इंडिया को 3-0 से जीत दिला दी। भारतीय पुरुष टीम ने बारबाडोस को 3-0 से मात दी। हरमीत और साथियान ने युगल मैच में केविन और टिरसी नाइट को 11-9, 11-9, 11-4 से हराया। एकल में शरथ कमल ने मैक्सवेल को 15 मिनट से कम समय में 11-5, 11-3, 11-3 से हराया। उसके बाद साथियान ने भी टिरसी नाइट को 11-4, 11-4, 11-5 से पराजित किया। बारबाडोस के खिलाफ पहले मैच में 3-0 से जीत हासिल करने के बाद भारत ने सिंगापुर को भी 3-0 से हरा दिया। सिंगापुर के खिलाफ पहले मैच में हरमीत देसाई और साथियान ज्ञानसेकरन की जोड़ी ने शाओ फेंग एथन पोह और क्लेरेंस च्यू जे यू की जोड़ी को 11-5, 11-5, 9-11, 11-2 से हरा दिया। इसके बाद दिग्गज अचंता शरथ कमल ने सिंगापुर के यू इन कोएन पैंग को 11-8, 11-9, 11-9 से शिकस्त दी। टीम इवेंट के तीसरे मैच में साथियान ज्ञानसेखरन सिंगापुर के झे यू क्लेरेंस च्यू को 11-7, 11-5, 11-8 से हरा दिया। राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की सबसे युवा खिलाड़ी भारत की अनाहत सिंह ने स्क्वैश के महिला सिंगल्स में जीत के साथ शानदार शुरुआत की। उन्हें अपना पहला मैच जीतने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी और उम्र में बड़ी सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस के जैडा रॉस को लगातार तीन गेमों में हरा दिया। अनाहत ने पहला गेम 11-5 से जीता। इसके बाद दूसरे गेम में अनाहत एक बार फिर सीनियर जैडा रॉस के लिए परेशानी खड़ी कर दी। दूसरा गेम अनाहत और भी आसानी से 11-2 से अपने नाम किया और 2-0 की बढ़त बना ली। अनाहत के आगे जैडा रॉस टिक नहीं सकीं। तीसरा गेम अनाहत ने 11-0 से जीत लिया और जैडा को राउंड ऑफ 64 के मैच में करारी शिकस्त दी। अनाहत अब महिला सिंगल्स स्कैश के राउंड ऑफ 32 में पहुंच गई हैं। भारत के अभय सिंह ने स्क्वैश पुरुष एकल राउंड ऑफ 64 के मैच में ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड के जो चैपमैन को 3-0 से हरा दिया। अभय सिंह ने जो चैपमैन को 11-5, 11-5, 11-5 से हराकर पुरुष एकल राउंड ऑफ 32 में प्रवेश किया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार शुरुआत की है। उसने घाना को अपने पहले मैच में 5-0 से रौंद दिया। टीम इंडिया के लिए गुरजीत कौर ने सबसे ज्यादा दो गोल किए। नेहा गोयल, संगीता कुमारी और सलिमा टेटे ने भी स्कोर किया। अब भारतीय महिला टीम शनिवार (30 जुलाई) को वेल्स के खिलाफ अपने दूसरे ग्रुप मैच में उतरेगी। कॉमनवेल्थ गेम्स में महिला क्रिकेट में अपने पहले मुकाबले में ही टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को तीन विकेट से हराया है। इस मैच में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 154 रन बनाए थे। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट गंवाकर एक ओवर रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए गार्डनर ने नाबाद 52 रन बनाए। लॉन बॉल में तानिया चौधरी की हार लॉन बॉल में भारत की तानिया चौधरी को महिला एकल के पहले राउंड में हार का सामना करना पड़ा है। स्कॉटलैंड की डी हॉगन ने उन्हें 10-21 से हराया। इसके अलावा लॉन बॉल के पुरुष ट्रिपल सेक्शनल प्ले के पहले राउंड में भारत को निराशा हाथ लगी। उसे मजबूत न्यूजीलैंड ने 23-6 से बुरी तरह हराया दिया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दुनिया को बताया- धरती की पूजा हमारी परंपरा

दुनिया पिछली सदी की तुलना में करीब डेढ़ डिग्री ज्यादा गर्म हो गई है। औद्योगिक क्रांति वाले पश्चिमी देशों ने अब प्रदूषण के कारकों पर नियंत्रण पाने की कवायद के तहत कभी तीसरी दुनिया माने जाते रहे देशों पर दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया है। शपथ लेते ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वयं को संथाल और वनवासी बताते हुए जो बात कही, उसकी ओर दुनिया का ध्यान जाना बहुत जरूरी है। राष्ट्रपति ने कहा, 'मेरा जन्म तो उस जनजातीय परंपरा में हुआ है, जिसने हजारों वर्षों से प्रकृति के साथ ताल-मेल बनाकर जीवन को आगे बढ़ाया है। मैंने जंगल और जलाशयों के महत्व को अपने

जीवन में महसूस किया है। हम प्रकृति से जरूरी संसाधन लेते हैं और उतनी ही श्रद्धा से प्रकृति की सेवा भी करते हैं।प्रकृति की पूजा और उससे सामंजस्य भारतीय संस्कृति का आधार रहा है। भारतीय ग्रंथों में प्रकृति का जिस तरह चित्रण हुआ है, उससे स्पष्ट है कि भारतीयता की धारा प्रकृति से जुड़ाव के साथ ही पुष्पित-पल्लवित हुई है। उदारीकरण के तमाम झंझावातों के बावजूद भारतीय आदिवासी समाज अब भी प्रकृति-प्रेम के अपने पारंपरिक पाठ को भूल नहीं पाया है। वनवासी समुदाय के स्वभाव में ही है कि प्रकृति से उतना ही लो, जितना जरूरी है। बदले में उसकी सेवा भी करो और जरूरत पड़े, तो उसके लिए मर-मिटो। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू चूंकि भारत की स्वाभिमानी संथाल समुदाय से आती हैं, लिहाजा उनकी रगों में भी यह अद्भुत प्रकृति-प्रेम लगातार बह रहा है। यही वजह है कि अपनी जिंदगी के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में भी उन्हें यह बात याद रही। महात्मा गांधी ने हिंद स्वराज में आजाद भारत में जिस समाज और व्यवस्था की कल्पना की थी, उसके मूल में भी प्रकृति प्रेम के ये विचार ही थे। उन्होंने अपने चिंतन और व्यवहार में जिस अपरिग्रह की बात की है, दरअसल वह प्रकृति से जरूरत भर हासिल करने के मूल विचार पर ही आधारित है। राममनोहर लोहिया भी जब हिमालय बचाओ या नदियों की रक्षा की बात करते हैं, तो दरअसल वह भी भारतीयता की उसी वैचारिक धारा को अभिव्यक्त कर रहे होते हैं, जो प्रकृति पूजक है। यह भी संयोग है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जिस राजनीतिक धारा का प्रतिनिधित्व करती रही हैं, उसके वैचारिक पुरोधा दीनदयाल उपाध्याय का आर्थिक दर्शन भी अपरिग्रह और प्रकृति से सामंजस्य का हिमायती रहा है। दीनदयाल उपाध्याय ने अपने विख्यात एकात्म मानवदर्शन में कहा है कि गैर-जरूरी उपभोग के लिए अंधाधुंध उत्पादन बढ़ाकर प्राकृतिक संसाधनों का दोहन गलत है। ऐसा नहीं कि भारतीयता अपने इन पारंपरिक और अनमोल विचारों को भूल गई है। अंग्रेजी शासन की लूट-खसोट और भारत को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से रौंदने वाले विलायती दर्शन से जो व्यवस्था तैयार हुई, उसने भारतीयों को इस वैचारिक दर्शन से दूर करके रख दिया। यूरोप की औद्योगिक क्रांति ने दुनिया को उपभोग की जो राह दिखाई, उदारीकरण की वैचारिक धारा ने उसे चरम पर पहुंचा दिया। इसका वैश्विक स्तर पर दुष्प्रभाव दिखने लगा है। दुनिया पिछली सदी की तुलना में करीब डेढ़ डिग्री ज्यादा गर्म हो गई है। औद्योगिक क्रांति वाले पश्चिमी देशों ने अब प्रदूषण के कारकों पर नियंत्रण पाने की कवायद के तहत कभी तीसरी दुनिया माने जाते रहे देशों पर दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया है। लेकिन इन देशों की दुविधा यह है कि उनके सामने अपने करोड़ों नागरिकों के जीवन-स्तर को उठाना अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। कार्बन उत्सर्जन के मामले में चीन जहां पहले नंबर पर है, वहीं भारत तीसरे स्थान पर है। ऐसे में, अगर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाने के विचार को आगे बढ़ाने की बात करती हैं, तो वह दुनिया को संदेश दे रही हैं। संदेश यह कि प्रकृति का अंधाधुंध दोहन बंद हो, और प्रकृति के साथ जुड़ाव की परंपरा को राष्ट्रीय स्तर ही नहीं, वैश्विक स्तर पर बढ़ाया जाए। वह बताना चाहती हैं कि दुनिया उसी समाज के विचारों से आगे बढ़ सकती है, जिसे पिछड़ा और गंवार माना जाता रहा है। तो क्या माना जाए कि भारत की भावी पर्यावरण नीति और सामाजिक सोच पर भी राष्ट्रपति के इन संदेशों का असर पड़ेगा। उम्मीद है कि अपने कार्यकाल में राष्ट्रपति कम से कम इस मुद्दे पर ज्यादा सक्रिय रहेंगी, जिसका असर समाज और व्यवस्था पर पड़े बिना नहीं रहेगा।

कंगारू कोर्ट' के दौर में सांविधानिक अदालतें प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण की टिप्पणी के मायने

आजादी (ईाि्दस) के बाद 75 सालों में न्यायपालिका के विकास को तीन हिस्सों में समझा जा सकता है। शुरुआती दौर में स्वतंत्र न्यायपालिका (ण्दटूि) को आपातकाल में इंदिरा सरकार ने हस्तगत करने का प्रयास किया। उसके बाद गठबंधन सरकारों के दौर में कॉलेजियम की आड़ में जजों की नियुक्ति पर एकाधिकार हासिल कर लिया। रिटायरमेंट के पहले सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण के कई बयानों ने बर्र के छत्ते को छेड़ दिया है। मुकदमों के बोझ से लदी न्यायपालिका के सामने कमजोर इन्फ्रास्ट्रक्चर, जजों की कमी और जजों की सुरक्षा पर उन्होंने चिंता जाहिर की। परंतु उनकी सबसे बड़ी बेचैनी सोशल मीडिया के माध्यम से चल रही 'कंगारू कोर्ट' के बढ़ते प्रचलन पर है, जिससे अधिकांश जज त्रस्त चल रहे हैं। टीवी चैनलों और सोशल मीडिया में उत्तेजक बहसों से क्या न्यायपालिका पर दबाव पड़ता है सेलिब्रिटीज और बड़े आपराधिक मामलों में मीडिया ट्रॉयल (र्शे ऊेंग्त) से क्या न्यायिक व्यवस्था प्रभावित होती है? अनेक चर्चित मामलों की सुनवाई और फैसलों से इन सवालों का जवाब हां में दिया जा सकता है। इसके बाद सबसे मौजूं सवाल यह है कि क्या न्यायपालिका से आम जनता की उम्मीदें धुंधली हो गई हैं? इस सवाल के जवाब के लिए नवनिर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू (ँदर्ल्ज्ग् श्ल्ल्) के सबसे अहम बयान पर गौर करना जरूरी है, जिसमें उन्होंने वंचित वर्ग के उत्थान के लिए सबके प्रयास और सबके कर्तव्य का आवाहन किया है। आजादी के 75वें साल में देश के गणतंत्र और सांविधानिक व्यवस्था का लेखा-जोखा करना जरूरी है। इससे दो बातें साफ होती हैं। पहला-रिपोर्ट कार्ड में फेल विधायक, सांसद, मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री समेत किसी भी नेता को जनता पांच साल बाद खारिज कर सकती है। अफसरों के खिलाफ मुकदमा और बर्खास्तगी भी आम बात हो गई है। लेकिन न्यायपालिका अब भी औपनिवेशिक आग्रहों से घिरी है। इसकी वजह से संविधान की प्रस्तावना में जनता के कल्याण का सपना अधूरा है। आजादी के बाद 75 सालों में न्यायपालिका के विकास को तीन हिस्सों में समझा जा सकता है। शुरुआती दौर में स्वतंत्र न्यायपालिका को आपातकाल के दौरान इंदिरा सरकार ने हस्तगत करने का प्रयास किया। उसके बाद गठबंधन की सरकारों के दौर में न्यायपालिका ने कॉलेजियमप्रणाली की आड़ में जजों की नियुक्ति पर एकाधिकार हासिल कर लिया। तीसरा चरण 2015 से शुरू होता है, जब सुप्रीम कोर्ट ने एनजेएसी (राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग) कानून को रद्द कर दिया। फैसले में शामिल एक जज ने नियुक्ति व्यवस्था को सड़ांधपूर्ण बताते हुए, पेरेस्त्रोइका और ग्लासनोस्त की तर्ज पर न्यायिक व्यवस्था में पुनर्निर्माण का आवाहन किया। कुछ सालों के बाद चार जजों की प्रेस कॉन्फ्रेंस और चीफ जस्टिस के खिलाफ महाभियोग के प्रस्ताव से यह साफ हो गया कि न्यायपालिका भयानक बवंडर के दौर से गुजर रही है। लॉकडाउन के बाद मुकदमों की ऑनलाइन सुनवाई के समानांतर सोशल मीडिया और टीवी में कंगारू कोर्टों में 'बुलडोजर न्याय' की बहस से भी जजों पर भारी दबाव बन रहा है, जिसकी अभिव्यक्ति प्रधान न्यायाधीश के माध्यम से हुई है। सोशल मीडिया के फर्जी एकाउंट्स और आईटी सेलों के माध्यम से अदालती फैसलों के साथ चुनाव, सरकारी नीतियां, संसद के कानून, मीडिया का एजेंडा आदि भी निर्धारित होने लगा है। अभिव्यक्ति को सुरक्षित रखते हुए सोशल मीडिया के फर्जीवाड़े पर लगाम लगाने का माकूल सिस्टम बने, तो लोकतंत्र के साथ देश का भी भविष्य निर्धारित होगा। सोशल मीडिया जनता की सामूहिक अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम है, जिसमें न्यायिक व्यवस्था के सामने कई बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। पहला, जजों की नियुक्ति व्यवस्था को पारदर्शी और जनतांत्रिक बनाने के लिए ठोस सुधार। दूसरा, अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के गठन पर अमल। तीसरा, उच्च न्यायालयों में स्थानीय भाषा का इस्तेमाल। चौथा, अदालतों की कार्यवाही के सीधे प्रसारण के लिए कानूनी व्यवस्था। पांचवां, जेलों में बंद कैदियों और विचाराधीन बंदियों की जल्द रिहाई। छठा, जिला अदालतों में जजों के रिक्त पदों पर जल्द भर्ती। सातवां, भ्रष्ट जजों के खिलाफ सख्त कार्रवाई। ऐसे अनेक बड़े मुद्दे न्यायिक व्यवस्था के अंतर्गत आते हैं, जिन्हें सरकारी सहयोग या हस्तक्षेप के बगैर ही सुलझाया जा सकता है। देश की जेलों में बंद लाखों बेगुनाह लोगों की बदकिस्मती के लिए पुलिस और सरकार से ज्यादा जजों की जिम्मेदारी है। बड़े राजनेता, धनपति और चर्चित मामलों में वरिष्ठ वकील बहस करते हैं और उनमें झटपट न्याय भी मिल जाता है। लेकिन करोड़ों मुकदमों के बोझ से दबी आम जनता के हिस्से में सिर्फ तारीखें आती हैं। बड़े लोगों के लिए व्हाट्सअप की तर्ज पर तुरंत डिलीवरी और कमजोर लोगों के लिए बैरंग लिफाफे वाली थकाऊ न्यायिक व्यवस्था असांविधानिक होने के साथ अस्वीकार्य भी है। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश ने खुद ही स्वीकार किया है कि भारत की न्यायिक व्यवस्था में प्रक्रिया ही दंड बन गई है। सोशल मीडिया के फर्जी खातों, पेड न्यूज और एजेंडा प्रेरित सतही अभियानों से लोकतंत्र को बचाने के लिए न्यायपालिका को भी ठोस पहल करनी चाहिए। सोशल मीडिया के कोलाहल में आम जनता के दर्द को सुनने और समझने के लिए जजों को संवेदनशील होना पड़ेगा। जजों को अपने फैसलों की तरफदारी नहीं करनी पड़ती, क्योंकि उनके फैसले खुद-ब-खुद बोलते हैं। कुछ दशक पहले जजों के फैसले कई पीढ़ियों तक नजीर बना करते थे, लेकिन अब गंभीरता और स्थिरता की कमी होने से वर्तमान जज ही फैसलों का सम्मान नहीं करते। राष्ट्रपति, संसद, प्रधानमंत्री, कानूनमंत्री और पुराने सभी प्रधान न्यायाधीशों ने न्यायिक व्यवस्था में आमूल-चूल सुधार की जरूरत बताई है। अपना घर ठीक करने के बजाय अदालतें सरकारी व्यवस्था को ठीक करने का बीड़ा उठाए हुए हैं, जो संविधान के अनुसार ठीक नहीं है। कर्नाटक हाई कोर्ट के जजों ने हालिया फैसले में कहा है कि न्यायिक पुनरावलोकन के नाम पर जजों को सरकार चलाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। भारत में न्यायपालिका और जजों के प्रति अब भी लोगों का सबसे ज्यादा भरोसा है। इसे कायम रखने के लिए सोशल मीडिया और टीवी बहस पर दोषारोपण करने के बजाय मजबूती से संस्थागत न्यायिक सुधार करने की जरूरत है, जिससे लोगों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के साथ आम जनता को जल्द न्याय मिल सके।

एच० एन० मेमोरियल महिला महाविद्यालय में मेधावी छात्राओं को किया सम्मानित

(आधुनिक समाचार सेवा)
अतुल वर्मा

झाँसी। एच०एन० मेमोरियल शिक्षण समूह द्वारा एच०एन० मेमोरियल महिला महाविद्यालय शिवाजी नगर में एच०एन० मेमोरियल गर्ल्स इण्टर कालेज शिवाजी नगर एवं वीरांगना झलकारी इण्टर कालेज खुशीपुरा की समस्त मेधावी छात्राओं को मेडल एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के उपाध्यक्ष एवं वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष शीतल प्रसाद तिवारी, बीरेन्द्र द्विवेदी प्रधानाचार्य स्वामी विवेकानन्द स्कूल, कुलदीप सिंह प्रधानाचार्य ऊदल सिंह मेमोरियल पब्लिक स्कूल, एच० एन०मेमो० शिक्षण समूह के डायरेक्टर गौरव चौहान,

की मेधावी छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान यूपी बोर्ड एवं सीबीएसई बोर्ड के स्कूल टॉप मेधावियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाली छात्राओं में यूपी बोर्ड कक्षा 10 की अंकिता पटेल, नेहा, अंशिका शिवहरे कक्षा 12 की नीलू, सानिया, रोहिनी राजपूत और सीबीएसई बोर्ड में कक्षा 10 की शिवानी सिंह, माही यादव, मंजरी रायकवार ने विद्यालय स्तर पर क्रमशः प्रथम, द्वितीय ,तृतीय स्थान प्राप्त किया। एच.एन मेमोरियल शिक्षण समूह द्वारा एच. एन मेमोरियल गर्ल्स इण्टर कालेज उ०प्र० शासन के राज्यमंत्री हरगोविन्द कुशवाहा ने छात्राओं को बुन्देलखण्ड की पुरातन संस्कृति से अवगत कराते हुये बताया कि "शिक्षा ज्ञान देती हैं, नम्रता सम्मान देती है, योग्यता स्थान देती है।" कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेश पाठक पूर्व प्रवक्ता एसपीआई इण्टर कॉलेज, बाला प्रसाद अहिरवार प्रबन्धक कलावती इण्टर कॉलेज, देवेन्द्र सिंह चौहान प्रधानाचार्य वीरांगना झलकारी इण्टर कालेज खुशीपुरा, सुदर्शन शिवहरे पूर्व प्रधानाचार्य विपिन बिहारी इण्टर कालेज, बुन्देलखण्ड प्रेस डिप्टी डायरेक्टर रूबी चौहान, एच०एन० मेमोरियल महिला महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य राजपाल सिंह गौर, वरिष्ठ प्रवक्ता रमेश नागिल एवं छात्राओं के अभिभावक गण उपस्थित रहे। संचालन प्रधानाचार्य एच.एन मेमोरियल गर्ल्स इण्टर कालेज शिवाजी नगर झाँसी (यूपी बोर्ड) आर.के. खत्री ने किया तथा कार्यक्रम के अन्त में प्रधानाचार्य एच.एन मेमोरियल गर्ल्स इण्टर कालेज शिवाजी नगर झाँसी (सीबीएसईबोर्ड) धनकुमारी गुरुंग ने आभार व्यक्त किया।

दिल्ली में लागू हो सकती है पुरानी आबकारी नीति, बवाल के बाद बैकफुट पर केजरीवाल सरकार

नई दिल्ली। सूत्रों के मुताबिक, नई आबकारी नीति (न्हौ ग्मे ज्दम्म्) वापस होगी। नई नीति तैयार होने तक पुरानी नीति के तहत ही शराब की बिक्री (ीत ई र्तल्दे) की जाएगी। हालांकि राजनिवास सूत्रों का कहना है कि आबकारी विभाग की तरफ से ऐसी कोई फाइल उपराज्यपाल कार्यालय (टुदीम) को नहीं मिली है। नई आबकारी नीति में कथित

भ्रष्टाचार के आरोपों की सीबीआई जांच की सिफारिश के बाद दिल्ली सरकार बैकफुट पर आ गई है। सूत्रों के मुताबिक, नई आबकारी नीति वापस होगी। नई नीति तैयार होने तक पुरानी नीति के तहत ही शराब की बिक्री की जाएगी उधर, राजनिवास सूत्रों का कहना है कि आबकारी विभाग की तरफ से ऐसी कोई फाइल उपराज्यपाल कार्यालय को नहीं मिली है। विभाग के आयुक्त ने चारों निगमों को इंटरनल नोट भी जारी कर दिया है। उधर, दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने दिल्ली सरकार के असिस्टेंट एक्साइज कमिशनर को नई नीति को लेकर जवाब-तलब किया है। आबकारी कमिशनर की तरफ से जारी पत्र में कहा गया है कि उपमुख्यमंत्री के निर्देश के अनुसार नई नीति लागू होने तक 6 महीने के लिए पुरानी व्यवस्था को बहाल किया जाए। इसके लिए दिल्ली राज्य औद्योगिक और बुनियादी ढांचा विकास निगम, दिल्ली पर्यटन और परिवहन विकास निगम, दिल्ली कंज्यूमर्स कोऑपरेटिव होलसेल स्टोर और दिल्ली स्टेट सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन लि. के प्रमुखों के साथ तुरंत तालमेल बनाना है। पुरानी नीति में चारों नगर निगम मिलकर दुकानें चलाते थे। साल में 21 दिन ड्राई डे थे। निगमों से शराब की बिक्री वापस लेकर पूर्णतः निजी हाथों में सौंप दी गई शराब पीने की उम्र 25 से घटाकर 21 वर्ष की गई दुकान को कम से कम 500 वर्ग मीटर, सीसीटीवी से लैस करने के निर्देश तीन दिन ही ड्राई डे यानी दुकानें साल में 3 दिन बंद करने की अनुमति थी पिंक बूथ खोलने की अनुमति दी गई थी ताकि महिलाएं शराब का सेवन कर सकें रेस्तरां व बार को शराब बिक्री केंद्र से ही शराब खरीदने की अनुमति थी शराब बिक्री केंद्र को एमआरपी पर छूट देने की अनुमति थी बार, क्लब और रेस्तरां को रात 3 बजे तक दुकान खोलने की छूट थी नई शराब नीति वापस लेने से फंसेगा पेच, कोर्ट का रुख कर सकते हैं वेंडर नई शराब नीति वापस लेने के आदेश के बाद, जहां शराब का सेवन करने वालों की परेशानी बढ़ेगी। वहीं, नई आबकारी नीति स्क्रैप हुई तो कई शराब डीलर अदालत का रुख कर सकते हैं। नई शराब नीति के तहत वेंडरों ने करोड़ों रुपये दुकान लेने और शराब स्टॉक करने में खर्च किए हैं। सरकार की सख्ती पर शटर डाउन हुए तो शराब की किल्लत भी होगी। इतना ही नहीं पुरानी नीति लागू हुई तो रेस्तरां, पब समेत अन्य विक्रेताओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। विभाग को महज एक दिन का समय : दिल्ली आबकारी विभाग को महज एक दिन ही समय दिया गया है। सूत्रों का कहना है कि आबकारी विभाग के पुराने वेंडर और पुरानी जगह, जहां शराब की बिक्री की जाती थी, के साथ ही किस विभाग के कितने कर्मचारी तैनात किए गए थे, उसका ब्योरा मांगा गया है। वर्तमान स्थिति में कितनी पूर्व में संचालित दुकानें और जहां दुकानें थी उनके खाली और भरे होने का ब्योरा साझा करें। पुरानी आबकारी नीति के तहत दिल्ली सरकार की चार संस्थाएं मिलकर शराब की बिक्री करती थी। इसके साथ ही कुछ निजी दुकानों को भी लाइसेंस शराब बिक्री के लिए दिया गया था। पुराने स्टाफ को मिलेगा रोजगार : एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी परिसंघ के अध्यक्ष बीरेंद्र कुमार जाटव का कहना है कि चारों निगम के कर्मचारी पुरानी व्यवस्था बहार करने को तैयार है। जिन्होंने दुकानें छोड़ी है उन्हें दुकान मिल जाएंगी। 1200 से अधिक कर्मचारी जो बेरोजगार हुए थे वे भी काम करने को तैयार है। जाटव ने बताया कि कुछ दुकानों से सहमति पत्र भी लिया गया है। दुकान वालों से संपर्क किया जा रहा है। नई आबकारी नीति वाली दुकानें बंद हो जाएंगी। सरकारी निगम पहले साढ़े चार सौ के करीब शराब की दुकानें चलाती थी। दिल्ली के चारों निगमों को पुरानी आबकारी नीति के लिए तैयार रहने को कहा गया है भाजपा ने साधा निशाना भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने ट्वीट कर कहा है कि कल तक पुरानी आबकारी नीति को लेकर घोटालों के आरोप लगाने वाले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नई नीति के अंतर्गत खुद करोड़ों रुपये कमाने के आरोपों में फंसे होने के चलते अब पुरानी व्यवस्था को ही सही मान रहे हैं।

अमेरिकी सांसदों की मांग, संयुक्त राष्ट्र में किसी भी सीट से तालिबान को करें बाहर

यूएन। चारों सीनेटरों ने गुटेरस से कहा कि यूएन के पास सार्थक कार्रवाई का मौका है जिसमें वह दुनिया को स्पष्ट संदेश देगा कि यदि तालिबान अफगान महिलाओं और लड़कियों के मानवाधिकारों को मिटाना चाहता है तो हम उसके साथ खड़े नहीं होंगे।

अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व में लगातार बढ़ती पाबंदियों और मानवाधिकारों की हनन पर अमेरिकी सीनेटरों ने संयुक्त राष्ट्र से कहा है कि तालिबान को यूएन की किसी भी सीट से बाहर किया जाए। चार अमेरिकी सीनेटरों रॉबर्ट मेनेंडेज, जेम्स ई. रिस्क, जीन शाहीन और जॉनी के. अर्न्स्ट ने इस बाबत संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरस को पत्र लिखकर अफगानिस्तान में मानवाधिकार हनने पर चिंता जताई। चारों सीनेटरों ने गुटेरस से कहा कि संयुक्त राष्ट्र को अफगानिस्तान में मानवाधिकार की रक्षा में सार्थक कार्रवाई करना चाहिए। खामा प्रेस के अनुसार, सीनेटरों ने कहा, हमारा आग्रह है कि तालिबान को यूएन में अफगानिस्तान के लिए राजनयिक प्रतिनिधित्व निर्धारित करने के लिए होने वाली क्रेडेंशियल्स समिति की इस सितंबर में होने जा रही बैठक में एक भी सीट न मिले। उन्होंने कहा, यूएन के पास सार्थक कार्रवाई का मौका है जिसमें वह दुनिया को स्पष्ट संदेश देगा कि यदि तालिबान अफगान महिलाओं और लड़कियों के मानवाधिकारों को मिटाना चाहता है तो हम उसके साथ खड़े नहीं होंगे। अफगानिस्तान में मानवाधिकारों का हनन बढ़ा मानवाधिकार निगरानी समह ने कई बार कहा है कि अफगानिस्तान में मानवाधिकारों का हनन बढ़ा है। तालिबान ने हर बार मानवाधिकारों के उल्लंघन के दावों को खारिज किया है और कहा है कि अफगानिस्तान में सत्ता में आने के बाद से ऐसा कोई काम नहीं हुआ जिसे मानवाधिकार हनन की श्रेणी में रखा जाए।

शादी के 13 दिन बाद दूल्हे राजा की हत्याः जीजा को बहुत समझाया

नई दिल्ली। लेकिन वह नहीं मानागुरुग्राम में शादी के 13 दिन बाद ही साले ने जीजा की हत्या कर दी। सेक्टर-15 पार्ट-2 में हुई हत्या का

पुलिस ने खुलासा कर दिया है। आरोपी साले ने बताया कि उसका जीजा बहन को परेशान करता था। गुरुग्राम में बीते 27 जुलाई को सेक्टर-15 पार्ट-2 में हुई युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने कीर्ति नगर से 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें मुख्य आरोपी मृतक का साला भी शामिल है, जिसने बहन की शादी के 13 दिन बाद ही अपने जीजा की हत्या कर दी। आरोपियों की पहचान सुरजीत उर्फ बिट्टू, रोहित उर्फ लाला व कर्ण के रूप में हुई है। आरोपी ने बताया कि शादी के बाद से ही उसका जीजा बहन को परेशान करता था। उसको समझाया भी था लेकिन वह नहीं माना, जिसके बाद उसकी हत्या कर दी। सेक्टर-15 पार्ट-2 इलाके में हरियाणा के पूर्व मंत्री राव धर्मपाल की कोठी है। इसी के बगल में प्लॉट संख्या 687 में मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ का मूल निवासी भूरा (34) रहता था और वह पिछले छह साल से खाली प्लॉट में केयरटेकर का काम करता था। 27 जुलाई दोपहर को भूरा का एक परिचित उससे मिलने के लिए उसके घर पहुंचा था, लेकिन अंदर से दरवाजा बंद था। काफी देर तक इंतजार के बाद भी जब भूरा ने दरवाजा नहीं खोला तो युवक दीवार फांदकर अंदर दाखिल हुआ तो उसके होश उड़ गए। अंदर पहुंचकर उसने देखा कि भूरा का शव लहूलुहान अवस्था में पड़ा हुआ था। इसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस पूछताछ में आरोपी सुरजीत व रोहित ने बताया कि वह ऑटोरिक्शा चालक हैं और आरोपी कर्ण ऑटो रिक्शा मालिक के पास साफ-सफाई का काम करता है। 14 जुलाई को ही भूरा के साथ आरोपी सुरजीत उर्फ बिट्टू के बहन की शादी हुई थी। समझाने के बाद भी वह नहीं माना तो सुरजीत ने अपने साथियों के साथ मिलकर जीजा की हत्या की साजिश रची। 26-27 जुलाई की रात ये तीनों भूरा के मकान में पहुंचे और उसके साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपियों ने कैंची से उसके सिर, गले, मुंह, छाती पर कई वार किए और फिर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस प्रवक्ता सुभाष बोकन ने बताया कि आरोपियों को अदालत के समक्ष पेश कर पूछताछ के लिए 2 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया है।

किरेन रिजिजू ने कहा- अदालतों में 4.83 करोड़ से अधिक मामले लंबित

नई दिल्ली। जजों की नियुक्ति में भी तेजीखेिहं ग्रग्रलः केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पिछले आठ माह में हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति के लिए 127 नए नामों की अनुशंसा की, जिनमें

से 61 को नियुक्ति दी गई है। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू (खेिहं ग्रग्रल) ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि देश में सुप्रीम कोर्ट से लेकर अधीनस्थ अदालतों में लंबित मामलों की संख्या पांच करोड़ तक पहुंचने वाली है। एक लिखित जवाब में उन्होंने कहा कि एक जुलाई तक सुप्रीम कोर्ट में 72,062 मामले जबकि 25 जुलाई को 25 हाईकोर्ट में 59,55,873 मामले लंबित थे। जिला और अधीनस्थ अदालतों में 4.23 करोड़ मामले लंबित हैं। इस तरह विभिनन्-अदालतों में अभी 4.83 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। कॉलेजियम ने भेजे 127 नाम 61 को नियुक्ति रिजिजू ने बताया, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पिछले आठ माह में हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति के लिए 127 नए नामों की अनुशंसा की, जिनमें से 61 को नियुक्ति दी गई है। 13 नाम ऐसे थे, जो कॉलेजियम ने एक से ज्यादा बार भेजे, जिनमें से आठ को न्यायाधीश नियुक्त कर दिया गया है। इस तरह से 140 सिफारिशों में से 69 को नियुक्त कर दिया गया है। एनजीटी में निस्तारण दर दर्ज शिकायतों से अधिक विधि मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की मुकदमा निस्तारण दर शिकायतों से अधिक है। रिजिजू के मुताबिके, एनजीटी ने देशभर में पर्यावरण, वन मंजूरी, हवा एवं जल प्रदूषण, तटीय विनियमन क्षेत्र और अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित कई महत्वपूर्ण निणन्य दिए हैं। रेलवे दावा न्याधिकरण (आरसीटी) के संबंध में उन्होंने बताया कि उसके समक्ष 30 जून को 24,133 मुकदमे लंबित थे। न्यायिक कार्यवाही में पारदर्शिता, दक्षता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने और किसी अप्रिय घटना को टालने के लिए आरसीटी की 20 में से 19 शाखाओं में ऑडियो रिकॉर्डिंग सुविधा वाले सीसीटीवी लगाए गए हैं। 2007 की पेट्रोकेमिकल विनिर्माण नीति विफल, बदलने पर विचार केंद्र सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि मौजूदा पेट्रोलियम, केमिकल और पेट्रोकेमिकल इन्वेस्टमेंट रीजन (पीसीपीआईआर) नीति-2007 विफल है और इसमें बदलाव के लिए हितधारकों से विचार-विमर्श जारी है। रसायन व उर्वरक राज्यमंत्री भगवंत खुबा ने शुक्रवार को लोकसभा में बताया कि मौजूदा नीति में प्रावधान नहीं होने से ऐसे प्रोजेक्टों को अनुदान नहीं दिया जा सकता। सरकार का लक्ष्य 2035 तक 20 लाख करोड़ के निवेश आकर्षित कर भारत को पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोकेमिकल प्रसंस्करण और विनिर्माण के लिए वैश्विक केंद्र बनाना है। गौरवमय अतीत और भारत का भविष्य संसद के संग्रहालय में शुक्रवार को देश का गौरवमय अतीत और भविष्य एक साथ नजर आया। संसद परिसर स्थित संग्रहालय देखने पहुंचे विद्याथियों ने लोकसभा के पहले स्पीकर जीवी मावलंकर, देश की पहली मंत्रिपरिषद के सदस्य श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमाओं के साथ बैठकर आजाद भारत की संसद के शुरुआती सत्र की कार्यवाही की गरिमा का अनुभव किया।

नेंसी पलोसी की ताइवान की यात्रा पर विवाद, चीन-अमेरिकी मतभेद निपटाने के तरीके पर होगा

ताइवान। पलोसी की यात्रा होती है तो वह 25 साल पहले न्यूट गिंगरिच के बाद ताइवान की यात्रा करने वाली अमेरिका की सवोच्च निर्वाचित अधिकारी होंगी। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस बात की संभावना कम है कि चीन सीधे सैन्य कार्रवाई पर उतर आएगा। अमेरिकी सदन की स्पीकर नेंसी पलोसी की संभावित ताइवान यात्रा

पर विवाद चल ही रहा है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि असल ध्यान इस बात पर दिया जाना चाहिए कि अमेरिका और चीन इस मुद्दे पर ऐसा क्या रुख अपनाएंगे कि मामला हाथ से ही न निकल जाए।नेंसी पलोसी की संभावित यात्रा की घोषणा के बाद से ही कयास लगाए जा रहे हैं कि चीन इसका जवाब देने के लिए क्या कूटनीतिक और सैन्य कदम उठा सकता है। जहां तक ताइवान का सवाल है तो यह यात्रा उसके लिए विवाद का नवीनतम मुद्दाभर होगी, जो दशकों से लोकतंत्र के मुद्दे पर तनाव झेल रहा है। ताइवान के केंद्रीय पुलिस विश्वविद्यालय के रक्षा अध्ययन विशेषज्ञ अर्थुर झिन शेन वांग का कहना है, बृहस्पतिवार को हुई अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइड और चीन के नेता शी जिनपिंग की वार्ता उदाहरण है कि दोनों देश किस तरह बातचीत के माध्यम से मतभेद सुलझा सकते हैं। यह वार्ता पलोसी की संभावित यात्रा पर बहस के बावजूद हुई है। इससे पता चलता है कि दोनों के बीच इस मुद्दे पर न्यूनतम आपसी समझ है। दोनों महाशक्तियों के बीच टकराव के दौरान ताइवान ने भी कुछ न कहकर संतुलन बनाए रखा है। वाशिंगटन डीसी स्थित ताइवान के प्रतिनिधि कार्यालय की राजनीतिक शाखा के पूर्व निदेशक विंसेंट चाओ का कहना है, द्वीपीय देश की राष्ट्रपति साई इंग-वेन लोकतंत्र की अखंडता बनाए रखते हुए अनावश्यक विवाद टालने की हर संभव कोशिश करती रही हैं। पलोसी की यात्रा होती है तो वह 25 साल पहले न्यूट गिंगरिच के बाद ताइवान की यात्रा करने वाली अमेरिका की सवोच्च निर्वाचित अधिकारी होंगी। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस बात की संभावना कम है कि चीन सीधे सैन्य कार्रवाई पर उतर आएगा। इसके राजनीतिक पहलू को देखना जरूरी है।

रूस का दावा- यूक्रेनी गोलाबारी में मारे गए 53 युद्धबंदी

नई दिल्ली। यूक्रेनी सेना ने 36 रूसी आक्रमणकारियों का खात्मा कर दक्षिण में दुश्मन बलों और उपकरणों के गढ़ों-समूहों पर हमले किए। ऑपरेशनल कमांड दक्षिण ने कहा दुश्मन के कब्जे वाली रक्षा लाइनों पर हमले जारी रहेंगे। पूर्वी यूक्रेन में रूस के समर्थन वाले अलगाववादियों ने दावा किया है कि मैरियूपोल पर कब्जे की जंग के दौरान बंधक बनाए

गए कम से कम 53 यूक्रेनी युद्धबंदी यूक्रेन की गोलाबारी में मारे गए हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल इगोर कोनाशेंकोव ने भी कहा कि यूक्रेन की ओर से रूसी नियत्रंण वाले दोनेस्क क्षेत्र में ओलेनिवका कस्बे की एक जेल पर रॉकेट दागे गए, जिसमें 75 यूक्रेनी युद्धबंदी घायल हुए। इससे क्षेत्र में तनाव है। इससे पहले दोनेस्क क्षेत्र में रूस समर्थित अलगाववादियों के प्रवक्ता दानिल बेजसोनोव ने जेल पर हुए रॉकेट हमले में 40 यूक्रेनी युद्धबंदियों के मारे जाने की जानकारी दी थी। इन दावों के संबंध में यूक्रेनी अधिकारियों) की तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। कोनाशेंकोव का दावा है कि यूक्रेनी सैनिकों को आत्मसमर्पण करने से हतोत्साहित करने के लिए ये हमला किया गया। उन्होंने कहा कि जेल पर हुए हमले में आठ सुरक्षाकर्मी भी घायल हुए हैं। वहीं, दोनेस्क क्षेत्र में यूक्रेनी प्रशासन ने कहा कि रूसी सेना यूक्रेन के नियंत्रण वाले इलाकों में आम जनता को निशाना बना रही है। आम नागरिकों से क्षेत्र छोड़ने की अपील युद्ध तेज होने का हवाला देकर दोनेस्क के गवर्नर पाव्लो किरिलेंकों ने आम लोगों को जल्द से जल्द क्षेत्र से हटने का अनुरोध किया है। उन्होने कहा, रूसी बलों को आम लोगों के मारे जाने से कोई फर्क नहीं पड़ता। वे क्षेत्र के शहरों और गांवों को निशाना बना रहे हैं। इसलिए आम लोग इस क्षेत्र से चले जाएं। मई में किया था आत्मसमर्पण यूक्रेन में मैरियूपोल के अजोव सागर बंदरगाह पर कब्जे के लिए हुए भीषण संघर्ष के बाद यूक्रेनी सैनिक बंदी बना लिए गए थे। वे कई महीने तक विशाल अजोवस्तल इस्पात कारखाने की सुरंगों में छिपे हुए थे। उन्होंने रूस के तेज हमलों के बीच मई में आत्मसमर्पण कर दिया था। इसके बाद बड़ी संख्या में उन्हें रूस नियंत्रित इलाकों की जेलों में ले जाया गया। यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने 36 आक्रमणकारियों को मारा, दक्षिण में शत्रु पर 7 हवाई हमले यूक्रेनी सेना ने 36 रूसी आक्रमणकारियों को खत्म करने के साथ ही दक्षिण में दुश्मन बलों और उपकरणों के गढ़ों व समूहों पर 7 हमले किए। ऑपरेशनल कमांड दक्षिण ने कहा, दुश्मन के कब्जे वाली रक्षा लाइनों पर ये हमले जारी रहेंगे। रूस के पास अब नए हमले समूह बनाने का कोई अवसर नहीं है। हवाई हमले रात के वक्त किए गए। इस बीच रूस की तरफ से भी हवाई हमले हुए। उसने दो मिसाइल हमले भी किए।

अजय भट्ट बोले- देश में ही पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेटों के इंजन बनाने की कवायद

नई दिल्ली। रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट ने कहा कि 80केएन क्षमता के लड़ाकू विमान के इंजन के डिजाइन, विकास और विनिर्माण के लिए स्वदेशी क्षमता डीआरडीओ और भारतीय उद्योगों के पास है। रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट ने लोकसभा में शुक्रवार को कहा, सरकार पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के इंजनों के उत्पादन के लिए विदेशी रक्षा उत्पादन कंपनी के सहयोग की संभावना तलाश रही

है। भारत पांचवीं पीढ़ी के मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) विकसित करने की पांच अरब डॉलर की परियोजना पर काम कर रहा है। भट्ट ने कहा कि 80केएन क्षमता के लड़ाकू विमान के इंजन के डिजाइन, विकास और विनिर्माण के लिए स्वदेशी क्षमता डीआरडीओ और भारतीय उद्योगों के पास है। एएमसीए के इंजनों के विकास तथा सह-उत्पादन के लिए विदेशी इंजन विनिर्माता कंपनी से सहयोग की संभावना तलाशी जा रही है। पिछले साल फरवरी में वायुसेना के लिए 83 एलसीए तेजस लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 48000 करोड़ रुपये का करार किया गया था। विदेश मंत्रालय के जरिये ही राज्यों से संपर्क कर सकते हैं विदेशी दूतावास केरल के सोना तस्करी मामले पर राजनीतिक घमासान के बीच केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार ने राज्य के अधिकारियों का सामान भेजने के लिए यूएई के राजनयिकों की मदद के मामले में उसकी मदद नहीं मांगी थी। लोकसभा में विदेश राज्यमंत्री राजकुमार रंजन सिंह ने कहा, मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार विदेशी मिशनों को राज्य सरकार के साथ कोई भी कामकाज विदेश मंत्रालय के जरिये करना होता है। उन्होंने कहा, बिना विदेश मंत्रालय की मंजूरी के राज्य सरकारें विदेशी राजनयिकों, राजदूतों के कार्यक्रम या मुलाकातें आयोजित नहीं कर सकतीं। आरएसपी नेता एनके प्रेमचंद्रन के सवाल के जवाब में उन्होंने बताया, केरल सरकार ने सामान भेजने के लिए यूएई के राजनयिकों की मदद मांगने में केंद्र की मंजूरी नहीं ली थी। एक लाख से ज्यादा लोग करतारपुर कॉरिडोर से दरबार साहिब पहुंचे नवंबर 2019 में करतारपुर कॉरिडोर शुरू किए जाने से अब तक 1,10,670 लोग दरबार साहिब गुरद्वारे के दर्शन को पाकिस्तान गए हैं। विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन ने लोकसभा में बताया कि इन में भारतीयों के साथ प्रवासी भारतीय भी शामिल हैं। भारत के डेरा बाबा नानक साहिब को पाकिस्तान के करतारपुर से जोड़ने वाला यह गलियारा जनता की मांग पर खोला गया। करतारपुर गुरुद्वारा पाकिस्तान के नरोवाल जिले में रावी नदी के पार डेरा बाबा नानक गुरद्वारे से चार किमी दूर स्थित है। यहां गुरु नानक देव ने जीवन के अंतिम 18 वर्ष बिताए थे। कॉरिडोर से बिना पासपोर्ट के दरबार साहिब की यात्रा की मांग की जा रही है।

जमीन संबंधी विवाद में चली गोली, एक घायल

मिर्जापुर। चुनार कोतवाली क्षेत्र के प्रेमापुर गांव में जमीन संबंधी विवाद में शनिवार को सुबह दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर एक पक्ष की ओर से लाइसेंसी बंदूक से फायरिंग कर दी गई। जिसमें ट्रैक्टर चालक को गोली छूकर निकल गई। घायल ट्रैक्टर चालक को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। सूचना पर कछवां और चुनार थाने की पुलिस चालक अशोक सिंह के सिर को छूकर निकल गई। गोली चलने पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर कछवां और चुनार थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायल अशोक को आनन-फानन में उपचार के लिए चुनार के अस्पताल ले जाया गया। सूचना पर सीओ चुनार रामानंद राय भी मौके पर पहुंच गए। अजीत सिंह की तहरीर पर चुनार पुलिस ने संजय सिंह,

भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। चुनार कोतवाली क्षेत्र के कुशहा गांव निवासी गुड्डू सिंह ने अपने कार चालक अजीत सिंह को प्रेमापुर गांव की जमीन रजिस्ट्री की थी। जमीन विवादित थी। उस पर कुछ लोग काबिज थे। वाराणसी जिले के राजातालाब थाना क्षेत्र के जमुनी गांव निवासी अजीत सिंह शनिवार को सुबह अपने ट्रैक्टर चालक अशोक सिंह (45) व अन्य लोगों के साथ जमीन की जोताई करा रहे थे। इस दौरान विपक्षी मौके पर पहुंच गए। विपक्ष के लोगों ने उन्हें खेत की जोताई करने से मना किया। इस पर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर एक पक्ष के एक व्यक्ति ने अपने लाइसेंसी बंदूक से फायरिंग कर दी। बंदूक से निकली गोली ट्रैक्टर अजय सिंह, सौरभ उर्फ चिंटू व सुरेश सिंह के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया है। सीओ चुनार रामानंद राय का कहना है कि जमीन संबंधी विवाद में एक पक्ष ने लाइसेंसी बंदूक से फायर किया है। दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति को गोली छूकर निकली है। उसकी हालत ठीक है। तहरीर के आधार पर चार लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा का कहना है कि शस्त्र बरामद कर लिया गया है। इसके अलावा इस मामले में आरोपी सभी चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में दूसरे पक्ष की तरफ की तरफ से भी मुकदमा दर्ज कराया गया है। उन्होंने बताया कि बरामद शस्त्र का लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

पेयजल परियोजनाओं से बीएसएनल को करोड़ों की क्षति

सोनभद्र। करीब तीन हजार करोड़ की लागत वाली केंद्र सरकार की ड्रीम प्रोजेक्ट हर घर जल योजना के तहत जिले में 14 परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इन परियोजनाओं को मार्च 2023 तक पूरा करने के लिए प्रशासनिक अधिकारी पूरी तन्मयता से जुटे हुए हैं। इन परियोजनाओं से सर्वाधिक नुकसान बीएसएनएल को हुआ है। अब तक बीएसएनएल को दो करोड़ से अधिक की क्षति हो चुकी है। वहीं केबल कटने से कई इलाकों में संचार व्यवस्था भी ठप हो गई है जिले में इस समय तेंदूआही, नगवां, बेलाही, केवधा, कदरा, पनारी, पटवध, झीलो, अमवार, नेवारी, हर्रा ग्राम समूह पेयजल योजना सहित 14 पेयजल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इन परियोजनाओं की पाइप लाइप बिछाने के लिए खुदाई सहित अन्य कार्यों में बड़ी मशीनों का प्रयोग किया जा रहा है। पाइप लाइन बिछाने के लिए हो रही खुदाई के दौरान बीएसएनएल के पहले से बिछाए आप्टिकल फाइबर केबल कट गए हैं। इससे ग्रामीण इलाकों में जहां संचार सेवा बाधित हो रही है, वहीं केबल कटने से करोड़ों रुपये की क्षति भी बीएसएनएल को हुई है। बीएसएनएल के अधिकारियों की मानें तो परियोजनाओं की वजह से चतरा ब्लॉक के अधिकांश गांवों में भारत नेट केबल क्षतिग्रस्त हो गया है। इस वजह से गांवों में वैकल्पिक व्यवस्था कर संचार सेवा बहाल कराया जा रहा है। अब तक बीएसएनएल को दो करोड़ से अधिक की क्षति हुई है पेयजल परियोजनाओं की वजह से बीएसएनएल को दो करोड़ से अधिक की क्षति हुई है। धंधरौल बांध पर बन रही पेयजल परियोजना से अकेले 42 लाख की क्षति हुई है। इस संबंध में डीएम एवं एडीएम नमामि गंगे को पत्र प्रेषित किया गया है। - धर्मेंद्र कुमार सिंह, एसडीओ, बीएसएनएल राबर्ट्सगंज।

युवक की मौत पर बवाल के बाद जागा एनसीएल प्रबंधन

अनपरा। एनसीएल की दुद्धीचुआ खदान क्षेत्र से कोयला लादकर जा रहे ट्रेलर की चपेट में आने से युवक की मौत के बाद शुक्रवार को हुए बवाल ने एनसीएल प्रबंधन की आंखें खोल दी है। सड़क किनारे खड़े हो रहे कोयला लदे वाहनों की पार्किंग के लिए शनिवार को आनन-फानन जगह चिह्नित करते हुए उसे दुरुस्त कराने का कार्य शुरू कर दिया गया। सड़क पर खड़े होने वाले वाहनों की सुरक्षित पार्किंग के लिए लोग लंबे समय से मांग करते आ रहे हैं। कई बार ज्ञापन, धरना-प्रदर्शन भी किया गया। बावजूद जिम्मेदारों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। बुधवार को ट्रेलर की चपेट में आने से जख्मी हुए युवक की मौत के बाद शुक्रवार को लोग सड़क पर उतर आए। करीब 12 घंटे तक जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। अफसरों को भी भीड़ का कोपभाजन बनना पड़ा। इसके बाद एनसीएल के अफसर हरकत में आए हैं। जगह-जगह क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत के साथ ही सड़क से ट्रेलर और ट्रकों को हटा कर परियोजना क्षेत्र के अंतर्गत पार्किंग का निर्माण करा लिया गया। शनिवार की सुबह नौ बजे से ही मशीनरी से काफी लंबे दायरे में पार्किंग की भी व्यवस्था हो गई। वहीं शुक्रवार को एनसीएल प्रबंधन ने कोयला वाहनों को खदान के अंदर-अंदर ही चलाने के लिए लोगों से एक माह की मोहलत भी मांगी है। इसके साथ ही वैकल्पिक मार्ग तैयार न होने तक केवल रात 10 से सुबह छह बजे तक ही कोयला ढुलाई कराने की बात कही है। मृत युवक को मुआवजे की रकम देने के साथ ही परिवार के एक व्यक्ति को आउटसोर्सिंग में नौकरी मुहैया कराने की भी बात कही ह

क्या अब जागेंगे बीना और खडि़या

के अधिकारा शुक्रवार को हंगामा देखने के बाद शनिवार को एनसीएल दुद्धीचुआ प्रबंधन की तो आंखें खुल गई, लेकिन ऐसी ही स्थिति खडि़या और बीना खदान क्षेत्रों के आस-पास की भी है। नवनिर्मित फोरलेन पर रोजाना सैकड़ों की संख्या में खड़ी ट्रकें और ट्रेलर से आए दिन जाम की समस्या बनी रहती है। लोगों ने दुर्घटना की आशंका जताते हुए अधिकारियों को कई बार ज्ञापन सौंपा लेकिन कोई हल नहीं निकल सका। अब हर ओर यही सवाल लोगों से सुनने मिल रहा है कि क्या अंबेडकर नगर में हुए हंगामे के बाद खडि़या और बीना में भी जाम से लोगों को निजात मिल सकेगी। वार्ता में शामिल रहे विधायक और एसडीएम युवक की मौत के बाद अंबेडकर नगर में हुए हंगामे के बाद एनसीएल के खडि़या स्थित महाप्रबंधक कार्यालय में देर रात तक बैठक चली। बैठक में दुद्धी विधायक रामदुलार गोंड और एसडीएम शैलेंद्र मिश्रा भी मौजूद रहे। देर रात तक चली वार्ता में ट्रकों और ट्रेलरों के मार्ग का निरीक्षण कर मार्ग बनाए जाने का निणत्र्य लिया गया। वहीं लोगों की मांग से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

पुलिया से नहर में गिरने से डूब कर दूधिया की मौत

मिर्जापुर। अदलहाट थाना क्षेत्र के सिकिया नहर में शनिवार को सुबह पुलिया से गिरकर एक व्यक्ति नहर में बह गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस उसकी तलाश में जुट गई। नहर बंद कराकर खोजबीन की गई तो दो किमी आगे उसका शव बरामद हुआ। थाना क्षेत्र के सिकिया निवासी नारायण यादव (50) पुत्र लालता यादव दूध बेचते थे। वे दूध बेचकर घर वापस आते समय पुल पर बैठ कर आराम कर रहे थे। थोड़ी देर बाद घर जाने की इच्छा हुई तो उन्होंने उठ कर एक पैर का जूता पहना। दूसरे पैर का जूता पहन रहे थे, उसी दौरान जूता हाथ से छूट गया। इस दौरान संतुलन बिगड़ने से वे नहर में गिर गए। गहरे पानी में जाने से वे बह गए। शोर सुनकर आसपास के लोग जब तक लोग पहुंचे, वे आगे बह गए थे। परिवार के लोगों ने मौके पर पहुंच कर खोजबीन शुरू की तो एक पैर का जूता पुल पर मिला। परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर नहर को बंद कराया। इसके बाद खोजबीन के लिए ग्रामीण व गोताखोर जुट गए। काफी प्रयास के बाद घटनास्थल से लगभग दो किलोमीटर दूर ग्राम जोगवां के सामने नहर में शव बरामद हुआ। नारायण यादव दूध का कारोबार करते थे। नरायनपुर पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष विजय चौरसिया ने बताया कि पुलिया से नहर में गिरने से डूबकर एक व्यक्ति की मौत हुई है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

मनोरमा चुनी गई तीज क्वीन

दुद्धी। इनरव्हील क्लब दुद्धी ने शनिवार को कस्बा में स्थित इच्छिता कैंपस परिसर में बड़े उत्साह के साथ हरियाली तीज मनाया। क्लब की महिलाओं ने दिलचस्प खेल और कि यह त्योहार खासकर महिलाओं से जुड़ा है। सावन में जब चारों तरफ हरियाली रहती है, तो महिलाएं इसका आनंद लेने के लिए झूला झूलती हैं। हरियाली तीज का यह उत्सव हमारे

विभिनन्न नृत्य प्रदर्शनों के साथ हरियाली तीज का आनंद उठाया। मनोरमा जायसवाल को तीज क्वीन चुना गया क्लब की अध्यक्ष तारा जायसवाल ने सभी का स्वागत किया। हरे रंग के परिधान में पहुंचीं महिलाओं ने सबसे पहले गीतों की धुन पर नृत्य कर खूब मनोरंजन किया। महिलाओं ने झूला झूल कर सावन के महीनों का लुत्फ उठाया। क्लब की अध्यक्ष तारा जायसवाल सचिव मनोरमा जायसवाल ने कहा संस्कारों और हमारी सभ्यता को दर्शाता है। यह उत्सव परिवारों को जोड़ने का काम करता है। यह हमारे देश का सौभाग्य है कि हमारे देश में ऐसी महिलाएं बसती हैं, जो घर-गृहस्थी से बंधी होने के बावजूद भी उत्सवों में प्रतिभाग करती हैं। इस अवसर पर राखी जायसवाल, अनीता वर्मा, कुसुम गुप्ता, रेणू कनौजिया, अनुपमा, लीना, लक्ष्मी मींच, स्वाति, चिंता, लता, प्रीति, कृष्णा, नेहा आदि उपस्थित रहीं।

पीडित परिवार से मिले राज्यमंत्री, दिया मदद का भरोसा

चोपन। डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के बाड़ी स्थित एक पेट्रोल पंप की बाउंड्रीवाल गिरने से मृत वृद्धा का शनिवार को अंतिम संस्कार हुआ। पोस्टमार्टम के बाद शव पहुंचने पर परिजनों ने उसे रोक लिया था। मौके पर पथराव कर तोड़-फोड किया। पथराव होते ही पेट्रोल पंप कर्मचारी अपनी जान बचाकर भाग गए। गुस्साए बस्ती के लोगों ने पेट्रोल टंकी पर खड़ी कई वाहनों का शीशा तोड़ दिया। एक वाहन में आग लगा दी। कई थानों की

पर पहुंचे राज्य मंत्री संजीव सिंह गोंड ने परिजनों से वार्ता की। आर्थिक मदद और कार्रवाई का भरोसा दिलाया। उधर, पुलिस ने पेट्रोल पंप के मैनेजर व कर्मचारी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है शुक्रवार की दोपहर बाउंड्री गिरने से फूलमति देवी और पति छोटेलाल मलबे में दब गए थे। फूलमति की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं छोटेलाल को चोपन सीएचसी में भर्ती कराया गया था। घटना से गुस्साए लोगों ने पेट्रोल पंप फोर्स ने मौके पर मामले को संभाला। शनिवार को राज्य मंत्री संजीव कुमार गोंड ने बस्ती में पहुंचकर मृतका के परिवार के लोगों को शासन स्तर से उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। चोपन थाना प्रभारी किरण कुमार सिंह ने बताया की बृद्धा की मौत के मामले में मृतका फूलमती के पुत्र मनीष कोल की तहरीर पर मुनन्र देवी इंडेन आयल पेट्रोल टंकी के कर्मचारी व मैनेजर नाम पता अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत करके जांच की जा रही है।

दो माह तक मामले को दबाते रहे लोग

अनपरा। पीडिता ने हिम्मत दिखाई तो शुरू हुई कार्रवाइ घोरावल। भरी पंचायत में निराश्रित महिला के साथ अमानवीयता के बाद भी घटना को छिपाने की पूरी कोशिश हुई। पीडिता को न्याय दिलाने की बजाय लोक-लाज का भय दिखाकर उसे शांत कराया जाता रहा। जबरन महिला से सुलह भी करा दिया गया था। बावजूद अंधविश्वास में जकड़े लोग उसे धमकी भी देते रहे कि अगर उसने फिर से कोई हरकत की तो उसका अंजाम इससे भी बुरा होगा। बार-बार मिल रही धमकियों से आजिज महिला का सब्र टूटा तो हिम्मत दिखाते हुए कोतवाली पहुंच गई। आदिवासी बहुल इलाकों में जादू-टोने को लेकर लोगों में अंधविश्वास आज भी कायम है। किसी तरह की बीमारी या असामान्य स्थितियों पर समुचित उपचार की बजाय लोग पहले झाड़-फूंक को तरजीत देते हैं। लोगों में जागरूकता की कमी का लाभ ओझा-सोखा भी भरपूर उठा रहे हैं। निराश्रित महिला के साथ हुई घटना में भी ऐसा ही हुआ। पड़ोसी हरी के परिवार में बेटे-बहू की असामान्य स्थिति के लिए उन पर जादू-टोना करने का शक जताते हुए महिला को पकड़ लिया गया।

धर्म छिपाकर शादी करने वाली महिला प्रेमी साथ गिरफ्तार

मिर्जापुर। पुत्र का धर्म परिवर्तन कराने का आरोपमिर्जापुर पुलिस ने शनिवार को धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में चार लोगों पर मुकदमा दर्ज कर महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया मिर्जापुर जिले के लखनपुर गांव निवासी एक महिला ने पहले तो धर्म छिपाकर हरियाणा निवासी हिंदू युवक से शादी कर ली। इसके बाद मायके आकर पुत्र का खतना कर धर्म परिवर्तन करा दिया। फिर एक मुस्लिम युवक के साथ पुणे चली गई। पति को जानकारी मिली तो हरियाणा से आकर उसने चील्ह थाने में तहरीर दी। इसके बाद पुलिस ने शनिवार को धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में चार लोगों पर मुकदमा दर्ज कर महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। लखनपुर गांव की बेबी 15 वर्ष पूर्व हरियाणा के पानीपत नांगलखेड़ी में अपनी बहन के यहां रहकर काम करती थी। वहां उसने अरुण सिंह से शादी कर ली। बेबी ने खुद को हिंदू बताकर मंदिर में शादी की थी। दोनों को तीन बच्चे गोलू (11) काजल (9) व सोना(7) हुए। सभी हरियाणा में साथ रहते थे। दो वर्ष पूर्व कोरोना काल में बेबी अपने पिता को देखने के लिए पति और बच्चों के साथ लखनपुर आई। यहां अरुण को पता चला कि बेबी मुस्लिम धर्म की है।इसके बाद भी वह पतने व बच्चों को ले जाना

चाहता था पर बेबी बच्चों के साथ लखनपुर में ही रहने लगी। अरुण बच्चों से मिलने के लिए आता-जाता रहा। आरोप है कि इस बीच, बेबी गांव के शरीफ नामक युवक के साथ बच्चों को लेकर रहने लगी। चार माह पहले जब अरुण आया तो पता चला कि उसकी पतनी ने उसके पुत्र गोलू का कंतित में खतना करा दिया है। उसके बाद बेबी शरीफ के साथ बच्चों को लेकर पुणे चली गई। अरुण ने बताया कि हरियाणा में उसने एक जज को यह बात बताई। तब जब ने कहा कि पतने के गांव आने पर सूचना दें। मदद की जाएगी। इसके बाद बेबी जब गांव आई तो उसने थाने में तहरीर दी। इस पर पुलिस ने उसकी पतनी बेबी, शरीफ, बेबी के जीजा फुलून और परिजन आफताब के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। थानाध्यक्ष अजीत श्रीवास्तव ने बेबी और उसके प्रेमी शरीफ को गिरफ्तार कर लिया। फरार फुलून व आफताब कंतित के रहने वाले हैं, जिनके यहां खतना कराया गया था। सीओ सदर शैलेंद्र त्रिपाठी का कहना है कि धर्म छिपाकर बेबी ने हरियाणा के अरुण से शादी की थी। दो वर्ष पहले अरुण को पता चला कि वह मुस्लिम है। इस बीच बेबी किसी और के साथ रहते हुए पुत्र गोलू का खतना कराकर धर्म परिवर्तन करा दिया। अरुण की तहरीर पर बेबी समेत चार पर धर्म परिवर्तन का मुकदमा दर्ज किया गया है।अरुण पतने और बच्चों को चील्ह के लखनपुर में छोड़कर गया था। जब उसे पता चला कि उसकी पतनी ने उसके पुत्र का खतना करा दिया है तो वह हरियाणा से ऑटो लेकर मिर्जापुर चला आया। पिछले चार माह से वह कार्रवाई के लिए परेशान था। शनिवार को उसका मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई।

कमेटी ने आश्रम जाकर स्वामी अड़गड़ानंद से की बात, कई लोगों का सत्यापन

मिर्जापुर। जांच करने गई टीम ने आश्रम की व्यवस्था के बारे में भी पड़ताल की। इस दौरान टीम को कई जानकारी मिली। इसमें यह पता चला कि आश्रम में तीन प्रकार के सदस्य रहते हैं। इसमें सेवादार, भगत और महात्मा शामिल हैं। स्वामी अड़गड़ानंद महाराज के सक्तेशगढ़ स्थित आश्रम में पिछले दिनों गोली चलने से एक बाबा की मौत और दूसरे बाबा के घायल होने के मामले में प्रशासन की तरफ से गठित जांच कमेटी ने शनिवार को आश्रम पहुंच कर जांच पड़ताल की। कमेटी के लोगों ने वहां स्वामी अड़गड़ानंद के साथ ही अन्य साधुओं से भी बात की। टीम रविवार को भी आश्रम जाकर पड़ताल करेगी। जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट डीएम को सौंपेगी। जांच समिति ने स्वामी जी से आश्रम आने वाले लोगों का सत्यापन किए जाने की बात कही। स्वामी अड़गड़ानंद के आश्रम में बृहस्पतिवार की सुबह गोली चलने की घटना हुई थी। आश्रम से निष्कासित जीवन बाबा दो तमंचे के साथ आश्रम पहुंचा था। वहां जीवन बाबा ने आशीष बाबा की कमर में गोली मारने के बाद खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने जांच टीम का गठन किया था। इसके अलावा आश्रम में आने वाले लोगों के वेरिफिकेशन और घटना की जांच के लिए डीएम प्रवीण

कुमार लक्षकार की तरफ से भी एडीएम शिव प्रताप शुक्ला के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। इस बीच शनिवार को दोपहर में एडीएम और एएसपी सिटी संजय कुमार वर्मा के साथ सीओ चुनार रामानंद राय, तहसीलदार नुपुर सिंह, सीओ ट्रैफिक अरुण सिंह, सीओ प्रशिक्षणाधीन परमानंद, चुनार कोतवाल त्रिवेणी सेन और विंध्याचल कोतवाल विनीत राय आश्रम पहुंचे। टीम ने आश्रम में जांच पड़ताल की। एडीएम और एएसपी सिटी ने स्वामी अड़गड़ानंद महाराज से बात की। उन्होंने कहा कि अपराधी को आश्रम में शरण नहीं दी जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि जो भी अपराधी हो, उसके खिलाफ कार्रवाई करें। टीम ने स्वामी जी से आश्रम में आने वाले लोगों का सत्यापन किए जाने की बात कही। अधिकारियों का कहना था कि कौन बाबा कहां से आ रहा है, उसके सत्यापन की व्यवस्था होनी चाहिए। इस कार्य में अधिकारियों ने स्वामी अड़गड़ानंद महाराज से सहयोग मांगा। अधिकारियों ने उनसे जो नए व्यक्ति आश्रम में आए हैं, उनका नाम व पता आदि की जानकारी भी मांगी। ताकि उनका सत्यापन हो सके। स्वामी अड़गड़ानंद से बात करने के बाद टीम ने 30-40 अन्य बाबाओं से पूछताछ कर जानकारी ली। ताकि उनका सत्यापन किया जा सके। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि एडीएम और एएसपी की कमेटी जांच के लिए गठित की गई है। टीम हर बिंदु पर जांच करने के लिए शनिवार को आश्रम गई थी। कमेटी वहां के लोगों से सामंजस्य बनाकर कुछ दिन जांच करेगी। कमेटी जांच कर रिपोर्ट देगी। उसके बाद जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

सड़क पर गिरकर मृत व्यक्ति की हुई शिनाख्त

मिर्जापुर। अदलहाट थाना क्षेत्र के नरायनपुर स्टेशन मार्ग पर बुधवार को सड़क पर चलते समय गिरकर एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। जिसकी शुक्रवार की शाम शिनाख्त हो गई। पिछले दिनों अदलहाट थाना क्षेत्र के रेलवे स्टेशन मार्ग नरायनपुर बाजार में पैदल जा रहा एक व्यक्ति अचानक सड़क पर गिरकर अचेत हो गया था। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया था। पुलिस उसकी शिनाख्त में जुटी थी। शुक्रवार को तीन दिन पूरे होने वाला था। इस बीच लापता होने से परेशान परिजनों को सोशल मीडिया से सूचना मिली। बाद में उसकी शिनाख्त फोटो के आधार पर बबलू राजभर (38) निवासी खोचवा थाना भेलूपुर वाराणसी के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि बबलू पैदल ही अहरौरा के मां भंडारी देवी मंदिर दर्शन करने निकले थे। वहां से पैदल लौटते समय रास्ते में गिर गए। बबलू तीन भाइयों में सबसे छोटे थे।

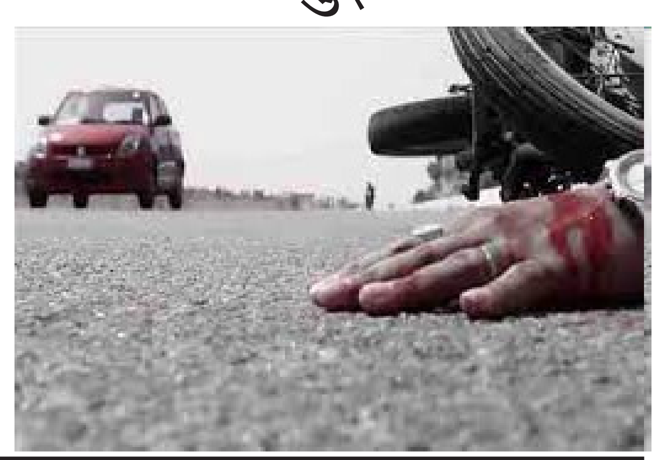

राशीफल

मेष-: संघर्ष के लंबे अंतराल के बाद सकारात्मक परिवर्तन व योजनाएं फलीभूत होंगी। रचनात्मकता से पेशेवर जीवन में सफलता मिलेगी। निजी संबंधों में प्रेम रहेगा।

वृष-: अतीत के घाव ताजा हो सकते हैं, उनका उपचार आवश्यक है। संबंधों में प्रेम व फिक्र के भावों को महसूस करेंगे। अहं का टकराव, कार्यस्थल पर संघर्ष व संबंधों में उपजी कठिनाइयों का अंत होगा।

मिथुन-: निजी संबंधों में प्रेम रहेगा। परिवार संग सळखद समय बिताएंगे। रचनात्मक व सकारात्मक दृष्टिकोण व्यावसायिक कार्यों में सफलता दिलाएगा। सहकमिन्यों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कर्क-: अतीत या भविष्य की योजनाओं में उलझने के बजाय वर्तमान क्षणों को पूर्णता के साथ जिएं, अन्यथा अहम अवसर या गहन अनळभव से वंचित हो सकते हैं। पूर्वाग्रह व दीर्घकालिक लक्ष्यों का मोह त्यागकर आध्य

सिंह-: प्रत्येक चीज प्रचळता में उपलब्ध होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। भावनात्मक संतळिष्ट व भौतिक समृद्धि मिलेगी। रिश्तों में प्रेम व सहयोग का अनळभव करेंगे। व्यक्तित्व की पूर्णता का एहसास जाग्र

कन्या-: कार्यविशेष को कळशलता से पूर्ण करते हळए प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। कलात्मक गतिविधियों में रुचि लेंगे। सळखद समाचार की प्राप्ति या अतिथियों का आगमन हो सकता है।

तुला-: उलझनों का निवारण होगा। कळछ अध्यायों के अंत व नई शळरुआतों का समय है। अभी तक जो बातें मन-मस्तिष्क पर हावी थीं, उनसे मळक्ति मिलेगी व नए विचारों को स्थान देंगे।

वृश्चिक-: किसी विशेष दिशा में कदम बढ़ाना चाहेंगे, किंतळ नियमों, परंपराओं व रूढ़ियों से बंधा हळआ महसूस करेंगे। उनसे सीधे टकराने के बजाय बचकर निकलने का प्रयास करें।

धनु-: निजी व व्यावसायिक मामलों में महत्वपूर्ण सकारात्मक परिवर्तन हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रतिबद्धता प्रकट होगी व विवाह का संयोग बनेगा। प्रेम व निज स्वातंत्र्य से व्यक्तित्व की पूर्णता

मकर-: विभिन्न मंचों पर प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। व्यावसायिक जीवन में सफलता मिलेगी व निजी संबंधों में मधुरता रहेगी। किसी आत्मीय संग भावनाएं साझा करेंगे। किसी बीमारी से उबरेंगे।

कुंभ-: निजी संबंधों में प्रेम रहेगा। कार्यस्थल पर कळशलता व रचनात्मकता का परिचय देंगे। जटिल मामलों व संबंधों को हल करने में आप सक्षम हैं, किंतळ निर्णय लेना कठिन प्रतीत होगा।

मीन-: साहस के साथ चळौतियों को स्वीकार करें। अपनी समस्याओं के लिए दूसरों को जिम्मेदार ठहराने अथवा परिस्थितियों को दोष देना सरल है, किंतळ सूझबूझ से उनका सामना करने पर ही जीवन में तरक्की का मार

श्रेयस ने बाउंड्री लाइन पर किया कमाल, अर्शदीप की यॉर्कर ने दिलाई बुमराह की याद

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज का पहला मुकाबला टीम इंडिया ने 68 रन से जीत लिया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने पांच मैचों की सीरीज में 0-1 की बढ़त बना ली है। मैच में कप्तान रोहित

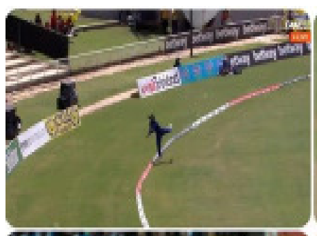

शर्मा ने 64 रन की बेहतरीन पारी खेली। इसके बाद दिनेश कार्तिक ने ताबड़तोड़ 41 रन बनाकर भारत का स्कोर 190 तक पहुंचाया। दूसरी पारी में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और वेस्टइंडीज को 122 रन पर रोक दिया। इस मैच में श्रेयस अय्यर ने बाउंड्री लाइन पर कमाल की फील्डिंग की। उन्होंने पहले बेहतरीन कैच पकड़ा, लेकिन उन्हें जब लगा की बाउंड्री से बाहर जा रहे हैं तो गेंद मैदान के अंदर फेंक दी और छह रन बचा लिए। वहीं, अर्शदीप सिंह की शानदार यॉर्कर ने जसप्रीत बुमराह की याद दिला दी, जबकि बुमराह यह मैच नहीं खेल रहे थे। वहीं, दिनेश कार्तिक, संजू सैमसन और रविचंद्रन अश्विन मैच के दौरान मस्ती करते नजर आए। यहां हम इस मैच के ऐसे ही रोमांचक पल तस्वीरों में दिखा रहे हैं। दिनेश कार्तिक ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 19 गेंद में नाबाद 41 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से चार चौके और दो छक्के निकले। कार्तिक की शानदार पारी के चलते भारत का स्कोर 190 तक पहुंच पाया और वेस्टइंडीज बड़े अंतर से यह मैच हार गया। इस मैच के दौरान संजू सैमसन, दिनेश कार्तिक और रविचंद्रन अश्विन मस्ती करते नजर आए। तीनों आपस में बात कर रहे थे और काफी खुश नजर आ रहे थे। ये तीनों खिलाड़ी तमिल बोलते हैं और एक यूजर ने लिखा कि तीनों निश्चित रूप से विक्रम फिल्म के बारे में बात कर रहे हैं। इस मैच में श्रेयस अय्यर ने अपनी फील्डिंग से सभी का दिल जीत लिया। उन्होंने बाउंड्री लाइन पर शानदार कैच पकड़ा, लेकिन कैच पकड़ने के बाद उन्हें पता चला की वो बाउंड्री लाइन से बाहर जा रहे हैं। ऐसे में अय्यर ने गेंद को मैदान के अंदर फेंक दिया। अपनी शानदार फील्डिंग से उन्होंने छक्के को दो रन में बदल दिया। इस मैच में अर्शदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने लगातार दूसरे मैच में अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया है। इस मैच में शुरुआत में अर्शदीप ने काफी रन लुटाए, लेकिन बाद में शानदार वापसी करते हुए विकेट भी चटकाए। उन्होंने शानदार यॉर्कर पर अकील हुसैन को बोल्ड किया। उनकी इस गेंद ने जसप्रीत बुमराह की याद दिला दी। रवि बिशनेई ने भी इस मैच में शानदार गेंदबाजी की और चार ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने रोवमन पॉवेल और ओडियन स्मिथ का विकेट लिया। बिशनेई को चहल की जगह टीम में मौका दिया गया और उन्होंने टीम में अपना दावा और मजबूत किया। भारत के स्पिन गेंदबाजों ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया। जडेजा, अश्विन और बिशनेई की तिकड़ी ने 12 ओवर की गेंदबाजी में पांच विकेट निकाले और 74 रन दिए। अश्विन ने पूरन और हेटमायर का अहम विकेट लिया। भुवनेश्वर कुमार ने एक बार फिर अपनी गेंदबाजी से कमाल किया। उन्होंने शमराह बूक्स को क्लीन बोल्ड कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इस मैच में उन्होंने दो ओवर में 11 रन देकर एक विकेट लिया। इसमें एक मेडन ओवर भी शामिल था। ऋषभ पंत इस मैच में बल्ले के साथ कोई कमाल नहीं कर पाए, लेकिन अपनी विकेटकीपिंग का जलवा दिखाया। इस मैच में उन्होंने एक कैच पकड़ा और एक शानदार स्टंपिंग भी की। बल्लेबाजी के दौरान वो 12 गेंद में 14 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान रोहित शर्मा और दिनेश कार्तिक ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी की। पहले रोहित ने 44 गेंद में 64 रन बनाकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई फिर मध्यक्रम के फेल होने पर कार्तिक ने आखिरी ओवरों में 19 गेंद में ताबड़तोड़ 41 रन बनाकर भारत का स्कोर 190 रन तक पहुंचाया।

रोहित शर्मा ने तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड, मार्टिन गुप्टिल को भी पीछे छोड़ा जानें पूरा मामला

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में रोहित शर्मा ने 64 रन की बेहतरीन पारी खेली और भारत के अच्छे स्कोर की नीव रखी। इस मैच में उन्होंने विराट कोहली और मार्टिन गुप्टिल के रिकॉर्ड भी तोड़ दिए। भारत ने पांच टी20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में वेस्टइंडीज को 68 रन से हरा दिया। इसके साथ ही टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इस मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बेहतरीन लय में थे। उन्होंने 44 गेंद में 64 रन की निकले हैं। उनका सबसे बड़ा स्कोर नाबाद 208 रन है। विराट को पीछे छोड़ा रोहित शर्मा ने इस मैच में विराट कोहली को पीछे छोड़ते हुए टी20 में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। रोहित ने 121 पारियों में 31 बार 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया है। वहीं, विराट ने 30 बार ऐसा किया है। हालांकि, विराट टी20 में अर्धशतक लगाने के मामले में अभी भी रोहित से आगे हैं। विराट ने टी20 क्रिकेट में 30

बेहतरीन पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से सात चौके और दो छक्के निकले। रोहित ने इस पारी के दौरान दो बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। पहले उन्होंने अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इस मामले में उन्होंने न्यूजीलैंड के मार्टिन गुप्टिल को पीछे छोड़ा। इसके बाद रोहित ने अपना अर्धशतक पूरा किया और विराट को पीछे छोड़ते हुए टी20 क्रिकेट में सबसे 50 से ज्यादा का स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। इस मैच में रोहित शर्मा ने बतौर कप्तान 42वीं जीत दर्ज की। उन्होंने अब तक 50 मैचों में भारत की कप्तानी की है और 42 में जीत हासिल की है। भारत की कप्तानी करते हुए रोहित ने 42.68 के औसत से 1921 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से चार शतक भी अर्धशतक लगाए हैं, जबकि रोहित ने 27 बार ऐसा किया है, लेकिन रोहित चार बार शतकीय पारी खेल चुके हैं और विराट अब तक टी20 में कोई शतक नहीं लगा पाए हैं। मार्टिन गुप्टिल को भी पीछे छोड़ा रोहित ने इस मैच में मार्टिन गुप्टिल को भी पीछे छोड़ा और अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। रोहित अब तक टी20 क्रिकेट में भारत के लिए 3443 रन बना चुके हैं। वहीं, मार्टिन गुप्टिल ने 3399 रन बनाए हैं। विराट कोहली इस मामले में तीसरे नंबर पर हैं और उन्होंने 3308 रन बनाए हैं। हालांकि, इन तीनों में विराट कोहली ने सबसे कम पारियां खेली हैं। कोहली ने सिर्फ 91 पारियां खेली हैं तो गुप्टिल ने 112 पारियां खेली हैं। वहीं, रोहित 121 पारियां खेल चुके हैं।

कप्तान के बिना अपने अभियान की शुरुआत करेगी इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम

नई दिल्ली। जानें वजहकॉमनवेल्थ गेम्स में इंग्लैंड की टीम श्रीलंका के खिलाफ कप्तान हीदर नाइट के बिना मैदान पर उतरेगी। इस मैच नेट स्कीवर टीम की कप्तानी करेंगी। हालांकि, आगे के मैचों में हीदर खेल सकती हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम शुरुआत में ही बड़ी मुश्किल में पड़ गई है। टीम की कप्तान हीदर नाइट चोट की वजह से पहला मैच नहीं खेल पाएंगी। ग्रुप बी में इंग्लैंड की टीम का पहला मुकाबला श्रीलंका के साथ है। हालांकि, कमर में चोट के चलते कप्तान हीदर नाइट यह मैच नहीं खेलेंगी। 21 जुलाई को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 मैच में हीदर नाइट को चोट लगी थी। इसके बाद वो सीरीज के बाकी दो मैच नहीं खेल पाई थीं। हालांकि, इंग्लैंड ने यह सीरीज 3-0 से अपने नाम की। हीदर नाइट की जगह टीम की उपकप्तान नेट स्कीवर टीम की कप्तानी करेंगी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को पहले मैच में मिली हार, ऑस्ट्रेलिया तीन विकेट से जीता

नई दिल्ली। ब्लॉग में आपका स्वागत है। राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार महिला टीमें उतरीं। भारत पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीतते-जीतते रह गया। उसे कंगारू टीम ने तीन विकेट से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया के 49 रन पर पांच विकेट गिर गए थे, लेकिन टीम इंडिया इसका फायदा नहीं उठा सकी।भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया ने पहले मैच में तीन विकेट से हरा दिया। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 154 रन बनाए। जवाब में कंगारू टीम ने 19 ओवर में सात विकेट पर 157 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। भारतीय टीम ने एक समय 49 रन के अंदर ऑस्ट्रेलिया के पांच विकेट झटक लिए थे, लेकिन जीत हासिल नहीं कर पाई। कंगारू बल्लेबाजों ने आखिरी ओवरों में शानदार बल्लेबाजी की। अंतिम के 24 गेंद पर उसने 43 रन बनाकर मैच को जीत लिया। भारत के लिए रेणुका सिंह ने चार विकेट लिए भारत को सातवीं सफलता जेस जोनासेन के रूप में मिला। जोनासेन तीन रन बनाकर दीप्ति शर्मा की गेंद पर उनको ही कैच थमा बैठीं। उन्होंने पांच गेंद पर तीन रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया का स्कोर सात विकेट पर 110 रन है। ऑस्ट्रेलिया को छठा झटका मेघना ने दिया। उन्होंने 13वें ओवर की आखिरी गेंद पर ग्रेस हैरिस को आउट कर दिया। हैरिस का कैच कप्तान हरमनप्रीत कौर ने लिया। ऑस्ट्रेलिया ने 13 ओवर में छह विकेट पर 100 रन बना लिए हैं। कंगारू टीम को जीत के लिए 42 गेंद पर 55 रन चाहिए। वहीं, भारत को चार विकेट की दरकार है। ऑस्ट्रेलिया ने 12 ओवर में पांच विकेट पर 92 रन बना लिए हैं। उसे जीत के लिए 48 गेंद पर 64 रन बनाने हैं। एश्ले गार्डनर और ग्रेस हैरिस क्रीज पर हैं। भारत को जीत के लिए पांच विकेट की दरकार है। ऑस्ट्रेलिया को पांचवां झटका आठवें ओवर में लगा। दीप्ति शर्मा ने रेचेल हेंस को आउट कर दिया। हेंस ने 14 गेंद पर नौ रन बनाए। राधा यादव ने उनका कैच लिया। ऑस्ट्रेलिया की आधी टीम 49 रनों के अंदर पवेलियन लौट चुकी है। एश्ले गार्डनर और ग्रेस हैरिस क्रीज पर हैं। रेणुका सिंह ने ऑस्ट्रेलिया को चौथा झटका दिया है। उन्होंने ताहिला मैकग्राथ को क्लीन बोल्ड कर भारतीय टीम को चौथी सफलता दिलाई। ताहिला ने आठ गेंदों में 14 रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई टीम 34 रन के अंदर चार विकेट गंवा चुकी है। पांच ओवर के बाद ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 38 रन पर चार विकेट है। रेणुका ने अपने तीन ओवर में 12 रन देकर चार विकेट लिए हैं। रेणुका सिंह के सामने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी बेबस नजर आ रही है। 21 रन के स्कोर पर कंगारू टीम के तीन विकेट गिर चुके हैं। तीनों विकेट रेणुका ने लिए हैं। उन्होंने एलीसा हीली और मेग लेनिंग के बाद बेथ मूनी को भी पवेलियन भेज दिया है। उन्होंने 10 रन बनाए। अब ताहिला मैकग्राथ और राचेल हार्येस क्रीज पर हैं। चार ओवर के बाद कंगारू टीम तीन विकेट गंवाकर 34 रन बना चुकी है। रेणुका सिंह ने मेग लेनिंग को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को दूसरा झटका दिया है। उन्होंने लेनिंग को राधा यादव के हाथों कैच आउट कराया। लेनिंग दुनिया की नंबर एक बल्लेबाज हैं और वो भारत के लिए बड़ा खतरा थीं, लेकिन रेनुका ने उनको आउट कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई है। उन्होंने आठ रन बनाए। रेणुका सिंह ने भारत को बड़ी सफलता दिलाई। उन्होंने पहली ही गेंद पर ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज एलिसा हिली को आउट कर दिया। हिली के बल्ले से लगकर गेंद स्लिप में दीप्ति शर्मा के हाथों में चली गई। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान मेग लेनिंग क्रीज पर उतर चुकी हैं। वह टी20 में नंबर-1 बल्लेबाज हैं। वहीं, दूसरे छोर पर टी20 की नंबर-2 बल्लेबाज बेथ मूनी खड़ी हैं। भारतीय महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 154 रन बनाए। उसने मजबूत ऑस्ट्रेलियाई टीम को 155 रनों का लक्ष्य दिया है। भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सबसे ज्यादा 52 रन बनाए। उन्होंने अपनी 34 गेंद की पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया। हरमन के अलावा शेफाली वर्मा ने 33 गेंद पर 48 और स्मृति मंधाना ने 17 गेंद पर 24 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया के लिए जेस जोनासेन ने चार ओवर में 22 रन देकर सर्वाधिक चार विकेट लिए। मेगन सट को दो और डार्सी ब्राउन को एक सफलता मिली। हरलीन देओल का भी बल्ला इस मैच में नहीं चला। वह छह गेंद पर सात रन बनाकर आउट हो गईं। जोनासेन की गेंद पर मैक्ग्रा ने उनका कैच लिया। उनके आउट होने के बाद राधा यादव क्रीज पर उतरी हैं। भारत को तेजी से रन चाहिए। हरमनप्रीत टीम इंडिया को 160 रन के पार पहुंचाना चाहेंगी। भारत को 16वें ओवर में चौथा झटका लगा। जेमिमा रोड्रिग्ज 12 गेंद पर 11 रन बनाकर आउट हो गईं। जेसी जोनासेन की गेंद पर रोड्रिग्ज ने बेथ मूनी को कैच थमा दिया। उनके आउट होने के बाद इसी ओवर में टीम इंडिया को पांचवां झटका भी लगा। जोनासेन ने पांचवीं गेंद पर दीप्ति शर्मा को पवेलियन भेज दिया। दीप्ति एक रन बनाकर जोनासेन को ही कैच थमा बैठीं। भारत का स्कोर 16 ओवर में पांच विकेट पर 117 रन है। कप्तान हरमनप्रीत कौर 24 और हरलीन देओल खाता खोले बगैर क्रीज पर हैं। भारत को 12वें ओवर में बड़ा झटका लगा। शेफाली वर्मा राष्ट्रमंडल खेलों में अर्धशतक लगाने वाली पहली महिला बनने से चूक गईं। शेफाली को जेस जोनासेन ने आउट किया। विकेट के पीछे एलिसा हिली ने शानदार कैच लिया। शेफाली ने 33 गेंद पर 48 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में नौ चौके लगाए। शेफाली के आउट होने के बाद कप्तान हरमनप्रीत का साथ देने के लिए जेमिमा रोड्रिग्ज उतरी हैं। भारत का स्कोर तीन विकेट पर 97 रन है। भारत को दूसरा झटका 10वें ओवर में लगा। यास्तिका भाटिया एक रन लेने के प्रयास में रनआउट हो गईं।

फुटबॉल कप्तान सुनील क्षेत्री बोल बुड्ढा कहने से पहले सोच लेना

नई दिल्ली। कोहली ने किया यह कमेंटसुनील क्षेत्री ने अपने जूनियर खिलाडियों के साथ एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने बताया था कि 40 की उम्र में भी युवा खिलाडियों का स्टैमिना उनसे बेहतर नहीं हैं। विराट कोहली ने भी इस वीडियो में अपनी प्रतिक्रिया दी है।भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील क्षेत्री 40 साल के हो चुके हैं, लेकिन अभी भी वो देश के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी बने हुए हैं। फिटनेस से लेकर स्किल तक हर मामले में सुनील देश के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उन्होंने एक बार फिर इसका सबूत दिया है। सुनील क्षेत्री ने अपने जूनियर खिलाडि.यों के साथ एक वीडियो रिकॉर्ड किया है। इसमें उन्होंने बताया है कि सिर्फ पांच दिन की ट्रेनिंग के बाद युवा खिलाड़ी उन्हें पीछे नहीं कर पाए। इसके साथ ही उन्होंने उन लोगों को चेतावनी दी है, जो उनको बूढ़ा कहते हैं।सुनील क्षेत्री के इस वीडियो पर कईम दिग्गजों ने कमेंट किए हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली भी इनमें से एक हैं। विराट ने इस वीडियो पर कमेंट कर लिखा हाहा लीजेंड। विराट और सुनील आपस में बहुत अच्छे दोस्त हैं और कोहली सुनील के बड़े फैन भी हैं। वो कई बार सुनील क्षेत्री का सपोर्ट कर चुके हैं। सुनील क्षेत्री ने जो वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है।

18 साल के गुस्तव ने लगातार दूसरे मैच में जड़ा शतक

नई दिल्ली। 17 छक्के, 10 चौके जड़ बनाया रिकॉर्डफ्रांस के गुस्तव मैकॉन ने लगातार दूसरे मैच में शतक लगाया है। उन्होंने दो मैचों में 17 छक्के और 10 चौकों की मदद से 210 रन बना दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक खास रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। स्विजरलैंड के खिलाफ 109 रन की तूफानी पारी की टीम ने 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 158 रन बनाए। इसके बाद नार्वे को 147 के स्कोर पर रोक दिया। बल्ले के साथ कमाल करने के बाद गुस्तव ने गेंदबाजी में भी शानदार प्रदर्शन किया और चार ओवर में 27 रन देकर तीन विकेट लिए। इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

खेलने वाले गुस्तव मैकॉन ने अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। अब उन्होंने लगातार दूसरे मैच में शतक लगाकर एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। गुस्तव दुनिया के पहले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने लगातार दो अंतरराष्ट्रीय टी20 मैचों में शतक लगाया है। उन्होंने नार्वे के खिलाफ 101 रन बनाए और अपनी टीम को चैंपियन बनाया। यूरोपीय टी20 विश्व कप क्वालीफायर राउंड में गुस्तव लगातार दो शतक लगा चुके हैं। उन्होंने दो मैचों में 17 छक्के और 10 चौकों की मदद से 210 रन बना लिए हैं। स्विजरलैंड के खिलाफ नौ छक्के लगाने वाले इस बल्लेबाज ने नार्वे के खिलाफ आठ छक्के लगाए। नार्वे के खिलाफ मैच में गुस्तव के शतक की बदौलत फ्रांस स्विजरलैंड के खिलाफ मैच में तूफानी पारी खेलने के बावजूद गुस्तव अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए थे। आखिरी ओवर में उन्हें 16 रन बचाने थे, लेकिन वो ऐसा नहीं कर पाए थे। आखिरी गेंद में स्विजरलैंड को चार रन की जरूरत थी और गुस्तव चौका खा गए थे। हालांकि, इस मैच में उन्होंने अपनी टीम को जीत दिला दी। शानदार है गुस्तव का रिकॉर्ड गुस्तव ने अब तक तीन टी20 मैच खेले हैं और तीनों में शतक या अर्धशतक लगाया है। उन्होंने दो मैचों में शतकीय और एक मैच में अर्धशतकीय पारी खेली है। तीन मैचों में वो 95 से ज्यादा के औसत से 286 रन बना चुके हैं। उनका स्ट्राइक रेट बी 170 से ज्यादा का है। हालांकि, घरेलू क्रिकेट पर उनका रिकॉर्ड कैसा है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रर्मो की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभिन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यभी सीटें पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः **15 अगस्त 2022**
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपलबध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्रः– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

बोल्ड फोटोशूट के बाद पहली बार नजर आए रणवीर सिंह

नई दिल्ली । बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह बीते कई दिनों से अपने बोल्ड फोटोशूट को लेकर सुर्खियों में हैं। एक मैगजीन के लिए कराए गए न्यूड फोटो शूट के बाद एक्टर लगातार विवादों में घिरते जा रहे हैं। इस सिलसिले में रणवीर के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज हो चुकी है। इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर लोग भी लगातार एक्टर को ट्रोल कर रहे हैं। साथ ही कई लोग ऐसे भी हैं जो एक्टर की इन तस्वीरों की वजह से आलोचना कर रहे हैं। हालांकि विवादों के बावजूद रणवीर सिंह अपने मस्त अंदाज में बेफिक्र नजर आ रहे हैं। अपने इस फोटोशूट के बाद अभिनेता हाल ही में एक फैशन शो में नजर आए। इस फैशन शो में एक्टर अपने फोटोशूट को लेकर हुए विवाद के बाद पहली बार पतनी दीपिका पादुकोण संग दिखाई दिए। रणवीर और दीपिका ने शुक्रवार को आयोजित हुए मिजवान फैशन शो में मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के लिए रैंप वॉक किया। इस दौरान यह कपल मनीष मल्होत्रा के डिजाइनर कपड़ों में नजर आया। इस शो का आयोजन मिजवान के 10 साल पूरे होने के जश्न में किया गया था। मुंबई में आयोजित हुए इस शो में

दीपवीर शोस्टॉपर बने थे। शो के दौरान अपने बेहतरीन आउटफिट से दीपिका और रणवीर लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। इस दौरान अकेले रैंप वॉक करने के अलावा दोनों ने साथ में भी वॉक थी। इस शो में रणवीर, दीपिका के अलावा विद्या बालन, गौहर खान, करण जौहर, नोरा फतेही समेत अन्य कलाकार भी शामिल हुए। दीपवीर फैशन शो के दौरान डिजाइनर कपड़ों में शाही कपल की तरह नजर आए। अभिनेता रणवीर कपूर फैशन शो के दौरान काले रंग की शेरवानी में नजर आए। सफेद रंग की बेहतरीन कढ़ाई वाले इस आउटफिट में वह बेहद हैंडसम लग रहे थे। वहीं, अभिनेत्री दीपिका पादुकोण इस दौरान सिल्वर व्हाइट रंग के डिजाइनर लहंगे में नजर आईं। एंब्रॉयडरी वाले इस नेट के लहंगे में दीपिका बेहद गॉजिय्स लग रही थीं। अपने इस लहंगे के साथ उन्होंने ग्लौसी मेकअप और सिल्वर रंग की मैचिंग ज्वेलरी भी कैरी की थी, जो उनके इस लुक में चार चांद लगा रही है। शो के दौरान रणवीर हमेशा की तरह अपने मस्त अंदाज में नजर आए। रैंप वॉक करते हुए जहां अभिनेता ने वहां मौजूद दर्शकों से बातचीत की तो वहीं वॉक करते हुए ठुमके लगाते भी नजर आए। इतना ही नहीं रैप वॉक के दौरान यह कपल एक बार फिर लोगों के सामने अपना प्यार जाहिर करता दिखा। रणवीर सिंह ने सबके सामने अपनी लेडी लव के लिए अपने प्यार का इजहार करते हुए उन्हें किस भी किया। वर्कफ्रंट की बाते करें तो रणवीर सिंह जल्द ही करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में दिखाई देंगे। फिल्म में आलिया भट्ट भी अहम भूमिका में हैं। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जोया अख्तर की गली बॉय के बाद रणवीर और आलिया की दूसरी फिल्म है। वहीं, दीपिका पादुकोण की बात करें तो वह पठान में शाहरुख खान और जॉन अब्राहम के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा उनके पास ऋतिक रोशन के साथ फाइटर भी हैं।

चुनरी ओढ़े सपना ने डांस से लूटी महफिल, 'सुल्फा सरार थाग्या' पर डांस देख झूम उठे फैंस

नई दिल्ली । हरियाणा की डांसिंग क्वीन कही जाने वाली सपना चौधरी के अपने ठुमकों से अक्सर सभी का दिल जीत लेती हैं। अपनी डांसिंग के साथ-साथ वह सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहती हैं। उनका नाम सोशल मीडिया पर बच्चे-बच्चे की जुबान पर चढ़ा हुआ है। इंस्टाग्राम

पर उनके 50 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। अपने डांस मूव्स से लाखों दिलों पर राज करने वाली सपना के रील्स सोशल मीडिया पर अक्सर वायरल हो जाते हैं। ऐसे में हाल ही में सपना चौधरी का एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें सपना स्टेज पर थिरकती नजर आ रही हैं। वायरल होते इस वीडियो में सपना का देसी अंदाज दर्शकों को खूब भा रहा है। वीडियो में हरियाणवी डांसर गाने 'सुल्फा सरार थाग्या' पर मटकती दिखाई दे रही हैं। इस गाने को देख वहां मौजूद दर्शक भी बहुत उत्साहित हो रहे हैं। इतना ही नहीं सपना के एक्स्प्रेशन देखकर फैंस अपना दिल हार रहे हैं। उनका हर एक मूव फैंस को दीवाना बना रहा है। स्टेज पर इस गाने पर उनके डांस और एक्स्प्रेशन्स के साथ ही लोगों को उनका ठेठ हरियाणवी अंदाज भी लुभा रहा है।यूट्यूब पर इस समय ट्रेंड कर रहे हैं इस वीडियो में सपना हरे रंग का सलवार-सूट पहने बहुत खूबसूरत लग रही हैं। लंबी चोटी और कानों में इयररिंग्स पहने हरियाणवी सॉन्ग 'सुल्फा सरार थाग्या' पर कमर मटकाती हुई झूम-झूम कर डांस कर रही हैं। सपना के हर वीडियो की तरह ही इस वीडियो पर भी उनके फैंस का खूब प्यार लुटा रहे हैं। बता दें कि फैंस को उनका ये वीडियो बेहद पसंद आ रहा है,अब तक इस वीडियो को हजारों व्यूज मिल चुके हैं। सपना चौधरी का यह डांस वीडियो इंटरनेट वर्ल्ड में जमकर वायरल हो रहा है। आपको बता दें कि सपना चौधरी ना सिर्फ म्यूजिक विडियोज और स्टेज शोज में भी नजर आती हैं। इतना ही नहीं सपना चौधरी की पॉपुलैरिटी को देखते हुए उन्हें रियलिटी शो बिग बॉस में बुलाया गया था। शो में भी सपना ने अपने देसी अंदाज से लोगों का दिल जीता था और इसमें आने से उनकी प्रसिद्धी में काफी इजाफा हुआ था।

क्रिस रॉक को थप्पड़ मारने के बाद क्या सोच रहे थे विल स्मिथ अभिनेता ने खुद बताई हकीकत

नई दिल्ली । 94वें ऑस्कर अवॉर्ड के दौरान विल स्मिथ द्वारा क्रिस रॉक को थप्पड़ मारे जाने के कुछ महीनों के बाद अब इस पर अभिनेता की प्रतिक्रिया सामने आई है। विल स्मिथ ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में एक्टर ने कॉमेडियन से माफी मांगी है। वीडियो वीडियो की शुरुआत में लिखा है कि ठ मैं पिछले कई महीनों से काफी सोच रहा हूं और इस पर काम कर रहा हूं। आपने कुछ सही सवाल पूछे हैं और मैं वक्त निकाल कर उसका जवाब देना चाहता हूं। उन्होंने वीडियो में कहा कि मैं उस वक्त अपना दिमागी संतुलन खो बैठा था। यह काफी उलझा हुआ

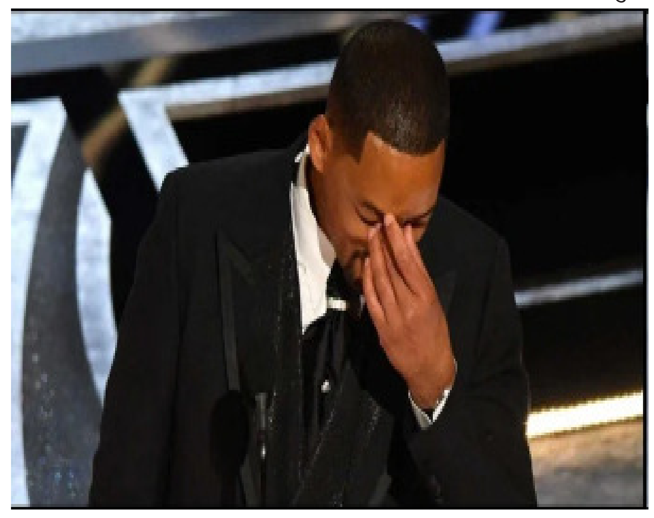

में उन्होंने यह भी बताया कि वह क्रिस रॉक के पास पहुंचे थे, लेकिन कॉमेडियन अभी बात करने के लिए तैयार नहीं हैं। कॉमेडियन को थप्पड़ मारने के लिए एक्टर ने क्रिस के परिवार, अकादमी के नामांकित व्यक्तियों के साथ-साथ उनके परिवार से भी माफी मांगी है। विल के इस सा था। मैं क्रिस तक पहुंचा था और मुझे पता चला कि वह बात करने के लिए तैयार नहीं है। जब वह तैयार होंगे तो वह बात कर लेंगे। क्रिस मैं आपसे माफी मांगता हूं। मेरा व्यवहार स्वीकार करने लायक नहीं था और आप जब भी मुझसे बात करना चाहें मैं यहीं हूं। विल स्मिथ ने आगे कहा कि उन्हें यह नहीं पता कि इस घटना से उन्होंने कितनों को दुखी किया। इस दौरान उन्होंने क्रिस रॉक की मां से भी माफी मांगी। विल स्मिथ के थप्पड़ वाली घटना के बाद अभिनेता आध्यात्मिक यात्रा पर भारत आए थे। उन्होंने इस दौरान ऑस्कर में हुए थप्पड़ वाले वाक्ये पर भी बातें की थी। उन्होंने कहा कि उस घटना के बारे उन्होंने पिछले तीन महीने काफी बारीकी से सोचा और वह जानते हैं कि उन्होंने जो व्यवहार किया वह गलत है। वहीं इस वीडियो को देखने के बाद फैंस एक्टर की हिम्मत की तारीफ करते हुए उन्हें सम्मान दे रहे हैं। गौरतलब है कि इसी साल मार्च में हुए ऑस्कर के इवेंट में विल स्मिथ की वाइफ जेड के बालों को लेकर किए गए मजाक पर एक्टर अपना आपा खो बैठे थे। इसके बाद विल ने गुस्से में मंच पर ही क्रिस रॉक को थप्पड़ लगा दिया था। बाद में विल ने यह स्पष्ट किया था कि ऐसा करने के लिए उनकी पतनी ने उनसे नहीं कहा था। क्रिस के साथ पुरानी हिस्ट्री के चलते ये ख्याल उनके दिमाग में खुद आया था। उन्होंने कहा था कि 'मैं इंसान हूं और गलतियां कर सकता हूं।' बता दें कि विल की इस हरकत के बाद एक्टर को सजा के तौर पर ऑस्कर से 10 साल के लिए बैन कर दिया है।

ओटीटी के लिए भी करोड़ों चार्ज करते हैं ये सितारे, एक एपिसोड की फीस जान रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली । ओटीटी प्लेटफार्म के कंटेंट को लेकर फैंस के अंदर खासा उत्साहित नजर आते हैं, क्योंकि यहां पर उन्हें अपनी भाषा और जॉनर की चॉइस के हिसाब से बेशुमार कंटेंट

मिल जाता है। यही वजह है कि लॉकडाउन समय के बाद से ओटीटी प्लेटफॉर्म मनोरंजन के लिए लोगों की पहली पसंद बन गए हैं। ओटीटी प्लेटफार्म नई प्रतिभाओं के लिए तो वरदान साबित हुए ही हैं, इसके साथ ही दर्शकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए बॉलीवुड के कई सितारे भी ओटीटी पर अपना डेब्यू कर चुके हैं। बता दें कि ये सितारे सिर्फ बड़ी फिल्मों के लिए ही नहीं बल्कि ओटीटी पर काम करने के लिए भी मोटी फीस चार्ज करते हैं। तो चलिए जानते हैं ऐसे ही कुछ कलाकारों की फीस के बारे में। बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता सैफ अली खान भी ओटीटी डेब्यू कर चुके हैं। सैफ ने 'सेक्रेड गेम्स' से ही अपना ओटीटी डेब्यू किया था। इसे अलावा उन्होंने फिल्म 'तांडव' से भी खूब वाहवाही बटोरी। बात करें सैफ अली खान की ओटीटी फीस की तो सामने आई जानकारी के मुताबिक अभिनेता ने 'सेक्रेड गेम्स' के दोनों सीजन के लिए 15 करोड़ फीस ली थी। अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी को फिल्मों में तो दमदार अभिनय के लिए जाना ही जाता है, ओटीटी पर भी वह अपन जलवा कायम कर चुके हैं। नेटफ्लिक्स की सीरीज 'सेक्रेड गेम्स' में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के शानदार अभिनय को सभी ने सराहा है। रिपोट्र्स की मानी जाए तो इस सीरीज के सीजन 2 के लिए नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने 10 करोड़ रुपये चार्ज किए थे। मिर्जापुर वेब सीरीज में अभिनेता अली फजल अपनी ठेठ अदाकारी से छा गए थे। उनके डायलॉग लोगों की जुबान पर रटे हुए हैं। इस सीरीज में अली फजल का एक अलग अंदाज देखने को मिला था। रिपोट्र्स के अनुसार अली फजल ने सीरीज के हर एपिसोड के लिए करीब 12 लाख रुपये की फीस ली थी। 'पंचायत' सीरीज के दोनों सीजन में सचिव जी का किरदार निभाकर मशहूर हुए जितेंद्र कुमार ने अपनी दमदार अदाकारी से अलग पहचान बना ली है। बात करें उनकी ओटीटी फीस की तो जानकारी के अनुसार अभिनेता जितेंद्र ने पंचायत सीजन 2 के हर एपिसोड के लिए 50 हजार रुपये चार्ज किए हैं। ऐसा करके उन्होंने इस सीरीज से चार लाख रुपये की कमाई की है। अभिनेता पंकज त्रिपाठी को फिल्मों से लेकर ओटीटी सीरीज तक में दमदार अभिनय के लिए जाना जाता है। वह ऐसे मंझे हुए कलाकार है, जो हर किरदार में छा जाते हैं और अपने दम पर फिल्म हिट कराने का माद्दा रखते हैं। मिर्जापुर' वेब सीरीज में कालीन भइऱ्या के नाम से पॉपुलर हुए पंकज त्रिपाठी भी ओटीटी के लिए मोटी रकम लेते हैं। रिपोट्र्स के अनुसार 'मिर्जापुर 2' के लिए पंकज त्रिपाठी ने 10 करोड़ रुपये चार्ज किए थे। इसकी सफलता के बाद उन्होंने 'सेक्रेड गेम्स 2' के लिए 12 करोड़ फीस ली थी।

बचपन की यादें ताजा कर देंगे बीते दौर के ये मशहूर शोज

नई दिल्ली । 90 के दशक का लोकप्रिय टीवी शो शक्तिमान एक बार फिर पर्दे पर वापसी करने वाला है। शो की लोकप्रियता को देखते हुए अब मेकर्स

में इसकी फिल्म बनाने का एलान कर दिया है। 90 और 2000 के दशक में ऐसे ही कई सीरियल प्रसारित किए जाते थे, जिन्हें दर्शक काफी पसंद करते थे। इन शोज की लोकप्रियता आज भी पहले की ही तरह कायम है। हालांकि टीवी पर इन सीरियल का प्रसारण काफी समय पहले ही बंद हो चुका है। ऐसे में अगर आप अपनी पुरानी यादों को फिर ताजा करना चाहते हैं तो ओटीटी प्लेटफॉर्म आपके लिए मददगार साबित होंगे। उस दौर के कई मशहूर टीवी शो अब ओटीटी पर भी मौजूद है। तो आइए जानते हैं बीते समय के ऐसे ही कुछ सीरियल्स के बारे में जिन्हें आप घर बैठे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं। टीवी पर प्रसारित होने वाले मशहूर शो शरारत को उस दौर के बच्चे काफी पसंद करते थे। यह शो एक जादुई शो था, जिसमें तीन परियों की कहानी दिखाई गई थी, जो अपनी जादुई शक्ति के साथ एक आम इंसान की जिंदगी गुजार रही हैं। इस शो में फरीदा जलाल, श्रुति सेठ, पूनम नरूला और करणवीर बोहरा जैसे कलाकार नजर आए थे। इस शो को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म डिजनी प्लस हॉटस्टार पर देख सकते हैं टेलीविजन का मशहूर कॉमेडी शो साराभाई वर्सेस साराभाई भी दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय था। इस शो ने लोगों का भरपूर मनोरंजन किया था। टीवी के के इश मशहूर सीरियल को लोगों ने इतना पसंद किया था कि आज भी इसके हर किरदार याद किए जाते हैं। इस शो में सतीश शाह, रूपाली गांगुली, रतन पाठक जैसे कलाकार नजर आए थे। यह शो डिजनी प्लस हॉटस्टार पर देखा जा सकता है स्टार प्लस के मशहूर कॉमेडी शो खिचड़ी की लोकप्रियता आज भी लोगों के बीच कायम है। गुजराती परिवार पर आधारित यह शो अपने दौर का एक सफल कॉमेडी शो रह चुका है। इस सीरियल में नजर आने वाले हर किरदार का अलग अंदाज दर्शकों को बेहद पसंद आया था। यही वजह है कि इस शो के ऊपर बाद में फिल्म भी बनाई गई थी। अगर आप आज भी इस शो का आनंद उठाना चाहते हैं तो डिजनी प्लस हॉटस्टार पर इसे देख सकते हैं। डीडी नेशनल पर प्रसारित होने वाले जादुई शो शाका लाका बूम बूम को उस दौर के बच्चों से बेहद प्यार मिला था। बाद में यह सीरियल स्टार प्लस पर प्रसारित किया जाने लगा। शो की कहानी संजू नाम के बच्चे पर आधारित थी, जिसके पास जादुई पेंसिल थी, जो उसकी हर इच्छा पूरी करती थी। अगर आप भी अपने बचपन की यादें ताजा करना चाहते हैं तो डिजनी प्लस हॉटस्टार पर इस शो को देख सकते हैं। मशहूर लेखक आरके नारायण की कहानियों पर आधारित शो मालगुडी डेज 90 के दशक के लोकप्रिय शोज में से एक रहा है। इस सीरीज में मालगुडी के छोटे से शहर की कहानी दिखाई गई है। 90 के दशक के लोगों के लिए यह बचपन की बेहतरीन यादों में से एक है। दूरदर्शन प्रसारित होने वाला यह शो अब अमेजॉन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

रूपाली गांगुली के बर्ताव से हैरान पारस कलनावत

'अनुपमा' के मेकर्स संग विवाद पर कही ये बातपारस कलनावत ने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें अभिनेता ने हैरान करने वाले खुलासे किए हैं। पारस ने बातचीत के दौरान 'अनुपमा' में काम करने का अनुभव साझा किया है। टीवी एक्टर पारस कलनावत सीरियल 'अनुपमा' छोड़ चुके हैं। इस सीरियल में पारस अनुपमा (रूपाली गांगुली) के बेटे समर का किरदार निभाते थे और अब पारस 'झलक दिखला जा 10' में नजर आएंगे। कई

रिपोट्र्स में दावा किया गया कि पारस कलनावत ने 'झलक दिखला जा 10' का कॉन्ट्रेक्ट साइन किया है और इसी चीज से नाराज मेकर्स ने पारस को सीरियल से बाहर का रास्ता दिखा दिया। वहीं, अब पारस ने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें अभिनेता ने इस पूरे विवाद पर खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने एक्ट्रेस रूपाली गांगुली के बारे में हैरान कर देने वाली बात कही है। पारस ने सीरियल छोड़ने के बाद अनुपमा के कलाकारों का रिएक्शन बताया है। अभिनेता ने कहा कि मैं सबसे ज्यादा रूपाली गांगुली के व्यवहार से हैरान हूं। उन्होंने इस पूरे विवाद के बाद मुझसे संपर्क नहीं किया है। मैं हैरान हूं कि इतना सब होने के बाद मुझसे सिर्फ कुछ लोगों ने संपर्क किया है। अनुपमा के कलाकारों में से सिर्फ निधि शाह, सुधांशु पांडे और मुस्कान बामने ने मुझे फोन किया था। जब कॉन्ट्रोवर्सी शुरू हुई तब मदालसा शर्मा का भी मैसेज आया था। अभिनेता ने ये भी कहा कि वह यह समझते हैं कि कुछ लोग मेकर्स की गुड बुक्स में रहना चाहते हैं। पारस ने बताया कि इंडस्ट्री में बहुत ज्यादा राजनीति होती है। यहां पर खुद को बचाना काफी मुश्किल है। एक्टर ने दावा किया कि शो के मेकर्स ने उनसे संपर्क नहीं किया था। उनकी मेकर्स के साथ कोई मीटिंग नहीं हुई। यह सब अचानक हुआ है। पारस ने इसे पब्लिसिटी स्टंट बताया और कहा कि उन्हें रात आठ बजे टर्मिनेशन का लेटर ईमेल पर मिला था और इसके चंद मिनट बाद दी उन्हें शो से बाहर निकालने की खबर सामने आ गई थी।इससे अलावा, पारस ने कुछ समय पहले इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया था, जिसमें अभिनेता ने 'अनुपमा' में काम करने के अनुभव बताया था। पारस ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा था कि शो का हिस्सा बनना किसी बुरे सपने से कम नहीं था। अभिनेता का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था।

जॉनी डेप से मुकदमा हारने के बाद बैंक करप्ट हुई एम्बर हर्ड, फैसले के खिलाफ दोबारा करेंगी अपील

नई दिल्ली । 'पाइरेट्स ऑफ द कैरेबियन' फेम जॉनी डेप उनकी पूर्व पतनी एम्बर हर्ड के बीच छिड़ी कानूनी जंग पर थमने का नाम नहीं ले रही है। इस हाई प्रोफाइल केस की चर्चा पूरे हॉलीवुड में रही, जिसमें दोनों पक्षों की तरफ से खूब आरोप-प्रत्यारोप लगाए गए। फिलहाल जॉनी डेप द्वारा दायर किए गए मानहानि मुकदमे में अभिनेता को जूरी ने निर्दोष पाते हुए उनकी पतनी एम्बर को हर्जाने के तौर पर करीब 10 मिलियन डॉलर का मुआवजा देने के लिए कहा था। अब जानकारी सामने आ रही है कि एंबर हर्ड ने चौंकाने वाला खुलासा किया है, उन्होंने खुद को दिवालिया (बैंक करप्ट) घोषित कर दिया है और उनका कहना है कि वह भुगतान करने में असमर्थ हैं। अभिनेता जॉनी डेप और उनकी पूर्व पतनी अभिनेत्री एंबर हर्ड के मुकदमे में कार्यवाही के दौरान कई हफ्तों

चली सुनवाई में दोनों द्वारा दी गई गवाही और टिप्पणियो की रिकॉर्डिंग की गईं। जिसमें दोनों की ओर से गंभीर आरोप भी लगाए गए थे। अंत में जूरी ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा था कि एंबर को जॉनी डेप को 10 मिलियन डॉलर भुगतान करना होगा, जबकि डेप को भी हर्जाने के रूप में 2 मिलियन डॉलर का भुगतान करने का आदेश दिया गया था। इस फैसले के बाद एक्वामैन अभिनेत्री की कानूनी टीम ने न्यायाधीश को सूचित किया कि उनके पास हर्जाना चुकाने के लिए पर्याप्त पैसा नहीं है। जूरी के फैसले के बाद हर्ड 10 मिलियन डॉलर का भुगतान करने के विकल्प खोजने के लिए अदालती लड़ाई लड़ रही हैं। उनके द्वारा कथित तौर पर राशि कम करने के लिए अपील की गई है। इसके अलावा अभिनेत्री के प्रतिनिधि के एक बयान के अनुसार, वह जूरी के फैसले के खिलाफ दोबारा अपील कर रही हैं। बता दें कि अदालत द्वारा किए गए फैसले से एंबर हर्ड खुश नहीं हैं और उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए भी इस पर अपनी बात रखी थी। अभिनेत्री एंबर हर्ड ने 20 जुलाई को खुद को दिवालिया घोषित किया और 21 जुलाई को वर्जीनिया के राष्ट्रमंडल में अपील की। 35 वर्षीय हर्ड ने संसाधनों की कमी के कारण खुद को भुगतान करने में असमर्थ बताते हुए अनुरोध किया है कि निर्णय को अमान्य घोषित कर दिया जाए।

टीवी के 'शक्तिमान' ने की सरकार से हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग, कहा- एक होना जरूरी

नई दिल्ली । मशहूर एक्टर मुकेश खनन मनोरंजन जगत का एक जाना पहचाना नाम है। लोग उन्हें 'पितामह भीष्म' और 'शक्तिमान' के रुप में जानते हैं। मुकेश लंबे समय से फिल्मों से दूर हैं लेकिन अपने बयानो की वजह से अक्सर सुखिऱ्यों में आ जाते हैं। हाल ही

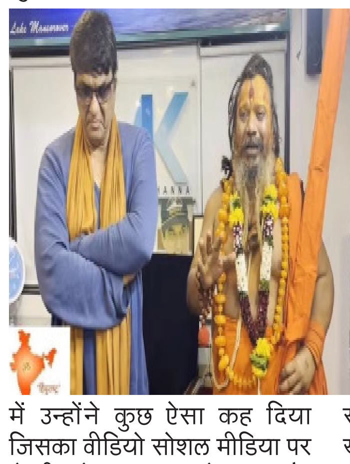

में उन्होंने कुछ ऐसा कह दिया जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, मुकेश ने शनिवार को एक ट्वीट कर सरकार से भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग की है। मुकेश खनन ने हिंदू राष्ट्र की मांग करते हुए अपने ट्वीट में लिखा कि हिंदुस्तान में रहकर अपने देश को इंडिया कहलवाना बहुत हो गया। ये तो उसी दिन हो जाना चाहिए था जिस दिन पाकिस्तान बना। इस ट्वीट के साथ उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल का लिंक डाला है जिसमें एक्टर के साथ जगद्गुरु परमहंस आचार्य भी नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में जगद्गुरु परमहंस आचार्य मुकेश खनन से पूछते नजर आ रहे हैं कि हिंदू राष्ट्र के बारे में आपके क्या विचार है? इस पर मुकेश खनन कहते हैं, 'इस बात को मैंने एक साल पहले भी उठाया था कि हमारा देश पहले अखंड था तो आज क्यों नहीं है?' उन्होंने वीडियो में भारत सरकार से अपील की कि देश को जल्द से जल्द हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाए। गौरतलब है कि हाल ही में मुकेश खनन 'शक्तिमान' की वजह से सुर्खियों में आ गए थे। उन्होंने खुलासा किया था कि टीवी की दुनिया से निकलकर शक्तिमान अब बड़े पर्दे पर जल्द ही नजर आने वाला है। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया था कि इस फिल्म को कम से कम 300 करोड़ के बजट में बनाने की तैयारी चल रही है। हालांकि इससे फिल्म के बारे में उन्होंने इससे ज्यादा कोई जानकारी नहीं दी।

सोनम से लेकर आलिया तक, 2022 में इन एक्ट्रेस ने दी प्रेग्रेंसी की गुड न्यूज

नई दिल्ली । और करण सिंह ग्रोवर को लेकर आज जानकारी सामने आई कि कपल जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत कर सकते हैं। यह खबर

आने के बाद फैंस काफी एक्साइटेड हैं, हालांकि अभी दोनों में से किसी ने भी इस बात को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन उम्मीद है कि कपल भी जल्दी ही फैंस के साथ अपनी ये खुशी साझा करेगा। फिलहाल इस साल कई सेलेब्स माता-पिता बनने जा हैं, तो चलिए जानते हैं, उन अभिनेत्रियों के बारे में जिन्होंने साल 2022 में दी प्रेग्नेंसी की गुड न्यूज। 2022 यानी इसी साल मार्च महीने में सोनम कपूर और आनंद आहूजा ने अपने आने वाले फर्स्ट चाइल्ड की खुशखबरी सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ साझा की थी। सोनम कपूर ने पति आनंद आहूजा संग बेबी बंप पर हाथ रखे हुए तस्वीरें साझा की थी और अपनी प्रेगनेंसी की गुड न्यूज सुनाई थी। इन दिनों अभिनेत्री अपनी प्रेगनेंसी फेज एंजॉय कर रही हैं और वह लगातार सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं। अप्रैल 2022 में शादी के बंधन में बंधे न्यूली मैरिड कपल आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने भी पिछले महीने फैंस के साथ ये खुशखबरी साझा की थी कि वह माता-पिता बनने वाले है। हालांकि इससे फैंस को खुशी के साथ ही थोड़ी हैरानी भी हुई थी। आलिया भट्ट ने सोनोग्राफी सेशन से एक तस्वीर साझा की थी और बताया कि वह मां बनने वाली हैं। बात करें बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर की तो दोनों ने साल 2016 में शादी की थी और उनकी शादी को छह साल का समय हो चुका है। अब जबकि खबर सामने आई है कि बिपाशा बसु मां बनने वाली है तो फैंस को कपल की ओर से भी इसकी घोषणा का बेसब्री से इंतजार है।बॉलीवुड की हस्तियों ने तो इस साल गुड न्यूज देकर फैंस को ट्रीट दी ही है, इसके साथ ही टीवी के पॉपुलर अभिनेता धीरज धूपर और पत्नी विनने अरोड़ा ने भी कुछ समय पहले सोनोग्राफी रिपोर्ट की तस्वीर शेयर करते हुए जानकारी दी थी कि जल्दी ही वह माता-पिता बनने वाले है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादकः-डा. दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
डाक पंजीयन नं. 99/2021-23
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।